हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, शुक्रवार 9 अक्टूबर 2026


The Honda Joy Fest
इस त्यौहार, घर आये होंडा - घर आये खुशी
कैशबैक ₹10000* तक
न्यूनतम ROI @5.99%*
लोन 100%* तक
लोन अवधि 60* महीने
नो हायपोथिकेशन*
अधिक जानकारी के लिए 7230032200 पर मिस्ड कॉल दें
*Terms and Conditions apply.
HONDA
Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

वे मजाक में कहते थे

- मैंने अपनी 12 मन लकड़ियां रखी हुई हैं। वो सूखी हैं। उसी में मुझे जलाना। गीली लकड़ी मत इस्तेमाल करना
- नाना ने कभी अपने संघर्ष को छिपाया नहीं। वे खुलकर बताते थे कि उन्होंने भूख देखी है, गरीबी देखी है और अपमान भी सहा है

75 साल के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गोवा में दिल का दौरा पड़ने से निधन

नाना कहते थे-मौत के बाद जिंदगी रुकती नहीं, इंसान के जाने के बाद लोग धीरे-धीरे जिंदगी में आगे बढ़ जाते हैं

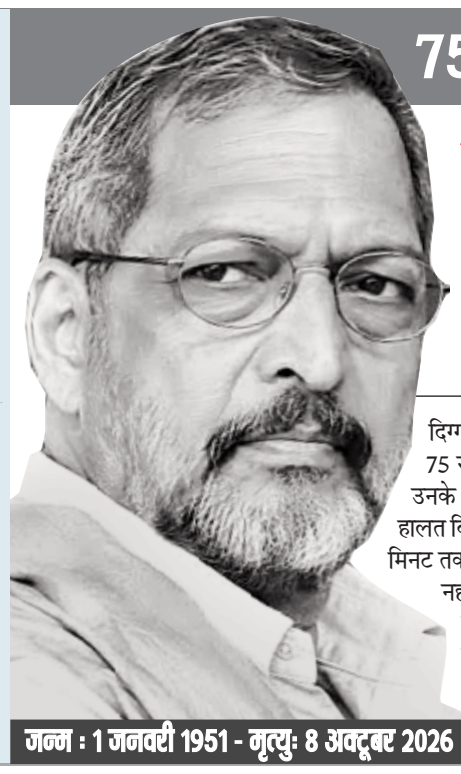

जन्म : 1 जनवरी 1951 - मृत्यु: 8 अक्टूबर 2026

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। गोवा स्थित उनके घर पर उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था। हालत बिगड़ने के बाद उन्हें बचाने के लिए करीब 45 मिनट तक सीपीआर दी गई, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं पाए। नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार पुणे स्थित उनके फार्महाउस में किया जाएगा। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर ने बताया कि नाना पाटेकर को सुबह करीब 5:20 बजे मृत घोषित किया गया। जिस वक्त उनकी तबीयत बिगड़ी, घर पर परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। उनके साथ दोस्त और केयरटेकर थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर की तबीयत अचानक बिगड़ी। उन्होंने पहले दोस्त से संपर्क करने की कोशिश की। दोस्त जब करीब 4 बजे घर पहुंचे, तब नाना पाटेकर की हालत तेजी से बिगड़ रही थी। उन्हें पसीना आ रहा था और वह धीरे-धीरे बेहोशी की हालत में जा रहे थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश शुरू हुई। डॉक्टरों ने करीब 45 मिनट से एक घंटे तक उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। नाना कहते थे कि मौत के बाद जिंदगी रुकती नहीं है।

कारगिल युद्ध के कई मोर्चों पर रहे थे

यह साल 1999 था। नाना पाटेकर अपनी फिल्म की शूटिंग में बिजी थे। जब उन्हें पता चला कि 1999 में कारगिल का युद्ध शुरू हो गया है। इसके बाद नाना पाटेकर तुरंत अपना सारा काम छोड़कर कारगिल युद्ध में शामिल होने के लिए तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस को फोन किया।



▶▶ अंदर के पृष्ठ पर

पीएम बोले- एक परिंदे की तरह फिल्मों के आसमान में उड़े

पीएम नरेंद्र मोदी ने नाना पाटेकर को याद करते हुए कहा कि वे बंधनों में नहीं रहे, बल्कि एक परिंदे की तरह फिल्मों के आसमान में उड़े। उन्होंने समाज की व्यवस्था पर करारा प्रहार किया और बुराइयों के विरुद्ध काम किया। पीएम ने उनके अभिनय, देशभक्ति और भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान को भी नमन किया।

हरिभूमि सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
सामान्य कूपन 09 अक्टूबर 2026
कूपन नं. 19

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप



शिवराज फिर बने दादा घर में गूंजी किलकारी

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एक बार फिर दादा बने हैं। उनके छोटे बेटे कुणाल और बहू ऋद्धि के घर बेटे का जन्म हुआ है। नवजात का नाम अहान रखा गया है। शिवराज ने अस्पताल से परिवार के साथ खुशी के पल का वीडियो एक्स पर साझा किया। उन्होंने लिखा कि बेटे अहान के रूप में उनके घर अपार खुशियां आई हैं और उन्हें फिर दादा बनने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने बताया कि पत्नी साधना दादी बनी हैं। परिवार की लाडली इला को भी भाई मिल गया है।

बस ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत



उज्जैन। भान बड़ोदिया के पास गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में बिशनखेड़ी निवासी मांगीलाल पिता देवीलाल (60) और मनोहर पिता सुखराम (60) की मौत हो गई, जबकि शंकरलाल पिता पन्नालाल (60) गंभीर घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के अनुसार हादसा दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। बस ओवरटेक करते समय बाइक से टकराई।

मुंबई में उद्योगपतियों से मिले मुख्यमंत्री डॉ. यादव, 'इन्वेस्ट एमपी' का दिया न्योता

90 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव 14 हजार से अधिक बनेंगे रोजगार

देश के प्रमुख उद्योग समूहों के शीर्ष नेतत्व के साथ वन-टू-वन बैठकें की

मुख्यमंत्री ने जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में सात देशों को 'साझेदार देश' के रूप में जुड़ने का आमंत्रण दिया



विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को मुंबई में देश के प्रमुख उद्योग समूहों के शीर्ष नेतत्व के साथ वन-टू-वन बैठकें की। फार्मा, टैक्सटाइल, सेमीकंडक्टर, औद्योगिक गैस, ट्रांसमिशन, टायर, आईटी और अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर हुई इन बैठकों में उद्योग समूहों ने मध्यप्रदेश में नई इकाइयां स्थापित करने और मौजूदा निवेश के विस्तार में रूचि दिखाई। औद्योगिक समूहों द्वारा नवकरणीय ऊर्जा, टैक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, केमिकल तथा अन्य क्षेत्रों में लगभग 90 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तावों से प्रदेश में 14,375 रोजगार सृजित होने की संभावना है। निवेश प्रस्तावों में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 71 हजार 289 करोड़, टैक्सटाइल्स में 5 हजार करोड़, फार्मास्यूटिकल्स में 2 हजार 280 करोड़, रियल एस्टेट एक हजार करोड़, सूचना प्रौद्योगिकी में 200 करोड़, केमिकल उद्योग के क्षेत्र में 400 करोड़ का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

निवेश प्रस्ताव

नवकरणीय ऊर्जा 71 हजार 289 करोड़
टैक्सटाइल्स 5 हजार करोड़
फार्मास्यूटिकल्स 2 हजार 280 करोड़
रियल एस्टेट एक हजार करोड़
सूचना प्रौद्योगिकी 200 करोड़
केमिकल उद्योग 400 करोड़



इन्वेस्ट एमपी का शुभारंभ करते सीएम

टैक्सटाइल, फार्मा, सेमीकंडक्टर, टायर, आईटी, अधोसंरचनात्मक क्षेत्र पर हुई चर्चा

आपकी बातें मेरे साथ भोपाल जाएंगी

मुख्यमंत्री ने जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआईएस–2027) में सात देशों को 'साझेदार देश' के रूप में जुड़ने का आमंत्रण दिया। डॉ. यादव होटल सेंट रेजिस, मुंबई में आयोजित राउंडटेबल बैठक में जापान, मेक्सिको, रूस, कोरिया गणराज्य, थाईलैंड, मिस्र अरब गणराज्य एवं साउथ अफ्रीका के काउंसल जनरल एवं राजनयिक प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतिनिधियों के विचारों को सुनते हुए कहा कि आपकी बातें मेरे साथ भोपाल जाएंगी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए दिया आमंत्रण: डॉ. यादव ने सभी निवेशकों और उद्योगपतियों को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पधारने का व्यक्तिगत आमंत्रण देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन का हब बनने की क्षमता

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति देश के केंद्र में होने के कारण यह लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन के दृष्टिकोण से पूरे भारत का प्रमुख हब बनने की क्षमता रखता है। बेहतर राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क, एक्सप्रेसवे और तेजी से विकसित हो रहे रेल व एयर कनेक्टिविटी कॉरिडोर राज्य को देश के सभी बड़े बाजारों और बंदरगाहों से जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनकी हर आवश्यकता और नीतिगत सुझावों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएगी। उन्होंने विभिन्न सेक्टर्स के लिए राज्य की नीतियों, विशेष सब्सिडी, टैक्स रियायतों और कस्टमाइज्ड प्रोत्साहन पैकेजों की जानकारी दी।

भोपाल के मुफ्ती गुफरान नदवी ने जारी किया वीडियो

गरबा में मुस्लिम युवाओं की शिरकत हराम, ये दूसरी कौम की है धार्मिक रस्म

मुस्लिम त्योहार कमेटी भी कर चुकी है गरबा से परहेज की अपील



हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नवरात्र में होने वाले गरबा और डांडिया आयोजनों में मुस्लिम युवाओं के शामिल होने को भोपाल के मुफ्ती मोहम्मद गुफरान खान नदवी ने हराम बताया है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में उन्होंने कहा कि मुस्लिम युवाओं का दूसरी कौम के धार्मिक त्योहार या रस्म में शामिल होना जायज नहीं है। जो व्यक्ति दूसरी कौम की मुशाबहत यानी अनुकरण करता है, वह उसके तौर-तरीकों में शामिल माना जाता है। मुफ्ती नदवी ने कहा कि आज के दौर में होने वाले गरबा या हिंदू धार्मिक रस्म में मुस्लिम लड़कों का शिरकत करना बिल्कुल हराम है। उन्होंने मुस्लिम युवाओं से ऐसे आयोजनों से बचने की अपील करते हुए कहा कि कुछ युवक अपने दोस्तों के साथ गरबा में जाना बेहतर समझते हैं, लेकिन उन्हें इससे परहेज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरी कौम की धार्मिक पहचान और रस्मों का अनुसरण मुस्लिम समाज के लिए उचित नहीं है। नदवी ने कहा कि मुस्लिम युवाओं को अपनी धार्मिक पहचान और परंपराओं के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

मुस्लिम त्योहार कमेटी कह चुकी विवाद से बचें

गरबा को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी भी मुस्लिम युवाओं और समुदाय के लोगों से इससे परहेज करने की अपील कर चुकी है। कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख इस्माइल खान ने 6 अक्टूबर को जारी अपील में कहा था कि यह किसी धर्म या धार्मिक आयोजन के विरोध में नहीं है, बल्कि सामाजिक सौहार्द बनाए रखने और विवाद से बचने के उद्देश्य से की गई है। कमेटी ने कहा कि हाल के दिनों में गरबा आयोजनों में मुस्लिम युवाओं की मौजूदगी को लेकर सार्वजनिक रूप से आपत्तियां सामने आई हैं। भाजपा के कुछ मंत्रियों और विधायकों की ओर से भी गरबा में मुस्लिमों के शामिल होने पर आपत्ति जताई गई है। नवरात्र के चलते भोपाल में गरबा और डांडिया कार्यक्रमों की तैयारियां चल रही हैं और इनमें बड़ी संख्या में युवक-युवतियों के शामिल होने की संभावना है।

गैर-अनुसूचित दवाओं का ट्रेड मार्जिन 30% तक सीमित

कैंसर दवाओं पर केंद्र का बड़ा फैसला एमआरपी में 70% तक आएगी कमी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने कैंसर मरीजों को राहत देने के लिए गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30% तक सीमित करने का फैसला किया है। इससे कुछ दवाओं की एमआरपी में 70% तक कमी और मरीजों की बड़ी बचत का अनुमान है। कैंसर मरीजों को महंगी दवाओं से राहत देने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने सभी गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम 30 फीसदी तक सीमित करने का निर्णय लिया है। यह नियम ब्रांडेड और जेनेरिक, घरेलू और आयातित तथा पेटेंट वाली और गैर-पेटेंट वाली दवाओं पर लागू होगा। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में शामिल अत्यधिक ट्रेड मार्जिन को कम करना है, ताकि कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली जीवनरक्षक दवाएं मरीजों के लिए अधिक किफायती हो सकें।



इस फैसले से मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रु. की बचत हो सकती है

ब्रांडेड और जेनेरिक दोनों दवाएं दायरे में

नए फैसले की खास बात यह है कि इसमें गैर-अनुसूचित श्रेणी की कैंसर रोधी दवाओं को व्यापक रूप से शामिल किया गया है। यानी ब्रांडेड और जेनेरिक, देश में बनी और आयातित तथा पेटेंट और गैर-पेटेंट दवाओं पर ट्रेड मार्जिन की सीमा लागू होगी। इसका मकसद दवा की कीमत और मरीज द्वारा चुकाई जाने वाली वास्तविक राशि के बीच के अंतर को कम करना है।

कनाडाई कवयित्री और निबंधकार ऐन कार्सन को साहसी लेखन के लिए नोबेल

वे पुरानी कहानियों को सिर्फ दोबारा लिखती नहीं उनमें आज की जिंदगी की भावनाएं भी जोड़ती हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कनाडा की कवयित्री, निबंधकार, अनुवादक और क्लासिकल साहित्य की विदुषी ऐन कार्सन को 2026 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। नोबेल समिति ने कहा कि कार्सन को उनके साहसी और नए रूप में गढ़े गए लेखन के लिए यह सम्मान दिया गया है। उनके लेखन में क्लासिकल परंपरा के साथ दिलचस्प संवाद देखने को मिलता है और उन्होंने समकालीन साहित्य के लिए नए रूप गढ़े हैं। नोबेल समिति के अनुसार कार्सन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह पुरानी कहानियों को सिर्फ दोबारा लिखती नहीं, बल्कि उनमें अपनी कल्पना और आज की जिंदगी की भावनाएं जोड़ती हैं।



कार्सन का जन्म 21 जून 1950 को कनाडा के टोरंटो में हुआ था

कौन हैं ऐन कार्सन

कार्सन का जन्म 21 जून 1950 को कनाडा के टोरंटो में हुआ था। उनके पिता बैंक में काम करते थे। हाई स्कूल में पढ़ाई के दौरान लैटिन भाषा के एक शिक्षक ने उन्हें प्राचीन यूनान की दुनिया और उसकी भाषा से परिचित कराया। इसके बाद यूनानी भाषा और साहित्य में उनकी रुचि लगातार बढ़ती गई। ऐन कार्सन ने टोरंटो विश्वविद्यालय के सेंट माइकल्स कॉलेज से शिक्षा हासिल की। उन्होंने 1974 में बैचलर ऑफ आर्ट्स, 1975 में मास्टर ऑफ आर्ट्स और 1981 में पीएचडी की डिग्री पूरी की।

42 पूर्व जजों ने चुनाव आयोग के समर्थन में लिखा पत्र, जताई चिंता

चुनाव कराने वाले निष्पक्ष अधिकारियों को खुलेआम डराया-धमकाया जा रहा कार्रवाई की धमकियां दी जा रहीं, हलफनामा मांगा तो क्यों नहीं दिया जा रहा?

मंचों से सांविधानिक संस्थाओं को खुलेआम चोर, कठपुतली और समझौतावादी कहना बेहद खतरनाक है। बिना किसी कानूनी सबूत के प्रेस कॉन्फ्रेंस में वोट चोरी के मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि अदालत में कोई सबूत पेश नहीं किया जाता।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में सांविधानिक संस्थाओं की साख और उनकी स्वायत्तता को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई है। इसी बीच 42 पूर्व जजों और सेवानिवृत्त सांविधानिक अधिकारियों ने भारत के नागरिकों के नाम एक खुला पत्र लिखा। जजों ने स्पष्ट किया है कि वे किसी भी राजनीतिक दल के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन आज के दौर में साधे रखी गई चुप्पी निष्पक्षता नहीं हो सकती। जब देश की बुनियादी संस्थाओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा हो, तब सामने आकर सच बोलना बेहद जरूरी हो जाता है। इस खुले पत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य सांविधानिक निकायों पर हो रहे सुनियोजित हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की स्वस्थ आलोचना करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन दुर्भावना से उन्हें बदनाम करना लोकतंत्र के खिलाफ है। मंचों से सांविधानिक संस्थाओं को खुलेआम चोर, कठपुतली और समझौतावादी कहना बेहद खतरनाक है। बिना किसी कानूनी सबूत के प्रेस कॉन्फ्रेंस में वोट चोरी के मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि अदालत में कोई सबूत पेश नहीं किया जाता।

आलोचना का अधिकार बदनाम करने का नहीं

बिना सबूत 'वोट चोरी' के आरोप लगाए, वे बेबुनियाद

पत्र में तीखा सवाल उठाते हुए कहा है कि चुनाव कराने वाले निष्पक्ष अधिकारियों को खुलेआम डराया-धमकाया जा रहा है और सत्ता बदलने पर बदले की कार्रवाई की धमकियां दी जा रही हैं। किसी भी अदालत ने इन आरोपों को कभी सही नहीं पाया है। जब चुनाव आयोग हलफनामा मांगता है, तब कोई आगे नहीं आता। केवल हार के बाद ईवीएम पर दोष मढ़ा जाता है, जबकि उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर कोई सवाल नहीं उठाता। दशकों तक राज करने वाले दल अब उसी चुनावी व्यवस्था को धांधली वाला बता रहे हैं, जिसने उन्हें सत्ता दी थी।



तथ्यों को दरकिनार कर भ्रम फैलाया जा रहा

पूर्व जजों ने समझाया कि भारत का चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 से अपनी शक्ति लेता है। संविधान निर्माताओं ने जानबूझकर मतदाता सूची को कार्यपालिका की पहुंच से दूर एक स्वतंत्र आयोग को सौंपा था। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) के तहत एसआईआर एक सामान्य कानूनी प्रक्रिया है, जो पहले आम चुनाव के समय से ही नियमित रूप से होती आई है। इसका उद्देश्य मृत लोगों के नाम हटाना, दोहरी प्रविष्टियां खत्म करना और छूटे हुए पात्र नागरिकों को जोड़ना है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस प्रक्रिया को पूरी तरह वैध और निष्पक्ष माना है, फिर भी तथ्यों को दरकिनार कर भ्रम फैलाया जा रहा है।

पूर्व जजों ने ये अपीलें की

- **राजनीतिक दलों से अपील**... चुनाव पूरी मजबूती से लड़ें, लेकिन चुनावी व्यवस्था को अवैध साबित करने की कोशिश न करें; अपनी शिकायतें सबूतों के साथ आयोग और अदालतों में ले जाएं।
- **मीडिया से अपील**... बिना जांच-पड़ताल और पुख्ता सत्यापन के केवल अनुमानों व अटकलों को तूल न दें; कोई भी हेडलाइन सबूत नहीं होती और दोहराने से झूठ सच नहीं बन जाता।
- **सांविधानिक संस्थाओं से अपील**... अपने काम पर अडिग रहें, पूर्ण पारदर्शिता बरतें, जायज सवालों का स्पष्ट समाधान करें और राजनीतिक खींचतान से हमेशा ऊपर रहें।
- **देश के नागरिकों से अपील**... किसी भी दावे को स्वीकार करने या आगे बढ़ाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें; अपने वोट को कभी बेकार न समझें क्योंकि आपका वोट ही आपकी असली ताकत है।

कुछ अराजक और सीमांत तत्व फायदा उठा रहे

पूर्व जजों ने साफ चेतावनी दी है कि जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की असली ताकत है। अगर नागरिकों को लगातार यह समझाया जाएगा कि उनके वोट का कोई मोल नहीं है, तो वे मतदान व्यवस्था पर भरोसा करना छोड़ देंगे। जब मतपेटी अपनी अहमियत खो देती है, तब सड़कों पर अराजकता शुरू हो जाती है। कुछ अराजक और सीमांत तत्व इस खाली जगह का फायदा उठाते हैं, जिनमें से कुछ देश के भीतर से और कुछ सीमाओं के पार से निर्देश लेते हैं।

राजनीतिक दल शिकायतें कानूनी प्रक्रिया और साक्ष्यों के आधार पर ही उठाएं

संविधान और लोकतंत्र की मर्यादा बनाए रखने की जिम्मेदारी साझी है। सांविधानिक संस्थाएं जनता के भरोसे और पूर्ण पारदर्शिता से अपनी साख बनाती हैं। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे अपनी शिकायतें कानूनी प्रक्रिया और साक्ष्यों के आधार पर ही उठाएं। वहीं मीडिया को भी कल्पना और सत्यापित तथ्यों के बीच का अंतर जनता तक स्पष्ट रूप से पहुंचाना चाहिए। जनता का विश्वास ही शासन की वास्तविक रीढ़ होता है।

सांविधानिक संस्थाओं का बचाव करें सभी नागरिक

सांविधानिक संस्थाएं किसी सरकार की निजी संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे भारत के 140 करोड़ नागरिकों की हैं। इनकी विश्वसनीयता पर हमला सीधे तौर पर उन संस्थाओं पर हमला है जो नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करती हैं। हर नागरिक से संविधान और इन लोकतांत्रिक संस्थाओं के बचाव में मजबूती से खड़े होने का आह्वान किया है।

खबर संक्षेप

सीबीएसई प्राइवेट परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। सीबीएसई ने 2026-27 के लिए 10वीं और 12वीं के प्राइवेट छात्रों की बोर्ड परीक्षा के आवेदन फॉर्म जारी कर दिए हैं। प्रक्रिया 8 अक्टूबर से शुरू हो गई है।बिना लेट फीस के आवेदन करने की अंतिम तारीख 23 अक्टूबर है। इसके बाद उम्मीदवार 24 से 30 अक्टूबर 2026 तक लेट फीस के साथ आवेदन कर सकेंगे।



नामेरी बाघ अभयारण्य को वैश्विक मान्यता

गुवाहाटी। असम के नामेरी बाघ अभयारण्य को बाघ संरक्षण और संरक्षित वन क्षेत्र के प्रबंधन के लिए वैश्विक मान्यता मिली है। क्षेत्र निदेशक पिराइसूदन बी. ने बताया कि बाघ संरक्षण और संरक्षित क्षेत्र प्रबंधन के निर्धारित मानकों को पूरा करने के बाद 'कंजर्वेशन एश्योर्ड टाइगर स्टैंडर्ड्स' के तहत मान्य किया।



मुंबई की टाटा कॉलोनी के लेबर कैंप में आग

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई के मुलुंड ईस्ट स्थित टाटा कॉलोनी में लेबर कैंप में गुरुवार को भीषण आग लग गई। यह लेबर कैंप धारावी से विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के लिए बनाए गए प्रोजेक्ट परिसर में स्थित है। कैंप का निर्माण जी प्लस1 ढांचे में किया गया है। मजदूर जान बचाकर बाहर भागे।



कोलकाता एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

कोलकाता। एयरपोर्ट को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट प्रशासन को दोपहर करीब 2 बजे एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें एयरपोर्ट परिसर में विस्फोटक लगाने का दावा किया गया और पूरी सुविधा को उड़ाने की धमकी दी गई। यहां से ममता बेनर्जी दिल्ली आने वाली हैं।



प्रधानमंत्री ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें संस्करण की शुरुआत की

जिनकी मुफ्त की कमाई बंद हो गई, वे मोदी से प्यार करेंगे क्या? राशि का दुरुपयोग थमा

- 5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे
- 50 लाख करोड़ रुपए लाभार्थियों के खातों में पहुंचे
- तकनीक और सरकारी योजनाओं का जिक्र किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें संस्करण में डिजिटल तकनीक और सरकारी योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज मोबाइल फोन सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं रहा, यह सुशासन का बड़ा माध्यम बन चुका है। इसी दौरान उन्होंने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा कि डीबीटी के जरिए 50 लाख करोड़ रुपए लाभार्थियों के बैंक खातों तक पहुंचे। इससे करीब 5 लाख करोड़ की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि इस वजह से जिनकी मुफ्त की कमाई बंद हो चुकी है, वे मोदी से प्यार करेंगे क्या? पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की डिजिटल व्यवस्था से सरकारी मदद सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंच रही है। मोबाइल से जुड़े बैंक खातों के जरिए लोगों तक सरकारी सहायता पहुंची है। इससे व्यवस्था में होने वाली लीकेज को रोकने में मदद मिली है। पीएम ने कहा कि यह कोई छोटी रकम नहीं है। उनके अनुसार यह पैसा गलत हाथों में जाने से बचा है।



मोबाइल फोन सुशासन का बड़ा माध्यम बना



डिजिटल इंडिया कार्यक्रम से देश की स्थिति बदली

पीएम मोदी ने कहा कि मोबाइल टेक्नोलॉजी में भारत आगे बढ़ा है. इंडिया मोबाइल कांग्रेस भारत की प्रगति का मंच है। पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल इंडिया कार्यक्रम से स्थिति बदली है। एक दशक पहले तक डिजिटल डिवाइस चुनौती थी। पहले साधन संपन्न ही लाभ ले सकते थे। हमारा लक्ष्य हर सीमा से परे विस्तार का है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस भारत के सपनों का मंच है। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10-12 वर्षों में मोबाइल फ्रोन आधुनिक संचार के माध्यम के साथ-साथ सुशासन का भी अहम टूल बनकर सामने आया है. ये डिजिटल इंडिया विजन के कोर में रहा है।

हम इसे पूरा करके रहेंगे

पीएम मोदी ने पूछा कि क्या उन्होंने सही काम किया या नहीं। पीएम ने कहा कि इस तरह की गड़बड़ियों को रोका जाना चाहिए या नहीं। उन्होंने कहा कि विरोध और आलोचना के बावजूद वह इस काम को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि वह इसे पूरा करके रहेंगे।

गेमिंग स्टम में युवाओं की बढ़ी भूमिका

पीएम मोदी ने भारत के गेमिंग इकोसिस्टम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश में 50 करोड़ से ज्यादा लोग गेमिंग इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। इसमें छोटे शहरों और कस्बों के युवाओं की भी बड़ी भूमिका है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के इस कार्यक्रम में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के अलावा देश और विदेश के कई उद्योगपति और टेक्नोलॉजी से जुड़े लोग शामिल हुए।

डिजिटल गवर्नेंस ने देश के हालात को बदल दिया

पीएम मोदी ने कहा कि मोबाइल और इंटरनेट की कनेक्टिविटी ने शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी सेवाओं को बिना बाधा चालू रखा। आज दूर-सुदूर गांव, गरीब के बच्चे भी गुणवत्तापूर्ण ज्ञान तक पहुंच पा रहे हैं। डिजिटल लर्निंग सबकी पहुंच में आ रही है। डिजिटल गवर्नेंस ने इन हालात को बदल दिया है। आज, सैकड़ों सरकारी सेवाएं मोबाइल फ्रोन पर उपलब्ध हैं।सरकारी मदद अब सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचती है।

दीपफेक और साइबर सुरक्षा पर भी की बात

प्रधानमंत्री ने डिजिटल सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने डेटा की सुरक्षा और साइबर धोखाधड़ी का मुद्दा उठाया। उन्होंने दीपफेक जैसी तकनीक से पैदा होने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा कि डिजिटल दुनिया में बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर एक मजबूत ढांचे की जरूरत है। उन्होंने डेटा और डिजिटल सुरक्षा को लेकर देशों के बीच सहयोग की जरूरत बताई।

डिजिटल व्यवस्था से लोगों का काम आसान

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 से 12 साल में मोबाइल फोन की भूमिका काफी बदल गई है। उन्होंने कहा कि आज सैकड़ों सरकारी सेवाएं मोबाइल फोन पर उपलब्ध हैं। लोगों को कई कामों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। डिजिटल व्यवस्था ने सरकारी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने का तरीका बदला है.

एआई जोखिमों पर सरकार सख्त

जल्द लाए जाएंगे नए नियम सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में 'वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2026' जारी की। इस बीच उन्होंने कह कि भारत से कुछ ऐसे उदाहरण है जो असल में दिखाते हैं कि टेक्नोलॉजी कैसे आम लोगों की जिंदगी में बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार एक महीने के अंदर एआई रेगुलेशन पर एक कंसल्टेशन पेपर जारी करेगी। एआई पर वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा कि यह कंसल्टेशन पेपर एआई रेगुलेशन का आधार बनेगा और अब भारत के लिए ऐसा फ्रेमवर्क बनाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि मैं विभाग से रेगुलेशन पर केंद्रित कंसल्टेशन पेपर लाने के लिए कहूंगा, जिसमें सुरक्षा पर ध्यान दिया जाए। सबसे अहम बात एआई के इस्तेमाल से जुड़ी सुरक्षा है।

वैष्णव ने 'वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2026' जारी की

डीपफेक से समाज में दिक्कतें पैदा होंगी

अन्य जिन क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा, उनमें एआई से होने वाले नुकसान (जैसे डीपफेक), इंसान को प्राथमिकता देने का नजरिया और स्किलिंग शामिल हैं। वैष्णव ने डीपफेक को एक ऐसी समस्या बताया जिससे समाज में बड़ी दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। कहा कि इनकी क्वालिटी हर दिन बेहतर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि लोग इन पर यकीन कर लेते हैं और इससे एक बहुत गलत मिसाल कायम होती है। इससे एक पूरी तरह गलत नैरेटिव बनता है और लोग गलत काम करने और गलत बातों पर यकीन करने के लिए बहकावे में आ जाते हैं।

मानवता सबसे अहम हिस्सा होनी चाहिए

कंसल्टेशन पेपर में स्किलिंग और किसी को भी पीछे न छोड़ने की प्रतिबद्धता भी शामिल होगी। उन्होंने कहा कि जो बदलाव हुए हैं, उनमें मानवता सबसे अहम हिस्सा होनी चाहिए। वैष्णव ने कहा कि सरकार का हमेशा से यह मानना रहा है कि एआई और दूसरी टेक्नोलॉजी को सिर्फ कानून से रेगुलेट नहीं किया जा सकता। हमें एक टेक्नो-लीगल समाधान लाना होगा' और इसमें सभी स्टेकहोल्डर्स को शामिल करना होगा।मंत्री ने साफ किया कि इंडस्ट्री को ही ज्यादातर जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्होंने साइबर सिक्योरिटी, सुरक्षा, यूजर को नुकसान, मानसिक विकार और डीपफेक जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि इंडस्ट्री को ही मुख्य जिम्मेदारी लेनी होगी।

आयुष्मान भारत योजना

महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत से ज्यादा रही, आधे कार्ड इनके नाम दर्ज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज का लाभ उठाने वाले लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत से अधिक रही है। इस योजना से जुड़ी हालिया और विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ है। कुल बनाए गए आयुष्मान कार्डों में से लगभग 49.31 प्रतिशत कार्ड महिलाओं के नाम पर हैं। अधिकृत अस्पताल दाखिलों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 48 प्रतिशत है। देश भर में अब तक 42 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। देश में कुल महिला कार्यबल भागीदारी दर भी बढ़कर 42 प्रतिशत हो गई है। आयुष सेवाओं के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत के करीब है। इससे स्वास्थ्य सेवाएं बढ़ी हैं।

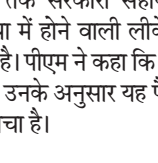

नड्डा ने जोश टीमों का किया शुभारंभ

क्षय रोग उन्मूलन अभियान को युवाओं की ताकत से मिलेगी नई गति और दिशा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में राष्ट्रीय कार्यक्रम में क्षय रोग मुक्त भारत अभियान के तहत जोश (संयुक्त स्वास्थ्य दल) टीमों का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा, पहुंच और प्रतिबद्धता का उपयोग करते हुए क्षय रोग की रोकथाम, शीघ्र निदान, समय पर उपचार और बीमारी से जुड़े कलंक को कम करने का संदेश देशभर के समुदायों तक पहुंचाना है। नड्डा ने कहा कि युवा नेतृत्व वाली सामुदायिक कार्रवाई के जरिए भारत के क्षय रोग उन्मूलन अभियान को नई गति मिलेगी। नड्डा ने जोश टीमों के शुभारंभ को क्षय रोग के खिलाफ भारत की सामूहिक लड़ाई में अहम उपलब्धि बताया।

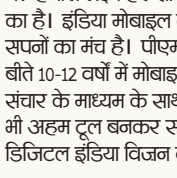

राष्ट्रपति ने लाहौल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत देखी

संस्कृति की अनमोल निशानी बनी खास याद

विधायक ने राष्ट्रपति को भेंट की लाहौल की पारंपरिक थांका पेंटिंग

एजेंसी ▶▶ लाहौल।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अटल टनल रोहतांग के नॉर्थ पोर्टल पहुंचने पर लाहौल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की खास झलक देखने को मिली। जनजातीय विधानसभा क्षेत्र की विधायक अनुराधा राणा ने राष्ट्रपति को क्षेत्र की पारंपरिक कला का प्रतीक थांका पेंटिंग भेंट की। विधायक ने पारंपरिक वेशभूषा में राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए उन्हें यह पेंटिंग प्रदान की। थांका पेंटिंग बौद्ध परंपरा और आध्यात्मिक विरासत से गहराई से जुड़ी हुई है।



यह सिर्फ चित्र नहीं, आस्था और ज्ञान की अभिव्यक्ति

थांका पेंटिंग को केवल पारंपरिक चित्रकला के तौर पर नहीं देखा जाता। इसमें बौद्ध धर्म की धार्मिक मान्यताओं, ध्यान, आध्यात्मिक चिंतन और ज्ञान की परंपरा को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया जाता है।

अपराधियों की माफी पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने की प्रवृत्ति

माफ करना, माफ करना... कहीं तो सीमा होनी चाहिए, इसी से देश की समस्या बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में कई मामले सजा कम करने के साथ ही माफ करने के आते हैं। सुप्रीम कोर्ट में एक ऐसे ही मामले का जिक्र जस्टिस दीपांकर दत्ता ने किया। माफ भी करना आखिर कब तक। जस्टिस दत्ता ने मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने की कोर्ट की प्रवृत्ति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि माफ करना, माफ करना, माफ करना...कहीं तो एक सीमा तय करनी ही होगी। समय बदल गया है। हमारे माफ करने वाले स्वभाव की वजह से ही भारत को इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।



शादी से इनकार या ब्रेकअप का मतलब आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि आपसी सहमति से बने रिश्ते के बाद अगर कोई प्रेमी शादी करने से इनकार कर देता है, तो इसे अपने आप में आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता। शीर्ष अदालत ने एक महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में 6 लोगों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को रद कर दिया है।

बेंगलूरू में एसआईआर के खिलाफ सीजेपी का प्रदर्शन

दीपके ने बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में रैली में कहा

एसआईआर खत्म हो, सीईसी पर कानूनी कार्रवाई करें

एजेंसी ▶▶ बेंगलूरू

यहां एसआईआर के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'लोकतंत्र की हत्या' और 'वोट चोरी' करने का आरोप लगाया। फ्रीडम पार्क में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए दीपके ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य केवल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना नहीं है। अगर वे हटते भी हैं, तो उनकी जगह किसी और की नियुक्ति हो जाएगी। हमारी मुख्य मांग एसआईआर प्रक्रिया को समाप्त करना है। ज्ञानेश की भूमिका की जांच हो और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।



फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन के दौरान 'एसआईआर रद्द करो' और 'ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़ो' जैसे नारे सुनाई दिए। कार्यक्रम में अभिनेता प्रकाश राज, यूट्यूबर ध्रुव राठी और अभिजीत दीपके समेत कई लोग मौजूद रहे।

चुनाव आयोग पर बरसे प्रकाश राज

सीजेपी की 'जन-अदालत' में अभिनेता प्रकाश राज ने एसआईआर के तहत मतदाता सत्यापन की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सीजेपी से लेकर आईसा तक कई संगठन इसी चिंता के चलते एक मंच पर आए हैं।

सीजेपी प्रदर्शन के दौरान हिंसा, 2874 पर केस

नई दिल्ली। जुलाई में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान उपद्रव करने और पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला करने वालों पर केस दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने करीब तीन माह बाद 2874 अपराधियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

जबलपुर
शुक्रवार 9 अक्टूबर 2026
आश्विन मास कृष्ण पक्ष-13
वर्ष : 21, अंक : 157
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 27
न्यून. 19

8 बढ़ती विकास दर के सामने चुनौतियां
मैट्रो
14 2.20 करोड़ के खाद्यान्न ...



आज राष्ट्रपति से मिलेंगे इंडिया ब्लॉक के सांसद



राहुल गांधी राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर विपक्ष का तीसरे दिन भी हल्ला बोल, कनॉट प्लेस में लंच किया, फिर राजघाट जाकर बापू को दी श्रद्धांजलि

खरगे: गांधीजी से प्रार्थना- मोदी सरकार को सदबुद्धि दें
भाजपा: अराजकता फैलाने वाले राहुल को मिले सदबुद्धि

राहुल बोले

- मोदी-शाह और ज्ञानेश के खिलाफ एक्शन की गारंटी देते हैं
- देश को हाईजैक करने वालों को सजा मिलेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में इंडिया ब्लॉक के सांसदों का प्रदर्शन गुरुवार को लगातार तीसरे दिन जारी रहा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसद पहले कनॉट प्लेस पहुंचे। यहां खरगे ने विपक्षी सांसदों के लिए लंच का आयोजन किया।



इंडिया ब्लॉक के सांसदों के इस प्रदर्शन में सपा व तृणमूल पार्टी भी शामिल थी

आज सुबह 10 बजे राष्ट्रपति मुर्मू से विपक्ष की मुलाकात

सीईसी और एसआईआर और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर इंडिया ब्लॉक का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात करेगा। राहुल और खरगे के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने की खबर है।

भाजपा प्रवक्ता बोले- सुप्रीम कोर्ट में मामला है तो सड़क पर प्रदर्शन क्यों?

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राजघाट पर विपक्षी नेताओं को सद्बुद्धि मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिन से राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं की अराजकता से देश का हर वह व्यक्ति परेशान है, जो संविधान में विश्वास करता है।



प्रदीप भंडारी

खबर संक्षेप

पांच दिन से बंद कमरे में पड़ी थीं मां-बेटी की लाशें

गोहपारू। गोहपारू थाना क्षेत्र के नवागांव में गुरुवार को बंद कमरे से मां-बेटी के शव मिलने से सनसनी फैल गई। घर से दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घर के बाहर लगा ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। मृतकों की पहचान रुचि रजक (30) और उसकी मां सावित्री पति प्रेमलाल (50) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में रुचि के पति पर हत्या का संदेह है। वह फरार है।



जबलपुर-इंदौर की सीधी उड़ान 24 अक्टूबर से बंद

जबलपुर। इंडिगो ने 24 अक्टूबर से जबलपुर से इंदौर होते हुए हैदराबाद जाने वाली उड़ान सेवा बंद करने का निर्णय लिया है। विंटर शेड्यूल में इस उड़ान को शामिल नहीं किया गया है। जबलपुर और इंदौर के बीच यह एकमात्र सीधी हवाई सेवा थी। इसके बंद होने से इंदौर जाने वाले यात्रियों को अब सड़क मार्ग या दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ेगा।



हवाई सफर होगा महंगा बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज

नई दिल्ली। हवाई यात्रियों के लिए सफर महंगा होने जा रहा है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों के बीच फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। नई दरें 9 अक्टूबर से लागू होंगी और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों पर प्रभावी रहेंगी। यानी 9 अक्टूबर या उसके बाद यात्रियों को अधिक फ्यूल सरचार्ज देना होगा।



57वीं जीएसटी काउंसिल का बड़ा फैसला, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की प्रेस को ब्रीफिंग

टैक्स अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्ति खत्म, केस की सीमा भी बढ़ी

- मुकदमा चलाने की सीमा भी 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए
- यूपीआई एमडीआर पर काउंसिल मीटिंग में नहीं हुई चर्चा

काउंसिल ने इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों पर अधिकारियों की एक कमेटी बनाने का फैसला किया। कमेटी इस बात की जांच करेगी कि उस असली खरीदार को कैसे बचाया जाए जिसके पास सही इनवॉइस है, जिसे सामान मिल गया है और जिसने अपने सप्लायर को पूरा पेमेंट कर दिया है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जीएसटी (वस्तु एवं सेवाकर) काउंसिल ने गुरुवार को टैक्स अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्ति खत्म कर दी। वित्त मंत्रालय ने घोषणा की कि मुकदमा चलाने की सीमा भी 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दी गई है। वित्त मंत्रालय ने ने कहा रेट का स्ट्रक्चर तय हो चुका है, इसलिए काउंसिल अब इस बात पर ध्यान दे रही है कि टैक्स रोजाना कैसे काम करता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि जीएसटी रेट में बदलाव अब साल में एक बार होगा।



केंद्रीय वित्तमंत्री सहित परिषद सदस्य नई दिल्ली में बैठक करते हुए

- जीएसटी रेट में बदलाव अब साल में एक बार होगा
- 15 दिन के बजाए 10 दिन में रिफंड
- 1 नवंबर से हेल्थ, लाइफ इंश्योरेंस पर मिलेगा इनपुट टैक्स क्रेडिट
- 1 देश 1 जीएसटी दर पर भी होगा विचार

कमेटी तीन महीने के भीतर अपनी स्टडी पूरी कर लेगी

मंत्रालय ने कहा कि अधिकारियों की कमेटी तीन महीने के भीतर अपनी स्टडी पूरी कर लेगी और अगली काउंसिल मीटिंग में एजेंडा पेश किया जाएगा। जीएसटी काउंसिल ने जीएसटी अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्तियां वापस ले लीं। मुकदमा चलाने की सीमा 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दी गई है। कम से कम सजा का प्रावधान हटा दिया गया है। काउंसिल के फैसले के अनुसार हर मामले में सजा (चाहे जुर्माना हो, जेल हो या दोनों) अदालत के विवेक पर छोड़ दी गई है।

सुधारों को वित्तमंत्री ने नेक्स्ट जेनरेशन सुधार प्रक्रिया बताया

वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी काउंसिल मीटिंग में लिए गए फैसलों को अगली पीढ़ी के जीएसटी प्रक्रिया सुधार के रूप में देखा जा रहा है। इसमें डाक्यूमेंट्स और कंप्लायंस को आसान बनाने पर जोर दिया गया है। जीएसटी दस्तावेजी की आवश्यकताओं में निश्चितता, गलतियों को कम करने के लिए सिस्टम आधारित मार्गदर्शन और हैंड होल्डिंग पर जोर दिया गया है।

भूचाल : सेंसेक्स 1000 अंक टूटा

निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपए स्वाह हो गए



फाइल फोटो

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आरबीआई की रेपो दर और विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बिगड़ा बाजार का मूड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को कारोबार के आखिरी दौर में भारी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी में तेज बिकवाली के चलते निवेशकों के करीब 10.10 लाख करोड़ रुपए डूब गए। दोपहर 1 बजे तक बीएसई का सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा टूटकर 71,567 के स्तर पर आ गया, जबकि एनएसई का निफ्टी 350 अंक से अधिक फिसलकर 22,231 पर कारोबार कर रहा था। रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी पोर्ट्स समेत कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही।

पटवारी ने नारियल पानी पिलाया

18 दिन बाद... शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का अनशन खत्म



जीतू पटवारी ने अनशन तुड़वाते हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शिक्षक भर्ती वर्ग-2 और 3 में पद वृद्धि की मांग को लेकर डीपीआई कार्यालय के बाहर चल रही अभ्यर्थियों की भूख हड़ताल गुरुवार को 18 दिन बाद खत्म हो गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आंदोलनकारी युवाओं से मुलाकात की और उन्हें समझाइश देकर नारियल पानी पिलाकर अनशन समाप्त कराया। उन्होंने कहा कि ऐसी निर्दयी सरकार से लड़ने के लिए जीवित रहना जरूरी है। पटवारी ने कहा कि 18 दिन से युवा आंदोलन कर रहे थे, लेकिन सरकार ने उनकी सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षकों के करीब तीन लाख पद खाली हैं। सरकार को बड़े मन से अभ्यर्थियों की मांग पर न्यायसंगत फैसला लेना चाहिए। कांग्रेस विधायक भी इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। पटवारी ने कहा कि सरकार हेलिकॉप्टर, विमान और अन्य कामों के लिए कर्ज ले रही है ।

- कहा- निर्दयी सरकार से लड़ने के लिए जिंदा रहना जरूरी

पूर्व जज गिरिबाला सिंह की जमानत फिर अटकी

हाईकोर्ट में सीबीआई ने कहा धारा 80(2) नहीं हटाई गई

दहेज हत्या की धारा हटाने का दावा सीबीआई ने 'नकारा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल



त्विशा शर्मा आत्महत्या मामले में पूर्व जज गिरिबाला सिंह की जमानत पर गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, ले कि न फैसला एक बार फिर टल गया। जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की सिंगल बेंच के सामने सीबीआई ने गिरिबाला के संशोधित जमानत आवेदन पर आपत्ति दर्ज कराई। सीबीआई ने स्पष्ट किया कि गिरिबाला के खिलाफ दहेज हत्या से जुड़ी धारा 80(2) हटाए जाने का दावा सही नहीं है। सीबीआई के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि जांच के दौरान आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित धारा 108 जरूर जोड़ी गई है, लेकिनधारा 80(2) हटाई नहीं गई। कोर्ट ने धारा 108 जोड़े जाने के तथ्य को रिकॉर्ड पर लिया।



गिरिबाला सिंह

सीबीआई ने कहा जांच अब तक पूरी नहीं हुई

सीबीआई ने कहा कि जांच अभी पूरी नहीं हुई है। आरोपियों के मोबाइल फोन का डाटा एक्सट्रैक्ट करने और सीसीटीवी के डीवीआर की जांच से संबंधित रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। जरूरत पड़ने पर जांच में और धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं। सीबीआई इससे पहले गिरिबाला की जमानत का विरोध करते हुए हाईकोर्ट में 1154 पन्नों का जवाब दाखिल कर चुकी है।

प्रसूता की मौत मामले में कार्रवाई

43 दिन के बाद महिला डॉक्टर को किया निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रीवा



- डॉ. गुंजन गोस्वामी पर गिरी गाज

संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में प्रसूता कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत के 43 दिन बाद शासन ने एक और कार्रवाई की है। अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. गुंजन गोस्वामी को निलंबित कर दिया गया है। शासन द्वारा जारी आदेश के मुताबिक निलंबन अवधि में उनका कार्यस्थल संयुक्त संचालक-सह-अधीक्षक, गांधी स्मारक चिकित्सालय रीवा के अधीन रहेगा।



कुछ जिलों में बारिश-बादल, तापमान पर असर नहीं, उमस बरकरार

रीवा, सीधी, सिंगरौली में सुबह से शाम तक बारिश रात में बैतूल, छिंदवाड़ा, कटनी-सीधी में बरसा पानी

प्रदेश में औसत पारा 33 डिग्री और भोपाल में 36 डिग्री तक पहुंचा, सामान्य से 2.5 डिग्री ऊपर, अभी थमा रहेगा पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश जिलों में अभी मौसम साफ बना हुआ है। इस बीच गुरुवार को कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। लेकिन, इससे दिन के तापमान में विशेष बदलाव नहीं रहा। प्रदेश में दिन का औसत पारा 33 डिग्री के ऊपर रहने से उमस और हल्की गर्मी महसूस की गई।

भोपाल में पारा लगातार तीसरे दिन दशमलव 5 डिग्री की घट-बढ़ के साथ 35.8 डिग्री के करीब थमा रहा। यह सामान्य से 2.5 डिग्री ऊपर है। मौसम केंद्र के अनुसार अगले दो दिन मौसम में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार प्रदेश के आसपास दो सर्कुलेशन से कुछ जिलों में मौसम मामूली रुप से बदल रहा है।



अमरकंटक में तेज बारिश

आज यहां हल्की बारिश की उम्मीद

शुक्रवार से शनिवार के बीच सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, मैहर में कुछ जगह हल्की बारिश और बौछारें पड़ सकती हैं। हालांकि, इस बीच तेज बारिश की उम्मीद नहीं है।

अगले सप्ताह बदल सकता है मौसम

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार वर्तमान में प्रदेश में कोई प्रभावी सिस्टम नहीं है। भोपाल में अक्टूबर की शुरूआत से पहला सप्ताह पूरी तरह सूखा रहा है। सामान्य तौर पर 8 अक्टूबर तक शहर में करीब 13 मिमी बारिश होना थी, जो कम दर्ज हुई है। अब तक मानसून छत्तीसगढ़ के अधिकांश हिस्सों के साथ ही महाराष्ट्र तेलंगाना और गोवा के अधिकांश हिस्सों से जा चुका है। अगले 3-4 दिनों में पूर्व भारत और उत्तरी प्रायद्वीप के कुछ और हिस्सों से विदाई लेगा। इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ेगी। पूरी उम्मीद है कि अगले सप्ताह कुछ जिलों के साथ ही भोपाल में भी हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

नाना का 'जाना'



जन्म-1 जनवरी 1951
देहांत- 8 अक्टूबर 2026

कॉमन मैन के 'हीरो'



हिंदी और मराठी सिनेमा का वह बुलंद स्वर आज खामोश हो गया, जिसकी एक नज़र ही पूरे दृश्य में जान डाल देती थी। अभिनेता नाना पाटेकर अब हमारे बीच नहीं रहे। 75 वर्ष की आयु में उनके निधन की खबर से पूरा देश शोक में डूब गया है। 'परिंदा' के खौफनाक किरदार से लेकर 'क्रांतिवीर' की गर्जना तक, उन्होंने हर भूमिका में अपनी आत्मा उतार दी। उनके संवाद सिर्फ संवाद नहीं थे, वे आम आदमी की आवाज़ बन गए। पर्दे पर वे जितने तीखे थे, असल ज़िंदगी में उतने ही नरम दिल के इंसान थे। सूखे से जूझते किसानों के लिए 'नाम' फाउंडेशन खड़ा करना हो या सीमा पर पीड़ित परिवारों के आंसू पोंछने जाना। नाना ने हमेशा मदद के लिए हाथ बढ़ाया। उन्होंने कभी दिखावे के लिए नहीं, दिल से परोपकार किया। आज उनके चाहने वालों की आंखें नम हैं, पर उनकी अदाकारी और इंसानियत हमारे दिलों में हमेशा ज़िंदा रहेगी। क्योंकि पूरा देश दुखयही कह रहा है... नाना तुम्हे नमन... अलविदा हुआ 'क्रांतिवीर'।

खुदकुशी करने वाले किसानों के परिजनों की मदद की, कोसी के बाढ़ पीड़ितों के लिए भी हाथ बढ़ाया

'नाम' फाउंडेशन के जरिए सूखाग्रस्त गांवों तक पहुंचाई राहत

किसान परिवारों, महिलाओं और बच्चों के लिए किए कई काम

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से फिल्म जगत के साथ सामाजिक क्षेत्र में भी शोक की लहर है। 75 वर्षीय नाना पाटेकर ने अभिनय के अलावा किसानों और ग्रामीणों की मदद के लिए भी अलग पहचान बनाई। महाराष्ट्र में सूखे, जल संकट और किसानों की आत्महत्या की घटनाओं ने उन्हें इतना विचलित किया कि उन्होंने अपनी निजी जरूरत को पीछे रखकर किसानों की मदद का रास्ता चुना। इसी सोच के साथ उन्होंने 2015 में अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर 'नाम फाउंडेशन' की शुरुआत की। नाना पाटेकर किसानों की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे। फसल खराब होने, कर्ज के बोझ और किसानों की आत्महत्या जैसे मुद्दों पर वे सार्वजनिक रूप से अपनी चिंता जाहिर करते थे। उनका मानना था कि देश का पेट भरने वाले किसानों को संकट के समय अकेला नहीं छोड़ा जाना चाहिए। इसी सोच को संस्थागत रूप देने के लिए 'नाम फाउंडेशन' को औपचारिक रूप से पंजीकृत कराया गया।

1.5 करोड़ की कार खरीदने का फैसला बदला

किसानों के प्रति नाना की संवेदनशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे करीब 1.5 करोड़ रुपए की लग्जरी कार खरीदने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने टीवी पर किसानों की आत्महत्या की खबरें देखीं। किसानों की स्थिति ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने कार खरीदने का फैसला रद्द कर दिया और जुटाई गई रकम जरूरतमंद किसान परिवारों की मदद में लगा दी। इसके बाद उन्होंने विदर्भ और मराठवाड़ा जैसे सूखाग्रस्त इलाकों में प्रभावित परिवारों तक सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाने का काम शुरू किया।

लाखों किसानों और परिवारों तक पहुंची मदद

फाउंडेशन की ओर से किसानों के साथ-साथ उनके परिवारों की भी मदद की गई। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, संस्था ने अपनी स्थापना के बाद से लाखों किसानों को विभिन्न रूपों में सहायता दी। आपदा से प्रभावित हजारों परिवारों को राहत पहुंचाई गई, जबकि शहीद जवानों के परिवारों और किसान परिवारों की विधवाओं की भी मदद की गई। शुरुआती दौर में जरूरतमंद परिवारों को 15 से 25 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता दी गई।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

नाना पाटेकर की पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रही। 'नाम फाउंडेशन' के माध्यम से किसान परिवारों की महिलाओं को आमदनी का वैकल्पिक जरिया उपलब्ध कराने की कोशिश की गई। महिलाओं को सिलाई मशीनें, आटा चक्कियां और बकरियां दी गईं, ताकि वे अपने परिवार की आय बढ़ा सकें। किसानों के बच्चों की शिक्षा, भोजन और आवास की व्यवस्था में भी सहयोग किया गया। जरूरतमंद और वंचित दंपतियों के लिए सामूहिक विवाह समारोह आयोजित कराए गए।



गूंजती आवाज़

वह आवाज़ जो पर्दे से उतरकर
सीधे दिल में बैठ जाती है,
कभी गरजती, कभी धीमी होकर
आंखों में नमी लाती है।

बिना सजावट, बिना बनावट,
सच के जैसा सीधा तेवर,
किसान के आंसू पोंछते हाथ,
और संवादों में सुलगता अंगार।

कहीं सख़्त, कहीं कोमल मन,
हर किरदार में अपना रंग,
जो भी देखे, याद रखे,
ऐसा है उनका अभिनय-ढंग।

दुआ है कि यह आवाज़ यूं ही
बरसों-बरस गूंजती रहे,
और पर्दे की यह रोशनी
हमारे दिलों में जलती रहे।

कारगिल में 60 दिन सैनिकों के साथ रहे नाना

सेना की क्विक रिएक्शन टीम का बने हिस्सा, द्रास से कुपवाड़ा तक की गश्त, युद्ध के दौरान 20 किलो घटा वजन

अभिनेता नाना पाटेकर की देशभक्ति केवल फिल्मों तक सीमित नहीं थी। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने भारतीय सेना के साथ करीब 60 दिन बिताए और जवानों के साथ मोर्चे पर सेवाएं दीं। उन्होंने तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस से मुलाकात कर सेना के साथ जाने की अनुमति मांगी थी। अनुमति मिलने के बाद वे सेना की क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) का हिस्सा बने।

नाना पाटेकर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म 'प्रहार' के लिए उन्होंने मराठा लाइट इन्फैंट्री के साथ सैन्य प्रशिक्षण लिया था। इसी अनुभव के कारण उन्हें सेना की गतिविधियों को करीब से समझने का मौका मिला। कारगिल युद्ध के दौरान वे द्रास, लेह, कुपवाड़ा, बारामूला और सोपोर जैसे इलाकों में रहे। इस दौरान



उन्होंने जवानों के साथ गश्त करने के अलावा घायल सैनिकों की मदद भी की और अस्पताल बेस में सेवाएं दीं।नाना ने बताया था कि युद्ध के दौरान उनकी दिनचर्या और परिस्थितियां बेहद कठिन थीं। श्रीनगर पहुंचने के समय उनका वजन करीब 76 किलो था, लेकिन करीब दो महीने बाद लौटे तो वजन घटकर 56 किलो रह गया था। युद्ध के अनुभव ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। नाना पाटेकर को बाद में सेना में मानद कैप्टन का पद दिया गया। उन्होंने 62 वर्ष की उम्र में सेना से सेवानिवृत्ति ली। कारगिल युद्ध के दौरान जब भारतीय जवान अग्रिम मोर्चे पर पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहे थे, उस समय नाना ने अपने अभिनय करियर की परवाह किए बिना सेना के साथ समय बिताया। यही वजह है कि उनकी देशभक्ति का यह अध्याय आज भी उनके प्रशंसकों के लिए प्रेरणादायक माना जाता है।



वर्क आउट करते हुए नाना



नाना के डॉयलॉग जो हमेशा गूंजेंगे

- आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने- क्रांतिवीर
- ये मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून... बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा- क्रांतिवीर
- सौ में से अस्सी बेईमान, फिर भी मेरा भारत महान- यशवंत
- एक मच्छर साला आदमी को हिजड़ा बना देता है- यशवंत
- धंधे में कोई किसी का भाई नहीं होता- परिंदा
- पंद्रह सौ की नौकरी करने वाला, एक दिन तुझे डेढ़ सौ का कफन पहनाएगा- तिरंगा
- अपना तो उसूल है, पहले लात, फिर बात, उसके बाद मुलाकात- तिरंगा
- हम सब सिस्टम का हिस्सा हैं... सिस्टम डिसाइड करता है, अपन फॉलो करता है- अब तक छप्पन
- भगवान का दिया हुआ सब कुछ है... दौलत है, शोहरत है, इज्जत है- वेलकम
- कुणी घर देता का घर? एका तुफानाला कुणी घर देता का- नटसम्राट

करीब 80 करोड़ की संपत्ति, फिर भी नहीं था दिखावे का शौक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नाना पाटेकर की अनुमानित नेटवर्थ करीब 50 से 80 करोड़ रुपए के बीच बताई जाती है। हालांकि, यह आधिकारिक आंकड़ा नहीं है। उनकी संपत्तियों में मुंबई का करीब 750 वर्गफुट का 1 बीएचके फ्लैट शामिल था, जिसे उन्होंने दशकों पहले करीब 1.1 लाख रुपए में खरीदा था और जिसकी मौजूदा कीमत करीब 3 करोड़ रुपए बताई जाती है। गोवा में भी उनका घर था। इसके अलावा पुणे के खड़कवासला के पास करीब 27 एकड़ का फार्महाउस बताया जाता है, जहां खेती की जाती थी। उनके पास महिंद्रा जीप सीजे4, महिंद्रा स्कॉर्पियो और ऑडी क्यू7 जैसी गाड़ियां होने की जानकारी भी सामने आई है।

मग हाथ में, चेहरे पर ठहाका



सोशल मीडिया पर नाना पाटेकर का हाथ में मग लेकर जोर-जोर से हंसने वाला वीडियो इन दिनों खूब वायरल होता है। यह कोई अलग से बनाया गया मीम वीडियो नहीं, बल्कि उनके फिल्मी दृश्य का हिस्सा है। नाना के खास अंदाज, चेहरे के हाव-भाव और ठहाके को लोग अलग-अलग घटनाओं और मजेदार परिस्थितियों से जोड़कर रील्स में इस्तेमाल करते हैं। वीडियो पर नए संवाद, गाने और कैप्शन लगाकर इसे मीम का रूप दिया जाता है। खासकर उनकी स्वाभाविक और जोरदार हंसी लोगों को खूब पसंद आती है। यही वजह है कि यह क्लिप सोशल मीडिया पर बार-बार दिखाई देती है।

करोड़ों के मालिक, लेकिन जिंदगी में सादगी

नाना पाटेकर की सबसे खास बात उनकी सादगी थी। करोड़ों की संपत्ति और दशकों की स्टारडम के बावजूद उनका रहन-सहन दूसरे बड़े फिल्मी सितारों की तरह भव्य नहीं रहा। मुंबई में अपेक्षाकृत छोटा फ्लैट, खेती से जुड़ाव और सामान्य जीवनशैली उनकी पहचान रही। वे अक्सर जमीन से जुड़े व्यक्ति के रूप में नजर आए। नाना ने अपनी लोकप्रियता और कमाई का इस्तेमाल सामाजिक कार्यों में भी किया। किसानों और जरूरतमंदों की मदद के लिए उन्होंने 'नाम फाउंडेशन' के जरिए काम किया। यही वजह है कि उनकी पहचान सिर्फ एक सफल अभिनेता या करोड़पति कलाकार के तौर पर नहीं, बल्कि सादगी और सामाजिक सरोकारों से जुड़े इंसान के रूप में भी बनी।

बांद्रा स्कूल ऑफ आर्ट से पढ़ाई करने वाले अभिनेता का नाम रहा चर्चा में

'विश्वनाथ गजानन पाटेकर', दस्तावेजों में भी दर्ज है 'नाना'

विश्वनाथ से 'नाना' कैसे बने नाना पाटेकर? मां की सहेली के प्यार ने बदल दी पहचान

अभिनेता नाना पाटेकर को दुनिया 'नाना' के नाम से जानती है। दमदार अभिनय, तीखे संवाद और सादगी भरी जिंदगी के कारण उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि उनका असली नाम विश्वनाथ गजानन पाटेकर था। 'नाना' नाम के पीछे भी कोई फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि बचपन से जुड़ी एक भावुक याद है। नाना पाटेकर का जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड-जंजीरा में हुआ था। उनके पिता दिनकर पाटेकर और मां निर्मला पाटेकर थीं। मराठी परिवार में जन्मे नाना ने मुंबई के बांद्रा स्कूल ऑफ आर्ट से पढ़ाई की। बचपन में उनका नाम विश्वनाथ था और स्कूल में उन्हें कई लोग प्यार से 'विशू' भी कहते थे।

मां की सहेली ने प्यार से बुलाया 'नाना'

नाना पाटेकर ने एक पुराने इंटरव्यू में खुद बताया था कि उन्हें 'नाना' नाम उनकी मां की एक करीबी सहेली से मिला। उन्होंने बताया था कि उनकी मां की एक सहेली थीं, जो उनके लिए बिल्कुल बहन जैसी थीं। बचपन में वह उन्हें प्यार से 'नाना-नाना' कहकर बुलाती थीं। धीरे-धीरे घर और आसपास के लोग भी इसी नाम से उन्हें पुकारने लगे और यही नाम उनकी स्थायी पहचान बन गया।

'विशू' कहने पर याद आते हैं स्कूल के दिन

नाना के मुताबिक, अगर आज कोई उन्हें 'विशू' कहकर बुलाता है तो उन्हें तुरंत अंदाजा हो जाता है कि सामने वाला उनके स्कूल के दिनों का कोई पुराना परिचित है। यानी 'विशू' उनके बचपन की पहचान है।



जबलपुर सहित पूर्व क्षेत्र के कई जिलों में दिन-रात कभी भी गुल हो रही बिजली

सरप्लस बिजली के दावे के बीच अघोषित कटौती का झटका

आधे से एक घंटे तक कटौती, कंपनी ने नहीं बताया कारण और अवधि

हरिभूमि, जबलपुर।

प्रदेश में बिजली की कोई कमी नहीं होने और सरप्लस बिजली होने के सरकारी दावों के बीच मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत आने वाले जिलों में अघोषित बिजली कटौती ने सवाल खड़े कर दिए हैं। बरसात पूरी तरह खत्म भी नहीं हुई और ग्रामीण क्षेत्रों में दिन हो या रात, कभी भी आधे से एक घंटे तक बिजली गुल होने का सिलसिला शुरू हो गया है। पिछले पांच-छह दिनों से जारी इस कटौती ने उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी है।



सरप्लस बिजली फिर कटौती क्यों?

ऊर्जा मंत्री की ओर से प्रदेश में पर्याप्त बिजली उपलब्ध होने और दूसरे राज्यों को बिजली बेचने के दावे किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पूर्व क्षेत्र के ग्रामीण उपभोक्ताओं को अचानक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि प्रदेश में बिजली सरप्लस है तो फिर बिना पूर्व सूचना बिजली क्यों काटी जा रही है? कंपनी की ओर से अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कटौती किस वजह से हो रही है और यह व्यवस्था कितने दिनों तक चलेगी।

ऊपर से आदेश आते ही गुल कर देते हैं बिजली-

सूत्रों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती के लिए कोई निर्धारित समय-सारिणी नहीं है। अधिकारियों के स्तर पर अलग-अलग कारण बताए जा रहे हैं। कहीं वर्षा की कमी का हवाला दिया जा रहा है तो कहीं बिजली की उपलब्धता में कमी को कटौती की वजह बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि ऊपर से निर्देश मिलते ही संबंधित क्षेत्रों में सप्लाई बंद कर दी जाती है। इससे उपभोक्ताओं को यह तक पता नहीं होता कि अगले घंटे बिजली रहेगी या नहीं।

बिजली कंपनियों का भुगतान अटका, सप्लाई पर असर?

वहीं सूत्रों का दावा है कि मप्र जनरेशन कंपनी और विद्युत कंपनियों के बीच बिजली आपूर्ति को लेकर किए गए अनुबंधों के भुगतान से जुड़ा विवाद भी स्थिति को प्रभावित कर रहा है। भुगतान लंबित होने के कारण कुछ कंपनियों द्वारा बिजली आपूर्ति प्रभावित किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि इस संबंध में विद्युत कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। यदि आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव बढ़ा तो ग्रामीण क्षेत्रों के बाद शहरी क्षेत्रों में भी कटौती की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

किसानों और ग्रामीण उपभोक्ताओं पर दोहरी मार

अघोषित कटौती का सबसे ज्यादा असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिल रहा है। खेती, पेयजल आपूर्ति, छोटे उद्योग, दुकानों और घरेलू कामकाज पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। रात में बिजली बंद होने से ग्रामीण उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ जाती है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि कटौती आवश्यक है तो कम से कम इसकी पूर्व सूचना और निर्धारित समय सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

कटौती हुई तो मुआवजा कौन देगा?

यदि बिजली कंपनियां निर्धारित आपूर्ति मानकों के अनुरूप बिजली उपलब्ध नहीं करा रही हैं और बार-बार या लंबे समय तक अनियोजित कटौती हो रही है, तो उपभोक्ता मुआवजे के हकदार हैं या नहीं, यह भी बड़ा सवाल है। उपभोक्ताओं को यह जानने का अधिकार है कि कटौती किस श्रेणी में की जा रही है. निर्धारित रखरखाव, आपात स्थिति या बिजली उपलब्धता में कमी के कारण। कंपनी को कटौती का कारण, अवधि और लागू उपभोक्ता अधिकार स्पष्ट करने चाहिए। अब देखना यह है कि बिजली कंपनी इस अघोषित कटौती पर कब तक चुप्पी साधे रहती है।

"जागरूकता रथ से घर-घर पहुंचेगा परिवार नियोजन का संदेश"

मेडिकल कॉलेज से छह दिवसीय अभियान का शुभारंभ

जबलपुर। परिवार नियोजन सेवाओं को सुदृढ़ करने और गर्भनिरोधक इम्प्लांट के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM), फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FPAI) एवं UNFPA के संयुक्त तत्वावधान में छह दिवसीय इम्प्लांट जागरूकता रथ अभियान शुरू किया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज से अभियान का शुभारंभ हुआ। मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती अर्चना सिंह एवं FPAI जबलपुर शाखा अध्यक्ष डॉ. श्रीमती मुक्ता भटेले के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ. श्रीमती कीर्ति पटेल, FPAI कार्यकारिणी सदस्य डॉ. नमिता पाराशर एवं शाखा प्रबंधक रवि शरण गौतम ने हरी झंडी दिखाकर रथ रवाना किया। डॉ. श्रीमती डॉली मरावी सहित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। पीएनसी वार्ड में नुक्कड़ नाटक के जरिए इम्प्लांट की उपयोगिता, प्रभावशीलता, प्रक्रिया और सावधानियों की जानकारी दी गई। इसके बाद रथ बाजनामठ बस्ती और सगढ़ा पहुंचा, जहां समुदाय से संवाद कर परिवार नियोजन के विकल्पों की जानकारी दी गई। अभियान का उद्देश्य भ्रांतियां दूर कर लोगों को उचित चिकित्सकीय परामर्श एवं गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन सेवाओं से जोड़ना है।



जिला कोर्ट में अधिवक्ताओं के बीच विवाद

पांच हजार रुपये लेने का आरोप, जातिगत टिप्पणी और धमकी देने का भी आरोप

जबलपुर। जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के बीच विवाद का मामला सामने आया है। जिला अधिवक्ता संघ ने एक आवेदन थाना प्रभारी ओमती को भेजकर मामले में नियमानुसार कार्रवाई का आग्रह किया है। संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा व सचिव शैलेन्द्र सिंह ठाकुर ने आठ अक्टूबर को आवेदन अग्रेषित किया। आवेदन के अनुसार अधिवक्ता रोहित चढ़ार अपने सहयोगी अधिवक्ताओं रोहित ठाकुर और हर्षित गुप्ता के साथ अधिवक्ता सचिन गुप्ता के कक्ष में मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान अधिवक्ता सत्येन्द्र पांडे और दीपक पटेल वहां पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। शिकायत में अभद्र भाषा के प्रयोग, धमकी देने, मारपीट तथा रोहित चढ़ार के पास मौजूद पांच हजार रुपये जबरन ले लेने का आरोप लगाया गया है। साथ ही जातिसूचक टिप्पणी किए जाने का भी आरोप है। शिकायतकर्ताओं ने संबंधित अधिवक्ताओं के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। संघ ने आवेदन आवश्यक कार्रवाई के लिए ओमती थाने भेज दिया है। पुलिस कार्रवाई और जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

शनिश्चरी अमावस्या पर कल शनिदेव मंदिर में विशेष पूजन, अभिषेक व 56 भोग, होगा भंडारा

जबलपुर। आश्विन मास की अमावस्या शनिवार, 10 अक्टूबर को पड़ने से इस बार शनिश्चरी अमावस्या एवं सर्व पितृ अमावस्या का विशेष संयोग बन रहा है। इस अवसर पर तिलवारा घाट स्थित प्राचीन श्री शनिदेव मंदिर, शनिधाम में भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा। मंदिर में विशेष पूजन, शनिदेव का अभिषेक, पुष्प श्रृंगार, 56 भोग, दिव्य आरती एवं भंडारे का आयोजन होगा। पं. सतीश महाराज ने बताया कि शनिश्चरी अमावस्या पर शनिदेव की पूजा, तेलाभिषेक, दीपदान एवं दान-पुण्य का विशेष महत्व है। वहीं सर्व पितृ अमावस्या पितरों के तर्पण और स्मरण का अंतिम अवसर माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु नर्मदा स्नान कर पितरों का तर्पण एवं शनिदेव का पूजन कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना करेंगे। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से महोत्सव में शामिल होकर पूजन-अर्चन एवं भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है। इस अवसर पर पं. अनिल मिश्रा, शुभम तिवारी, नितिन शर्मा, संजय तिवारी, सचिन बुधौलिया, गौरव सेनी, अरविंद अग्रवाल सहित आयोजन समिति के अनेक सदस्य व्यवस्थाओं में सहयोग करेंगे।



दीक्षांत समारोह में संदेश जैन को मिली पीएचडी की उपाधि

आचार्य विद्यासागर जी महाराज के आर्थिक दर्शन पर किया शोध

जबलपुर। एकलव्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में संदेश जैन को 'आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम' विषय पर शोध के लिए पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उनका शोध आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आर्थिक दर्शन एवं वर्तमान भारत के संदर्भ में उनके चिंतन की प्रासंगिकता पर केंद्रित रहा। शोध के माध्यम से डॉ. संदेश जैन ने आचार्य श्री के आर्थिक विचारों और आत्मनिर्भरता की दृष्टि का समकालीन भारत के संदर्भ में अध्ययन किया। पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त होने पर उन्होंने अपनी इस उपलब्धि को आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद को समर्पित किया। इस उपलब्धि पर परिजनों, शुभचिंतकों एवं परिचितों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।





स्काउट एंड गाइड में कृति उरमलिया ने बढ़ाया कृषि विवि का गौरव

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर की कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय की छात्रा कृति उरमलिया को स्काउट एंड गाइड का राज्य स्तरीय सर्वोच्च सम्मान 'गवर्नर अवार्ड' प्रदान किया गया। एक समारोह में महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं विधायक अशोक रोहाणी सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में कृति को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। कृति की इस उपलब्धि ने कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के साथ-साथ पूरे जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता पर विश्वविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कृति को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

हाईकोर्ट ने निरस्त कीं 14 याचिकाएं, पेंशन 60 साल की उम्र के आधार पर

स्कूल शिक्षा विभाग के अफसरों को 62 साल तक सेवा का अधिकार नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग वाली 14 याचिकाएं निरस्त कर दी हैं। मुख्य मामले में लोक शिक्षण संचालनालय के तत्कालीन उप संचालक शेखर चंद्र वर्मा की याचिका भी शामिल थी। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि केवल स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक पद पर कार्य करने या पूर्व में अध्यापन कार्य करने से किसी कर्मचारी को 62 वर्ष की सेवानिवृत्ति का अधिकार नहीं मिल जाता। इसके लिए संबंधित कर्मचारी का शैक्षणिक संवर्ग में होना और नियमों में निर्धारित अर्हताएं पूरी करना आवश्यक है।



कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन कर्मचारियों ने पूर्व में शैक्षणिक सेवा की है, लेकिन निर्धारित 20 वर्ष की अर्हकारी शैक्षणिक सेवा पूरी नहीं की, वे भी 62 वर्ष की आयु तक सेवा का दावा नहीं कर सकते। प्रशासनिक पद पर नई नियुक्ति के बाद पुराने शैक्षणिक पद पर लियन समाप्त होने की स्थिति में बाद की सेवा को शैक्षणिक सेवा नहीं माना जाएगा। हालांकि अंतरिम आदेश के कारण 60 वर्ष की आयु के बाद सेवा में रहे कर्मचारियों से उस अवधि का वेतन वसूला नहीं जाएगा। लेकिन उनकी पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों की गणना 60 वर्ष की आयु को आधार मानकर की जाएगी।

हाईकोर्ट ने निरस्त की एनएचएम की अपील

मेरिट में अगले अभ्यर्थियों को नियुक्ति के निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) की अपील निरस्त करते हुए मेरिट सूची में अगले स्थान पर रहे अभ्यर्थियों को संविदा आधार पर नियुक्ति देने का आदेश बरकरार रखा है। जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने यह आदेश पारित किया। एनएचएम ने 2023-24 में 92 आप्थेल्मिक असिस्टेंट के संविदा पदों के लिए भर्ती निकाली थी। याचिकाकर्ताओं जबलपुर निवासी कमलेश साहू व सतना निवासी शुभम तिवारी की ओर से अपील का विरोध किया गया। दलील दी गई कि याचिकाकर्ताओं ने मेरिट में 25 वीं और 59 वीं रैंक हासिल की थी, लेकिन उनसे ऊपर चयनित कुछ अभ्यर्थियों के पदभार ग्रहण नहीं करने के बावजूद उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई। हाईकोर्ट ने पूर्व में विज्ञापन की शर्त 9 (ई) के आधार पर नियुक्ति के निर्देश दिए थे। अपील में एनएचएम ने नियमित भर्ती शुरू होने और मेरिट सूची की वैधता समाप्त होने का तर्क दिया। डिवीजन बेंच ने कहा कि शर्त 9 (ई) के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के 15 दिन में पदभार ग्रहण नहीं करने पर मेरिट में अगले अभ्यर्थी को नियुक्ति दी जानी थी। कोर्ट ने कहा कि इस शर्त से अभ्यर्थियों के मन में नियुक्ति की वैध अपेक्षा बनी थी।

अपराध पर सख्ती, नवरात्रि में सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम

पुलिस कप्तान ने ली अपराध समीक्षा बैठक, लंबित गंभीर मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

जबलपुर। नवरात्रि और दशहरा पर्व के मद्देनजर शहर की कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा बैठक लेकर लंबित गंभीर अपराधों, महिला संबंधी अपराध, साइबर फ्रॉड और आगामी धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिस की कार्रवाई निष्पक्ष हो और आम नागरिकों में सुरक्षा का भाव, जबकि असामाजिक तत्वों में पुलिस का खौफ नजर आना चाहिए।



हत्या, लूट और अपहरण के मामलों पर विशेष फोकस

बैठक में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, झपटमारी, नकबजनी, एससी-एसटी एक्ट और महिला संबंधी अपराधों की थानावार समीक्षा की गई। कप्तान उपाध्याय ने लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गई संपत्ति की बरामदगी के निर्देश दिए। अपहृत नाबालिगों की दस्तयाबी के लिए हरसंभव प्रयास करने तथा जिले से बाहर होने की सूचना पर तत्काल पुलिस टीम रवाना करने को कहा।

महिला संबंधी, सीएम हेल्पलाइन पर जोर

सीएम हेल्पलाइन, वरिष्ठ कार्यालयों और जनसुनवाई की शिकायतों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश भी दिए गए। महिला संबंधी मामलों में संवेदनशीलता बरतते हुए तत्काल कार्रवाई और समय पर चालान पेश करने पर जोर दिया गया।

साइबर पीड़ितों को गोल्डन ऑवर में मिले मदद

साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी थानों में संचालित साइबर हेल्प डेस्क को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। साइबर फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड और अन्य ऑनलाइन अपराधों में पीड़ित को तत्काल राहत दिलाने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने को कहा गया। गुम मोबाइल की शिकायतों पर सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से कार्रवाई कर मोबाइल वापस दिलाने के निर्देश दिए गए।

पंडालों की जिम्मेदारी बीट स्तर तक

नवरात्रि को लेकर एसपी ने थाना प्रभारियों से गरबा, चल समारोह और भंडारे की जानकारी ली। पारंपरिक स्थान और निर्धारित मार्ग से ही प्रतिमाओं एवं जुलूसों के आयोजन के निर्देश दिए गए। संवेदनशील क्षेत्रों में फिक्स पिकेट लगाने तथा आयोजकों, डीजे, लाइट संचालकों और समितियों के साथ बैठक करने को कहा गया।

सुरक्षा में नहीं हो चूक

पंडालों से आवागमन बाधित न हो, इसके साथ अग्निशमन यंत्र, रेत की बाल्टियां, सीसीटीवी और चौबीसों घंटे दो वालेंटियर की मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बिजली के कटे-फटे तारों का उपयोग नहीं करने तथा आपातकालीन वाहनों के लिए रास्ता खुला रखने को कहा गया। विसर्जन स्थलों पर होमगार्ड और स्थानीय तैराकों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

हर घंटे होगी पंडालों की निगरानी

प्रत्येक प्रतिमा की जिम्मेदारी संबंधित आरक्षक, प्रधान आरक्षक, एएसआई या बीट प्रभारी को सौंपी जाएगी। रात्रि एवं प्रभात गश्त अधिकारी हर घंटे पंडालों की जांच कर रजिस्टर में हस्ताक्षर करेंगे। विवाद वाले पक्षों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और फाइनल बाउंड ओवर की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए।

शांति और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

कप्तान उपाध्याय ने कहा कि छोटी से छोटी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचे। शांति और सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर एएसपी सिटी आयुष जाखड़, एएसपी मनीष भारद्वाज, एएसपी जोन-4 अंजना तिवारी, एएसपी जोन-2 पल्लवी शुक्ला, एएसपी यातायात अखिलेश तिवारी, एएसपी क्राइम जितेंद्र सिंह समेत जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी उपस्थित रहे।



खेलों से चुनौतियों का सामना करने में होती है आसानी: डॉ. अभिलाष पांडे

जबलपुर। 70वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का एमएलबी स्कूल खेल परिसर में रंगारंग समापन हुआ। 5 से 8 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में जूडो के 14, 17 एवं 19 वर्ष बालक-बालिका तथा गतका के 17 एवं 19 वर्ष बालक-बालिका वर्ग के मुकाबले हुए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. अभिलाष पांडे एवं विशिष्ट अतिथि संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी रहे। डॉ. पांडे ने कहा कि खेल शरीर को स्वस्थ रखने के साथ व्यक्तित्व विकास, आत्मबल, अनुशासन एवं एकाग्रता बढ़ाते हैं और जीवन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में भोपाल संभाग ओवरऑल चैंपियन रहा। जूडो 19 वर्ष बालिका वर्ग में जबलपुर संभाग विजेता तथा 14 वर्ष बालिका वर्ग में उपविजेता रहा। गतका 17 वर्ष बालक वर्ग में इंदौर और 17 वर्ष बालिका वर्ग में उज्जैन विजेता रहे। प्रतियोगिता में नौ संभागों के करीब 700 खिलाड़ी एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

गोविंदगंज रामलीला की राम बारात आज

जुलूस मार्ग में उत्साह, निवाड़गंज में बनेगा जनवासा

जबलपुर।

गोविंदगंज रामलीला की 162वीं श्रीराम बारात आज शुक्रवार शाम धूमधाम और श्रद्धामय वातावरण में निकाली जाएगी। अध्यक्ष पं. अनिल तिवारी ने बताया कि श्रीरामबारात शायं सात बजे रामलीला प्रांगण से प्रारंभ होगी।

उत्तर मध्य के विधायक अभिलाष पांडे सहित नगर के जनप्रतिनिधि और विशिष्ठजन भगवान की पूजन-अर्चन कर बारात में शामिल होंगे। बारात में गुरुवर विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण, महाराज दशरथ के साथ भरत-शत्रुघन सहित कई धर्ममयी झांकि यां शामिल होंगी। बारात रामलीला भवन से गुड़हाई, कोतवाली, कमानिया, फुहारा, बड़े महावीर, पांडे चौक, बल्देवबाग, चेरीताल, गोपालबाग, दमोह नाका होते हुए वापस रामलीला प्रांगण में संपन्न होगी।

निवाड़गंज में जनवासा

श्री तिवारी ने बताया कि परंपरा अनुसार पंचकोषी मंदिर निवाड़गंज में भगवान की बारात का जनवासा रहेगा। यहां की व्यवस्था नगर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव, संजय गोस्वामी सहित अन्य श्रद्धालुओं द्वारा की जाएगी। जनवासे में दूल्हा बने श्रीराम सहित चारों भाइयों और अन्य बारातियों का स्वागत किया जाएगा। श्री तिवारी ने बताया कि बारात का रास्ते भर स्वागत होगा। उन्होंने यात्रा मार्ग के समस्त प्रतिष्ठान, आसाव में तोरण द्वार लगा प्रभु की अगवानी करने की अपील की है।

धनुष टूटते ही हुआ उत्सव का माहौल

इससे पूर्व गुरुशुक्रवार की रात भगवान ने शिव धनुष का भंजन कर जनकजी का संपात हरा। फलस्वरूप माता सीता ने प्रभु श्रीराम के गले में वरमाला डाली। रामलीला में आज जनक के रूप में सौरभ पटेरया, रावण के रूप में पवन पांडे, बाणासुर के रूप में मोनू चौबे, परशुराम के रूप में पलाश पाठक ने शानदार अभिनय किया। लक्ष्मण जी के अभिनय कर्ता मानस पांडे ने भी दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

गढ़ा रामलीला के सिद्ध मंच पर गूंजा जय श्रीराम

देवर्षि नारद के श्राप को सत्य करने नर रूप में अवतरित हुए नारायण

जबलपुर।



संस्कारधानी जबलपुर की ऐतिहासिक गढ़ा रामलीला के सिद्ध मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मानव लीला का भव्य मंचन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में किया गया। रामलीला मैदान में आयोजित लीला का शुभारंभ भगवान गणेश एवं भगवान विष्णु की आरती के साथ हुआ। इसके बाद नारद मोह प्रसंग के अंतर्गत देवर्षि नारद के श्राप को सत्य करने तथा जगत के कल्याण के लिए परब्रह्म परमात्मा के नर रूप में अवतार लेने की लीला का प्रभावशाली मंचन किया गया। अयोध्या के महाराज दशरथ के राजमहल में भगवान विष्णु अपनी दिव्य शक्तियों सहित श्रीराम, लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुघ्न के रूप में अवतरित हुए। जैसे ही प्रभु श्रीराम के जन्म का दृश्य मंच पर साकार हुआ, पूरा रामलीला परिसर 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति और उत्साह में सराबोर नजर आए।

राम जन्मोत्सव के अवसर पर पारंपरिक शोहरी गायन, आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण किया गया। श्रद्धालुओं एवं रामलीला समिति के पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को राम जन्म की बधाइयां दीं और संस्कारधानी जबलपुर के सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। लीला के अगले प्रसंग में ऋषि-मुनियों के यज्ञ, जप और तप में राक्षसों द्वारा डाले जा रहे विघ्न का मार्मिक चित्रण किया गया। त्रिकालदर्शी महर्षि विश्वामित्र को जब ज्ञात हुआ कि स्वयं नारायण महाराज दशरथ के यहां नर रूप में अवतरित हो चुके हैं, तो वे अयोध्या पहुंचे और महाराज दशरथ से राम एवं लक्ष्मण को अपने साथ ले जाने का आग्रह किया। रामलीला समिति के अनुसार 8 अक्टूबर 2026, गुरुवार को सुबाहु वध, अहिल्या उद्धार, पंडा प्रसंग, नगर भ्रमण एवं पुष्प वाटिका की मनोहारी लीलाओं का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर रामलीला समिति के संचालक अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित सहित लोकराम कोरी, रमाशंकर कटारे, राजेंद्र प्यासी, हरीश मनोध्याय, सहित बड़ी संख्या में समिति पदाधिकारी, सदस्य एवं पात्र प्रतिनिधि राजा पांडे उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश विधानसभा पर बनी फिल्म, मिलेगी संपूर्ण जानकारी

विस की भूमिका समझाएगी लघु फिल्म

जबलपुर। मप्र के गठन के उपरांत हमारी विस ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, जनप्रतिनिधित्व और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विधायिका की भूमिका क्या है, उसके प्रमुख कार्य क्या हैं, लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका की आवश्यकता क्यों है तथा वर्ष 1956 में गठित मप्रविधानसभा से लेकर आज तक की इसकी गौरवपूर्ण यात्रा कैसी रही है-इन सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को इस लघु फिल्म के माध्यम से संक्षिप्त एवं प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया है। इस फिल्म में मध्यप्रदेश विधानसभा के इतिहास, उसकी कार्यप्रणाली, सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं के साथ-साथ वर्तमान 16वीं विधानसभा के प्रमुख पदाधिकारियों का भी परिचय प्रस्तुत किया गया है। इनमें मप्र विस के अध्यक्ष, नरेंद्र तोमर, सदन के नेता एवं सीएम तथा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार प्रमुख हैं। मप्र विस के अध्यक्ष, नरेंद्र सिंह तोमर, देश और प्रदेश के अत्यंत अनुभवी एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों में शामिल हैं। उनके मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश विधानसभा की संसदीय परंपराओं, मर्यादाओं और गरिमा को बनाए रखते हुए सदन का संचालन किया जा रहा है। यह लगभग 7 मिनट की लघु फिल्म केवल विधानसभा के इतिहास का परिचय ही नहीं कराती, बल्कि नई पीढ़ी, विशेषकर युवाओं को लोकतंत्र, विधायिका और विधानसभा की भूमिका को समझने का एक सरल एवं प्रभावी माध्यम भी प्रदान करती है।

कुकिंग-बेकिंग प्रशिक्षण से मिला रोजगार और स्वरोजगार का हुनर



बरेला। पं. राम शंकर बन्नीलाल पाठक शासकीय महाविद्यालय बरेला में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत आयोजित कुकिंग एवं बेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग डॉ. अलकेश चतुर्वेदी एवं विशिष्ट अतिथि संभागीय मार्गदर्शक प्रो. अरुण शुक्ल रहे। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि पारंपरिक शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल का विकास विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण है। प्रो. शुक्ल ने प्रशिक्षणार्थियों को लगन, निष्ठा और निरंतर अभ्यास से कौशल में दक्षता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं उद्यमिता की भावना विकसित करते हैं। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. ऋतु श्रीवास्तव के निर्देशन में श्रीमती सीमा शुक्ला एवं कुमारी आयुषी गुप्ता ने विभिन्न व्यंजन एवं बेकरी उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षणार्थियों ने अनुभव साझा करते हुए इसे रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए उपयोगी बताया। समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। आभार डॉ. अजीत राय ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



पमरे महाप्रबंधक ने सतना–देवेन्द्र नगर रेलखंड का किया निरीक्षण

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने सतना-देवेन्द्र नगर रेलखंड का निरीक्षण कर न्यू कमीशनिंग कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बरेठिया, फुलवारी, नागोद एवं देवेन्द्र नगर स्टेशनों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति और शेष कार्यों की जानकारी ली। महाप्रबंधक ने स्टेशनों पर निर्धारित मानकों के अनुरूप यात्री सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को प्राथमिकता देते हुए कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बरेठिया एवं सकरिया में प्रस्तावित गुड्स शेड से माल लदान शुरू करने को लेकर क्षेत्रीय प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान आवश्यक अधोसंरचना और माल लदान की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने रेलखंड के विकास के साथ यात्री सुविधाओं और माल परिवहन संबंधी अधोसंरचना को मजबूत करने तथा कार्यों की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर महाप्रबंधक सहित पश्चिम मध्य रेल एवं जबलपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

वनमाली सप्रे स्मृति संगीत समारोह शनिवार को

जबलपुर



शास्त्रीय संगीत के संवर्धन, उन्नयन एवं जागरूकता के उद्देश्य से वनमाली सप्रे स्मृति संगीत महोत्सव (तृतीय वर्ष) का आयोजन शनिवार, 10 अक्टूबर को शहीद स्मारक सभागृह में शाम 6:30 बजे से किया जाएगा। सप्रे परिवार के प्रो. अखिलेश सप्रे ने बताया कि यह आयोजन आर्ट हब संस्था के सहयोग से आयोजित हो रहा है। समारोह में कोलकाता के विख्यात सितार वादक श्री असीम चौधरी सितार वादन प्रस्तुत करेंगे, जबकि उनके साथ मुंबई के श्री यशवंत वैष्णव संगत करेंगे। पुणे के प्रसिद्ध पखावज वादक श्री कृष्णा सालुंके अपनी प्रस्तुति देंगे। पखावज संगत के लिए श्री यशवंत थिटे तथा हार्मोनियम संगत के लिए पुणे से कलाकार उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि यह संगीत समारोह लगातार तीसरे वर्ष आयोजित हो रहा है और संस्कारधानी के संगीतप्रेमियों के बीच विशेष लोकप्रियता हासिल कर चुका है। वनमाली सप्रे, उनकी पत्नी पद्मजा सप्रे, पुत्र प्रो. अखिलेश सप्रे एवं तीनों पुत्रियां संगीत के प्रति विशेष अनुराग रखते हैं तथा शास्त्रीय संगीत को प्रोत्साहित करने के लिए संगीतप्रेमियों को निःशुल्क सलाह एवं प्रशिक्षण भी देते हैं। सप्रे परिवार ने शहर के संगीतप्रेमियों से निःशुल्क समारोह में शामिल होकर शास्त्रीय संगीत का आनंद लेने का आग्रह किया है।

दिव्यांग क्रीड़ा उत्सव दिव्य शक्ति का प्रतीक : राकेश सिंह



जबलपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत शहीद स्मारक, गोलबाजार स्थित क्रिकेट मैदान में दिव्यांगजनों के लिए विशेष क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी एवं अभिलाष पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। राकेश सिंह ने कहा कि दिव्यांग क्रीड़ा उत्सव दिव्य शक्ति का प्रतीक है। खेल आत्मविश्वास, अनुशासन और संघर्ष की भावना बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी शारीरिक सीमा की मोहताज नहीं होती, आवश्यकता अवसर और प्रोत्साहन की है। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ सहभागिता कर यह संदेश दिया कि शारीरिक चुनौतियां लक्ष्य प्राप्ति में बाधा नहीं बन सकतीं। कार्यक्रम में दिव्यांग खिलाड़ियों ने योग एवं नृत्य की प्रस्तुतियां भी दीं। प्रमोद नायर ने सांकेतिक भाषा में आभार व्यक्त किया।

पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण शुरू



जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के नयागांव, जबलपुर स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (CTI) में 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। टाटा पॉवर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (TPSDI) के तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण में कंपनी के कर्मचारियों को योजना से जुड़े तकनीकी, व्यावहारिक एवं प्रक्रियात्मक पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अभियंता (ज.क्षे.) एवं मुख्य महाप्रबंधक (प्रशिक्षण) श्री एस. के. गिरिया तथा उप प्रबंधक श्री के. बी. थापा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। श्री गिरिया ने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी कर्मचारियों को सौर ऊर्जा एवं योजना की बारीकियों का प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को 10 बैच (A से J) में चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य योजना का सुचारू एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित कर अधिकाधिक पात्र उपभोक्ताओं तक इसका लाभ पहुंचाना है।

श्रीराम महाविद्यालय में पोस्टर, स्टोन मेकिंग, फोटोग्राफी और मेहंदी प्रतियोगिताओं आयोजित

जबलपुर। श्रीराम महाविद्यालय, माढ़ोताल में वन्य जीव सप्ताह के अंतर्गत 7 अक्टूबर को विद्यार्थियों में वन्य जीवों एवं जैव विविधता के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पोस्टर निर्माण, स्टोन मेकिंग, वन्य जीव फोटोग्राफी एवं मेहंदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्राचार्य डॉ. भरत सोलंकी ने विद्यार्थियों को रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उप प्राचार्य डॉ. श्रीकांता अवस्थी ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में वन्य जीव संरक्षण एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। पोस्टर में भूमि दुबे, प्रथम प्रजापति एवं सोविया पटेल, स्टोन मेकिंग में वैशनवी सोनी, निखिल मिश्रा एवं प्रियंका परत, फोटोग्राफी में स्नेहा चौधरी, आर्यन नामदेव एवं गौरी पटेल तथा मेहंदी में सुहानी सिंह, योगेश्वरी लोधी एवं अर्पिता बर्मन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन डॉ. वर्षा दुबे के निर्देशन में हुआ।



लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

सिहोरा। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव के निर्देशन में नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पवन सोनी एवं ब्लॉक कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं इंडिया ब्लॉक के सांसदों के साथ कथित दुर्व्यवहार और लाठीचार्ज के विरोध में काला दिवस मनाया गया। रेस्ट हाउस के समीप आयोजित सभा की अध्यक्षता प्रकाश कुरारिया ने की। संचालन अनुराग तिवारी ने किया। सभा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में काली पट्टी बांधकर नारे लगाते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्र पति के नाम ज्ञापन सौंपकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। कार्यक्रम में अमोल चौरसिया, जितेन्द्र श्रीवास्तव, संदीप व्यौहार, राजेश चौबे, सुनील तिवारी, घनश्याम बड़गैया, मंसूर मंसूरी, आलोक पांडे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहीद सैनिकों के परिजनों और पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

वीर सैनिकों का त्याग सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा : बरकड़े



सिहोरा। भारतीय जनता पार्टी जिला ग्रामीण द्वारा सेवा समर्पण अभियान के अंतर्गत रुक्मणि पैलेस में जिला स्तरीय शहीद सैनिकों के परिजनों एवं पूर्व सैनिकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल के निर्देशन में हुआ। विधायक संतोष बरकड़े, नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे, जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, जिला प्रभारी अभिषेक सिंह हरि सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। विधायक बरकड़े ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों का त्याग और शौर्य सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके परिवारों और पूर्व सैनिकों का सम्मान करना समाज का दायित्व है। समारोह में आनरेरी कैप्टन विजय कुमार मिश्रा, हवलदार उजयार लाल (सेना मेडल), वीर नारी ज्योति तिवारी एवं वीर नारी संगीता अश्विनी पटेल सहित तीन दर्जन से अधिक शहीद सैनिकों के परिजनों एवं पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। पी.वी. संजय, अजय खरतिया, बसंत बिलैया एवं बबलू सोनी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री जीवन लाल प्रजापति- मड़ई व्हीकल निवासी श्री जीवन लाल प्रजापति (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम सुंदर पंजवानी- सिंगल क्वाटर चांदमारी रोड लालमाटी निवासी श्री श्याम सुंदर पंजवानी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती श्यामा बाई जायसवाल- प्रेमनगर मदनमहल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री रामजीवन जायसवाल की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा बाई जायसवाल (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई दाहिया- सिद्धबाबा वार्ड रामलीला मैदान के पास निवासी श्री सिया शरण दाहिया की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई दाहिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बाबू लाल गुप्ता- महावीर कम्पाउंड सदर निवासी श्री बाबू लाल गुप्ता (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कैलाश कनौजिया- सिद्धबाबा वार्ड चाचा किराना के पास निवासी श्री कैलाश कनौजिया (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री तीरथ प्रसाद डागौर- एमईएस कॉलोनी रिज रोड केंट निवासी श्री तीरथ प्रसाद डागौर (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिनेश चौधरी- कांचघर स्टेशन रोड निवासी श्री दिनेश चौधरी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मोती लाल- गौतम मढिया पास गढ़ा निवासी श्री मोती लाल (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रेणुका पिल्ले- मॉडल टाउन बिलहरी निवासी श्री विनय पिल्ले की धर्मपत्नी श्रीमती रेणुका पिल्ले (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामचरण चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री रामचरण चौधरी (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विष्णु कनौजिया- लिया कम्पाउंड सदर निवासी श्री विष्णु कनौजिया (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अखिलेश रैकवार- सिंधी कैंप चौथ वाले बाबा के पास निवासी श्री अखिलेश रैकवार (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

नाम सुधार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मैं अंकित द्विवेदी (ANKIT DWIVEDI) पिता श्री राजकुमार द्विवेदी, उम्र 29 वर्ष, निवासी शक्ति नगर, गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, गुप्तेश्वर, थाना गोरखपुर, जबलपुर म.प्र. का स्थाई निवासी हूँ। यह कि, मेरी कक्षा दसवी एवं बारहवी की अंकसूची में मेरा नाम त्रुटिवश अंकित कुमार पिता राजकुमार दर्ज हो गया था। जबकि मेरे समस्त शासकीय एवं अर्धशासकीय दस्तावेजो में मेरा नाम अंकित द्विवेदी (ANKIT DWIVEDI) दर्ज है जो कि सही है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आज दिनांक से मेरे सही नाम अंकित द्विवेदी (ANKIT DWIVEDI) पिता राजकुमार द्विवेदी नाम से मुझे पढा, लिखा, जाना व पहचाना जावे एवं आगामी शासकीय दस्तावेजो में भी मेरा नाम अंकित द्विवेदी (ANKIT DWIVEDI) दर्ज किया जावें

शपथकर्ता

नाम सुधार सूचना

मैं विकास कुमार अग्रवाल पिता श्री रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल निवासी- म.. नं 201, वार्ड नं. 14, शिवाजी वार्ड, पाटन, जिला जबलपुर, म.प्र. 483113 शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि मेरा पासपोर्ट 10 वी की मार्कशीट में मेरा नाम विकास कुमार अग्रवाल पिता श्री रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल नाम दर्ज है। एवं आधार कार्ड पेन कार्ड में एवं बैंक पासबुक में मेरा नाम विकास अग्रवाल नाम दर्ज है। अतः मेरे सभी दस्तावेजो में विकास कुमार अग्रवाल के स्थान पर विकास अग्रवाल दर्ज किया जावे एवं पहचाना जावे।

गलत नाम - विकास कुमार अग्रवाल
पिता श्री रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल
सही नाम - विकास अग्रवाल
पिता श्री रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल

नाम परिवर्तन सूचना

I, KUMARI JYOTI is legally WIFE of ARMY NO-15704805N, Rank - HAV, Name-SANTOSH KUMAR presently residing at Vill-SISHUDANGI, NEAR PANCHANAI, POST- MATIGARA, Teh - SILIGURI, Distt - DARJEELING, State-WEST BENGAL, PIN- 734010, शपथपूर्वक नि लि कथन करती हूँ कि मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम JYOTI DEVI दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम KUMARI JYOTI दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र न 38AA850478 दिनांक 08-10-26 नोटरी जबलपुर म प्र।
गलत नाम- JYOTI DEVI
सही नाम- KUMARI JYOTI

नाम परिवर्तन एंव जन्मतिथि सूचना

I, RANGUBAI HARIBHAU SHIRSATH is legally Mother of ARMY NO- 15729748H, Rank- HAV, Name-SHIRSATH SANDIP HARIBHAU presently residing at Vill-RAHURI, POST-RAHURI, Teh - RAHURI, Distt- AHILYANAGAR, State - MAHARASHTRA, PIN - 413705. शपथपूर्वक नि लि कथन करती हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम एंव जन्मतिथि RANGUBAI / 01-06-1963 दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम एंव जन्मतिथि RANGUBAI HARIBHAU SHIRSATH / 01-01-1962 दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम एंव जन्मतिथि को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र न 38AA 850480 दिनांक 08-10-26 नोटरी जबलपुर म प्र।
गलत नाम एंव जन्मतिथि- RANGUBAI
जन्मतिथि - 01-06-1963
सही नाम एंव जन्मतिथि-
RANGUBAI HARIBHAU SHIRSATH
जन्मतिथि - 01-01-1962

नाम परिवर्तन सूचना

, I, HARIBHAU DAGDU SHIRSATH is legally FATHER of ARMY NO-15729748H, Rank- HAV, Name-SHIRSATH SANDIP HARIBHAU presently residing at Vill-RAHURI, POST- RAHURI, Teh-RAHURI, Distt-AHILYANAGAR, State-MAHARASHTRA, PIN-413705, शपथपूर्वक नि लि कथन करता हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम SHIRSATH HARIBHAU DAGADU दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम HARIBHAU DAGDU SHIRSATH दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र न 38AA850479 दिनांक 08-10-26 नोटरी जबलपुर म प्र।
गलत नाम
SHIRSATH HARIBHAU DAGADU
सही नाम
HARIBHAU DAGDU SHIRSATH

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS MANDEEP KAUR MAAN AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH 1,SHALL BE KNOWN AS MANDEEP KAUR W/O HARMEET SINGH SABBARWAL RESIDENT - OF H.NO. 110, NEAR HOME GUARD TRAINING CENTER KHAMARIYA, NEAR GOKULNAGARI, JABALPUR (M. P.) 482005.

कार्यालय ग्राम पंचायत गोसलपुर
आम सूचना

सभी ग्राम वासियों को सूचित किया जाता है ग्राम पंचायत गोसलपुर द्वारा बस स्टैंड के पास बनाई गई 05 दुकानों की खुली नीलामी की जाना है जिसमें आरक्षण प्रथम तल में ST -01 SC-01 OBC 01 एवं नीचे की 02 दुकान सामान्य केटेगरी की रहेगी। इन दुकानों की नीलामी दिनांक 22/10/2026 को 11:00 से ग्राम पंचायत भवन में की जाएगी। जिन भी प्रतिभागियों को हिस्सा लेना है। वह ग्राम पंचायत को पूर्व में सूचित कर दें। बोली लगाने हेतु रू 100000 की अमानत राशि होगी जो की आपको पूर्व में जमा करनी होगी। अधिक नियम एवं शर्तें जानने के लिए आप ग्राम पंचायत से संपर्क कर सकते हैं। नीलामी में सिर्फ ग्राम पंचायत गोसलपुर के निवासी ही भाग ले सकते है। (सभी राशि को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जमा करना होगा)

आदेशानुसार
श्रीमती गिरिजा जितेन्द्र पालीवाल
सरपंच

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. /स. क्रं.11/एम/166/2026-27
दिनांक:- 07/10/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री उमेश ठाकुर पिता श्री राम भजन ठाकुर 2. श्रीमति मोनालिसा मिश्रा पति उमेश ठाकुर पिता श्री अनिल कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अंवती बाई के भवन क्रमांक पी-1 का भाग ख.नं. 313/1 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000381092 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1047 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 800 वर्गफुट प्रथम तल 800 वर्गफुट पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दान पत्र शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनाम के आधार पर निगम में दर्ज श्री मनजीत सिंह महदेले पिता रंजीत सिंह महदेले का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11,
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. /स. क्रं.11/एम/156/2026-27
दिनांक:- 08/10/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति कल्पना विश्वकर्मा पति श्री अनिरूद्ध प्रसाद 2 अनिरूद्ध विश्वकर्मा पिता मोतीलाल ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 2972 शंकर मंदिर भीटा समपति के पिन क्रमांक 1000390128 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2000 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 1000 वर्गफुट प्रथमतल 1000 वर्गफुट आरसीसी त्यागपत्र रिलीज डीड के आधार पर निगम में दर्ज श्री नरबद बाई विश्वकर्मा पिता/पति मोतीलाल विश्वकर्मा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11,
नगर निगम, जबलपुर

खबर संक्षेप

टीसीएस का दूसरी तिमाही में लाभ 15 प्रतिशत बढ़ा



मुंबई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 13,884 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में 12,075 करोड़ रुपये और अप्रैल-जून तिमाही में 13,349 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

वेदांता देगा पांच रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश



नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष के लिए पांच रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इस पर करीब 1,955 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि विभिन्न कारोबार के विभाजन के बाद यह उसका पहला अंतरिम लाभांश है। शेयरधारकों को मूल्य देने पर कंपनी के जोर की पुष्टि होती है।

जेएसडब्ल्यू स्टील का उत्पादन 5 फीसदी बढ़ा



नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का एकीकृत उत्पादन चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पांच प्रतिशत बढ़कर 72.7 लाख टन हो गया।
जेएसडब्ल्यू स्टील ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 69.5 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया था।

विशाल निर्मिति दो फीसदी गिरावट के साथ सूचीबद्ध



नई दिल्ली। सिविल इंजीनियरिंग, विनिर्माण एवं निर्माण क्षेत्र की कंपनी विशाल निर्मिति लिमिटेड का शेयर अपने 220 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर ने 215 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 2.27 प्रतिशत कम है।

रुपया 13 पैसे टूटकर 96.88 प्रति डॉलर पर



मुंबई। वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 96.88 प्रति डॉलर पर रहा। वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों समेत लगातार बने व्यापक आर्थिक दबाव के कारण रुपये में गिरावट आई।

एसईए ने अंग्शु मलिक को नया अध्यक्ष चुना

नई दिल्ली। खाद्य तेल उद्योग की संस्था सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड के कार्यकारी वाइस चेयरमैन अंग्शु मलिक को वर्ष 2026-27 के लिए अपना नया अध्यक्ष चुना है। एसईए ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि मलिक को वर्ष 2026-27 के लिए नया अध्यक्ष चुना गया है। इससे पहले संजीव अस्थाना एसईए के अध्यक्ष थे। अध्यक्ष पद संभालने के बाद मलिक ने कहा, ''मैं एसईए की मजबूत विरासत को आगे बढ़ाने और उद्योग तथा देश के लिए सार्थक योगदान देने को लेकर उत्साहित हूं। मलिक को एडब्ल्यूएल एग्रीबिजनेस के साथ करीब तीन दशक का अनुभव है।

प्याज, एलपीजी के दाम चढ़ने से शाकाहारी थाली हुई महंगी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

प्याज, खाद्य तेल, चावल और रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दाम बढ़ने से सितंबर में घर में तैयार होने वाली शाकाहारी थाली की लागत सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़ गई। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। क्रिसिल की मासिक 'रोटी राइस रेट' रिपोर्ट के अनुसार, ब्रॉयलर की कीमतों में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि के कारण मांसाहारी थाली की लागत छह प्रतिशत बढ़ी। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में शाकाहारी थाली तैयार करने की लागत बढ़कर 30.8 रुपये हो गई, जो एक साल पहले 28.1 रुपये थी।

- वेंज थाली की लागत सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ी

क्रिसिल की मासिक रोटी राइस रेट रिपोर्ट जारी

प्याज में और तेज वृद्धि की संभावना

क्रिसिल ने कहा, /"अक्टूबर के पहले पखवाड़े में प्याज की कीमतों में सालाना आधार पर और तेज वृद्धि होने की संभावना है। त्योहारी मौसम की मांग से आपूर्ति पर दबाव बढ़ेगा। महीने के अंत तक खरीफ की ताजा आवक बाजार में आने के साथ कीमतों में धीरे-धीरे नरमी आने की संभावना है।/"



चावल की कीमतें आठ फीसदी बढ़ी

रिपोर्ट में कहा गया कि कम रकबे और कमजोर पैदावार के कारण धान का उत्पादन पांच-छह प्रतिशत घटने की आशंका के बीच चावल की कीमतें सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़ीं। मांसाहारी थाली की लागत में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई क्योंकि थाली की लागत में करीब आधा योगदान देने वाले ब्रॉयलर के दाम सालाना आधार पर केवल दो प्रतिशत बढ़े।

खाद्य तेल 12 प्रतिशत हुआ महंगा

पाम तेल पर मूल सीमा शुल्क कम होने के बावजूद खाद्य तेल की कीमतें सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़ीं। इसका कारण भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं और वैश्विक पाम तेल उत्पादन पर अल नीनो के असर को लेकर चिंता है। वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान के बीच एलपीजी की कीमतें भी सालाना आधार पर 10 प्रतिशत अधिक रहीं।

मांसाहारी थाली तीन फीसदी हुई महंगी

इसी तरह, मांसाहारी थाली की लागत 56 रुपये से बढ़कर 59.5 रुपये हो गई। मासिक आधार पर सितंबर में शाकाहारी और मांसाहारी थाली की लागत में क्रमशः चार प्रतिशत और तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई।

प्याज की कीमत सालाना आधार पर 89 फीसदी बढ़ी

प्याज की कीमत सालाना आधार पर 89 प्रतिशत बढ़कर 53 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो एक साल पहले 28 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इसका कारण रबी फसल के भंडार में कमी और उत्पादन में पांच-छह प्रतिशत की गिरावट है।
प्याज की उपलब्धता होगी सीमित : क्रिसिल ने कहा कि निकट अवधि में प्याज की उपलब्धता सीमित रहने की आशंका है। जून में बारिश दीर्घकालिक औसत से 40 प्रतिशत कम रहने के कारण खरीफ फसल की रोपाई में देरी हुई और ताजा आवक भी आगे खिसक गई।

सूचकांक ढाई साल के निचले स्तर पर पहुंचा

मौद्रिक नीति सख्त होने की आशंका में सेंसेक्स 1045 अंक टूटा, डूबे 10 लाख करोड़

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कच्चे तेल के दाम में तेजी, मौद्रिक नीति और सख्त होने की आशंका में घरेलू शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट आई और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 1,045 अंक का गोता लगाकर ढाई साल से अधिक के निचले स्तर पर, जबकि एनएसई निफ्टी 22,230 अंक के करीब आ गया।

विश्लेषकों के अनुसार, कच्चे तेल के दाम में तेजी और घरेलू तथा वैश्विक स्तर पर मौद्रिक नीति के और सख्त होने की आशंका के बीच ब्याज दर को लेकर संवेदनशील जिंस और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा।

कच्चे तेल के दाम में तेजी से बाजार में रही गिरावट → **निफ्टी भी 22,230 अंक के करीब आ गया** → **एफएमसीजी के शेयरों में तेज बिकवाली रही**

दुनियाभर के बाजारों में रही गिरावट

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग उल्लेखनीय गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर के कारोबार गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे



इन शेयरों में रहा नफा-नुकसान : सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में आईटीसी में सर्वाधिक 4.24 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा इंटरग्लोब एविएशन (3.36 प्रतिशत), पावर ग्रिड (3.16 प्रतिशत), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (3.1 प्रतिशत), अदाणी पोर्ट्स (2.59 प्रतिशत) और एनटीपीसी (2.43 प्रतिशत) प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस के शेयर बढ़त में रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 4.25 प्रतिशत चढ़कर 104.5 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।
निफ्टी भी 52 सप्ताह के निचले स्तर पर : इसी तरह, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 371.25 अंक की गिरावट के साथ 21 महीने के निचले स्तर 22,231.80 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स 13 फरवरी 2024 को इस स्तर के आसपास हुआ था बंद

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,045.46 अंक का गोता लगाकर ढाई साल से अधिक के निचले स्तर 71,593.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,310.95 अंक तक लुढ़क गया था। इससे पहले बीएसई सेंसेक्स 13 फरवरी, 2024 को इस स्तर के आसपास बंद हुआ था।

निवेशकों की संपत्ति 10 लाख करोड़ रुपए घटी

व्यापक बिकवाली से शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को भारी गिरावट आई और निवेशकों की संपत्ति करीब 10 लाख करोड़ रुपये घट गई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण एक ही दिन में 10,01,898.68 करोड़ रुपये घटकर 4,60,97,032 करोड़ रुपये (4.76 लाख करोड़ डॉलर) रह गया।

एफआईआई ने 6121 करोड़ के शेयर बेचे

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 6,121.37 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को अपनी प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया। करीब चार साल में यह पहली बढ़ोतरी है।

आगे भी नीतिगत दर और बढ़ सकती है

केंद्रीय बैंक ने निकट भविष्य में दरों में कटौती की संभावना को खारिज करते हुए संकेत दिया कि बढ़ती महंगाई, कमजोर रुपये और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच आगे भी नीतिगत दर और बढ़ सकती है।
रिजर्व बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने आम सहमति से रेपो दर बढ़ाने के पक्ष में निर्णय किया।

एयर इंडिया व अकासा एयर ने ईंधन अधिभार बढ़ाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



- अधिभार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बढ़ाया गया
- नई दरें नौ अक्टूबर से लागू होंगी

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ अकासा एयर लाइन ने बृहस्पतिवार को विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की। नई दरें नौ अक्टूबर से लागू होंगी। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि हाल के महीनों में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव रहा है।

इसका मुख्य कारण भू-राजनीतिक घटनाक्रम और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर लगातार बना दबाव है। बयान में कहा गया, ''विमान ईंधन की कीमतों में हाल की बढ़ोतरी से एयरलाइंस की परिचालन लागत और बढ़ गई है। ईंधन एयरलाइन के कुल परिचालन खर्च का एक बड़ा हिस्सा होता है।'' एयरलाइन ने कहा कि एटीएफ की उसकी परिचालन लागत में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर संशोधित ईंधन अधिभार 400 रुपये से 1,200 रुपये के बीच होगा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए क्षेत्र और देश के आधार पर यह अधिभार 55 डॉलर से 215 डॉलर के बीच होगा। कुछ दिन पहले देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने भी ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की थी।

अकासा ने अधिभार फिर लगाया

अकासा एयर नौ अक्टूबर से घरेलू उड़ानों पर ईंधन अधिभार फिर से लागू करेगी और अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के लिए अधिभार बढ़ाएगी। अकासा एयर ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक घटनाक्रम के कारण विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते ईंधन अधिभार बढ़ाया गया है। अकासा एयर ने मार्च में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार लागू किया था।

यूको बैंक ने रेपो दर से जुड़ी ऋण दरों में बढ़ोतरी की

- आरबीआई ने रेपो दर में 0.25 फीसदी अंक की बढ़ोतरी की है

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी किए जाने के अगले दिन बृहस्पतिवार को रेपो दर, ट्रेजरी बिल और सरकारी प्रतिभूतियों से जुड़ी अपनी मानक ऋण दरों में वृद्धि की। बैंक ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि उसकी परिसंपत्ति-देनदारी प्रबंधन समिति (एएलसीओ) ने मानक ऋण दरों की समीक्षा के बाद बढ़ोतरी का फैसला किया। संशोधित दरें आठ अक्टूबर से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने 'यूको फ्लोट' के लिए रेपो-संबद्ध उधारी दर (आरएलएलआर) को 0.25 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 8.30 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 8.05 प्रतिशत थी।

बैंक ने एमसीएलआर को अपरिवर्तित रखा : हालांकि, यूको बैंक ने सभी अवधि के लिए कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) को अपरिवर्तित रखा है। एक दिन की एमसीएलआर 7.90 प्रतिशत, एक महीने की 8.20 प्रतिशत, तीन महीने की 8.45 प्रतिशत, छह महीने की 8.70 प्रतिशत और एक साल की 8.80 प्रतिशत है। बुनियादी दर 9.60 प्रतिशत और मानक प्रमुख उधारी दर (बीपीएलआर) 14.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित हैं।

ब्रिगेड ग्रुप विस्तार पर करेगा 40 हजार करोड़ रुपए निवेश...

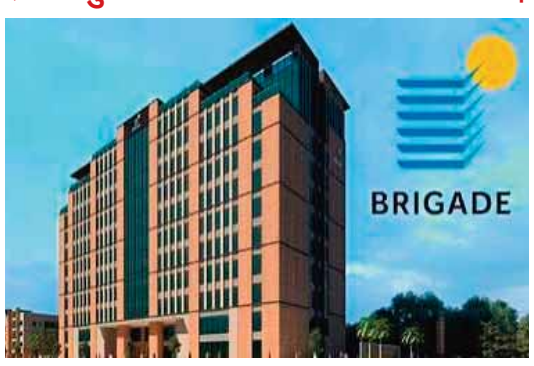

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी ब्रिगेड ग्रुप अपनी विस्तार योजना के तहत अगले तीन साल में दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक, होटल और भंडार गृह परियोजनाओं के विकास पर 40,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

बेंगलुरु स्थित ब्रिगेड ग्रुप ने बृहस्पतिवार को कारोबार में 40 वर्ष पूरे कर लिए। कंपनी ने अगले तीन साल की अपनी वृद्धि की योजना के बारे में जानकारी देते हुए बयान में कहा कि वह अपने विभिन्न बाजारों में चार करोड़ वर्ग फुट की विकास परियोजनाओं के लिए अगले तीन वर्षों में करीब 40,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

सोने में 3,600 रुपए की तेजी, चांदी 3 माह के निचले स्तर पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



- सोना बढ़कर 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
- चांदी 3000 रुपए टूटकर 2 .24 लाख रुपए प्रति किलो

त्योहारी मौसम से पहले आभूषण विक्रेताओं और खुदरा कारोबारियों की मांग बढ़ने से राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 3,600 रुपये बढ़कर 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसके साथ ही सोने की कीमतों में लगातार दो सत्रों से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 3,600 रुपये बढ़कर 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसमें सभी कर शामिल हैं। बुधवार को सोना 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। कच्चे माल के रूप में सोने की खरीद बढ़ा देते हैं।

वैश्विक बाजार में चांदी दो फीसदी टूटी

इससे पहले 29 जून को चांदी इस स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी। वैश्विक बाजार में हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,111.94 डॉलर प्रति औंस पर था, जबकि चांदी दो प्रतिशत से अधिक टूटकर 58.50 डॉलर प्रति औंस रह गई।

सोना 4120 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड की शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) वेदिका नारवेकर ने कहा, ''वैश्विक कारोबार में बृहस्पतिवार को सोना 4,120 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर है। इससे पहले के सत्र में यह नौ सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया था।''

अगले दो-तीन महीनों तक जमा पर ब्याज दर बढ़ने की संभावना नहीं

एजेंसी ▶▶| मुंबई



- एसबीआई के चेयरमैन शेट्टी ने जताई संभावना
- बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी उपलब्ध

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी उपलब्ध होने के कारण अगले दो-तीन माह में जमा दरों में बढ़ोतरी की संभावना नहीं दिख रही है।

इसके साथ ही, शेट्टी ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो दर में बढ़ोतरी से बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) को अगले दो-तीन तिमाहियों तक फायदा मिल सकता है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत ब्याज दर रेपो को 0.25 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत करने का फैसला किया है। इसके अलावा मौद्रिक रुख को भी बदलकर 'सोच-समझकर सख्ती' वाला कर दिया गया है। आरबीआई की इस घोषणा के बारे में पूछे जाने पर शेट्टी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरा मानना है कि अगले दो-तीन महीनों में बैंक जमा पर दरों में कोई बदलाव नहीं होगा, क्योंकि बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी मौजूद है।' हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि ऋण वृद्धि मौजूदा ऊंचे स्तर पर जारी रहती है, तो कुछ बैंकों को कर्ज देने के लिए धन जुटाने को जमा दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई की स्थिति में जमाकर्ताओं को कुछ हद तक सकारात्मक वास्तविक ब्याज दर मिलना भी जरूरी है।

दो या तीन चरणों में 0.75 फीसदी की दर से होगी बढ़ोतरी

एनआईएम के बारे में पूछे जाने पर शेट्टी ने कहा, ''अगली दो-तीन तिमाहियों में दर बढ़ोतरी के फैसले का एनआईएम पर सकारात्मक असर होगा। बाजार को उम्मीद है कि दो या तीन चरणों में कुल 0.75 प्रतिशत अंक की दर बढ़ोतरी होगी। मेरा मानना है कि एनआईएम को यह लाभ दो-तीन तिमाहियों तक मिलेगा।''

बैंकिंग प्रणाली में 50 फीसदी ऋण बाहरी मानक से जुड़ा

चेयरमैन ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में 50 प्रतिशत से अधिक ऋण बाहरी मानक से जुड़ी ऋण दर से संबद्ध हैं और आरबीआई की रेपो दर में बदलाव के अनुरूप इनकी दरों में भी बदलाव होता है। शेट्टी ने भरोसा जताया कि एसबीआई अपने कर्ज पोर्टफोलियो में 14-15 प्रतिशत की वृद्धि बनाए रखने में सक्षम होगा।

एआई नियमन पर एक महीने में परामर्श पत्र

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



- केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, डीपफेक जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार एक महीने में कृत्रिम मेधा (एआई) के नियमन पर परामर्श पत्र लाएगी, जिसमें एआई सुरक्षा, मानव-केंद्रित दृष्टिकोण और डीपफेक जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा।

वैष्णव ने कहा कि अब ऐसे नियामकीय ढांचे का समय आ गया है और उद्योग को इसकी जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा उठाना होगा। डीपफेक, साइबर खतरों और एआई चैटबॉट के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सरकार का यह कदम महत्वपूर्ण है। दुनिया भर में सरकारें और नियामक तेजी से बदलती एआई प्रौद्योगिकी के साथ कदमताल करने की कोशिश कर रहे हैं। यूरोपीय संघ पहले ही व्यापक एआई कानून लागू कर चुका है।
वैष्णव ने 'डीपफेक' को ''एक ऐसी परेशानी बताया जो समाज में बड़ी समस्याएं पैदा कर सकती है।''केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डीपफेक की गुणवत्ता में हर दिन सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, ''लोग उन पर विश्वास करते हैं और इससे पूरी तरह गलत परंपरा बनती है। यह पूरी तरह गलत धारणा पैदा करता है और लोगों को गलत काम करने तथा गलत बातों पर विश्वास करने के लिए उकसाता है। वैष्णव ने कहा कि प्रस्तावित परामर्श पत्र में एआई से होने वाले नुकसान और डीपफेक पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मस्क ने कहा था स्टारलिंक की सेवाओं को रोका जा रहा

एलन मस्क के आरोपों पर सरकार का पलटवार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के स्टारलिंक की उपग्रह संचार सेवाओं को रोके जाने के आरोप पर बृहस्पतिवार को कड़ी आपत्ति जताई और स्पष्ट किया कि देश में हर उपग्रह संचार लाइसेंसधारक के लिए सुरक्षा मानकों का अनुपालन दिखाना अनिवार्य है। सरकार ने साथ ही कहा कि उपग्रह सेवाओं समेत सभी दूरसंचार सेवाओं के लिए निष्पक्ष और भेदभाव रहित व्यवस्था लागू है। दूरसंचार मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि यह कहना कि व्यवस्था या इसे लागू करने का तरीका अनुचित या भेदभावपूर्ण है, निराधार और गलत धारणा पर आधारित है।

- सुरक्षा मानकों का अनुपालन दिखाना अनिवार्य



भारत में स्टारलिंक की सेवाएं बंद है

मस्क ने कहा, ''भारत में स्टारलिंक की सेवाएं बंद हैं, इसलिए यह दावा कि उनका इस्तेमाल किसी ने किसी भी कारण से किया, बिल्कुल गलत है। उन्होंने सिलसिलेवार कई 'पोस्ट' किए और दावा किया कि ''भारत में स्टारलिंक उन लोगों के लिए तेज गति और किफायती इंटरनेट संपर्क उपलब्ध कराएगा, जो मौजूदा कीमतें वहन नहीं कर सकते या जिनके पास सेवाएं बिल्कुल भी उपलब्ध नहीं हैं।''

भेदभाव का आरोप निराधार

मंत्रालय ने कहा कि जब किसी लाइसेंसधारक इकाई के लिए यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, तो वह स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए आवेदन करने के अगले चरण में जा सकती है। बयान में कहा गया, 'फिलहाल तीनों इकाइयां मोटे तौर पर नियामकीय प्रक्रिया के एक ही चरण में हैं। ऐसे में यह सुझाव कि व्यवस्था या इसे लागू करने का तरीका अनुचित या भेदभावपूर्ण है, निराधार और गलत धारणा पर आधारित है।'

मस्क का आरोप कुछ उद्योगपति एकाधिकार चाहते हैं

मस्क ने बुधवार को आरोप लगाया था कि ''कुछ उद्योगपति'' भारत में अपनी एकाधिकार स्थिति बनाए रखने के लिए उनकी कंपनी की उपग्रह संचार सेवाओं को रोक रहे हैं। सोशल मीडिया पर भारत की उपग्रह संचार सेवाओं के लिए नियामकीय व्यवस्था की निष्पक्षता को लेकर एक 'पोस्ट' प्रसारित हो रही है और इसमें यह संकेत दिया गया है कि इसे भेदभावपूर्ण तरीके से लागू किया जा रहा है।''
सभी कंपनियों को सुरक्षा मंजूरी लेनी होगी
सभी कंपनियों को सेवा शुरू करने से पहले स्पेक्ट्रम और सुरक्षा मंजूरी लेनी होगी। दूरसंचार मंत्रालय ने कहा कि लाइसेंस की शर्तों के तहत हर ऐसे लाइसेंसधारक को सुरक्षा संबंधी शर्तों के अनुपालन को प्रदर्शित करना जरूरी है।

चिंतन

डिजिटल सुरक्षा वैश्विक जरूरत



आर्थिकी
डॉ.जयंतीलाल भंडारी

भारत की विकास दर के बारे में प्रकाशित हो रही वैश्विक और राष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत की बढ़ती विकास दर के सामने वैश्विक और घरेलू मुश्किलों की चुनौतियां बनी हुई हैं। इस समय कच्चे तेल के ऊंचे दाम, कमजोर मानसून और महंगाई देश की बड़ी चुनौतियां हैं। इन परिस्थितियों में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत बनाए रखने के लिए एक संतुलित और दूरदर्शी नीति की अत्यंत आवश्यकता है। विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती से आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सकता है, जिससे दीर्घकालिक रूप से महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। ऐसा होने पर ही आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों के बीच भी अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर आगे बढ़ सकेगी।

डिजिटल तकनीक ने दुनिया को जितनी तेजी से जोड़ा है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराध ने भी अपनी सीमाएं बढ़ाई हैं। आज मोबाइल फोन केवल बातचीत का माध्यम नहीं रह गया है। बैंकिंग, खरीदारी, सरकारी सेवाएं, पहचान, कारोबार और व्यक्तिगत सूचनाएं सब कुछ एक छोटे से उपकरण में सिमट गया है। ऐसे में डिजिटल व्यवस्था पर नागरिक का भरोसा उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साइबर धोखाधड़ी और डीपफेक से निपटने के लिए वैश्विक तंत्र बनाने का आह्वान समय की महत्वपूर्ण जरूरत को सामने रखता है। साइबर अपराध की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसका कोई निश्चित भौगोलिक क्षेत्र नहीं है। ठग एक देश में बैठकर दूसरे देश के नेटवर्क का इस्तेमाल कर तीसरे देश के नागरिक को निशाना बना सकता है। फर्जी कॉल, संदेश, लिंक और डिजिटल भुगतान के जरिए होने वाली ठगी अब किसी एक शहर या देश की कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं रही। इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, तकनीकी साधन और कई बार अलग-अलग देशों में मौजूद अपराधी काम करते हैं। डीपफेक ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है। एआई की मदद से किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और वीडियो इस तरह तैयार किए जा सकते हैं कि वास्तविक और नकली में अंतर करना आम व्यक्ति के लिए बेहद कठिन हो जाए। आने वाले समय में यह चुनौती और बढ़ सकती है। इसलिए साइबर सुरक्षा को केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं रखा जा सकता। असली जरूरत ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जो संदिग्ध कॉल, संदेश, वेबसाइट, भुगतान या डिजिटल पहचान को नागरिक तक पहुंचने से पहले ही पहचान सके। इसके लिए सरकारों के साथ दूरसंचार कंपनियों, बैंकों, तकनीकी कंपनियों और डिजिटल मंचों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। मोबाइल और इंटरनेट की गति बढ़ाना डिजिटल विकास का एक पहलू है, लेकिन सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाना उसका दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण पहलू है। 5जी और आने वाली 6जी तकनीक, एआई, डिजिटल भुगतान और इंटरनेट आधारित सेवाओं का विस्तार तभी सार्थक होगा, जब नागरिक को यह भरोसा हो कि उसकी निजी जानकारी सुरक्षित है और उसके नाम पर कोई धोखाधड़ी नहीं हो सकती। ऐसे में डिजिटल सुरक्षा वैश्विक जरूरत बना गई है। इसमें सभी देशों को अपनी भूमिका निभानी होगी। दुनिया ने जिस तरह आतंकवाद, मादक पदार्थों और संगठित अपराध के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत को स्वीकार किया है, उसी तरह अब साइबर अपराध के खिलाफ भी साझा वैश्विक व्यवस्था बनानी होगी। देशों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान, अपराधियों की पहचान, डिजिटल साक्ष्यों की उपलब्धता और त्वरित कार्रवाई के लिए स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है। डीपफेक जैसी तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा मानक विकसित करने होंगे। डिजिटल क्रांति को रोकना समाधान नहीं है और न ही ऐसा होना चाहिए। तकनीक विकास, सुशासन और आर्थिक प्रगति का शक्तिशाली माध्यम है। लेकिन इसका उपयोग सही दिशा में हो, तभी यह सार्थक होगी। जरूरत केवल इतनी है कि इसकी रफ्तार के साथ सुरक्षा की रफ्तार भी बढ़े। डिजिटल दुनिया में भरोसा टूट गया तो तकनीकी प्रगति की चमक फीकी पड़ जाएगी। इसलिए डिजिटल सुरक्षा अब किसी एक देश, कंपनी या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा जरूरत है।

बढ़ती विकास दर के सामने चुनौतियां

इन दिनों भारत की विकास दर के बारे में प्रकाशित हो रही वैश्विक और राष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत की बढ़ती विकास दर के सामने वैश्विक और घरेलू मुश्किलों की चुनौतियां बनी हुई हैं। 6 अक्टूबर को प्रकाशित विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के पूर्व निर्धारित अनुमान 6.6 प्रतिशत को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस वित्त वर्ष में विकास दर बनाए रखने के लिए भारत को वैश्विक और घरेलू आर्थिक चुनौतियों का रणनीतिपूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ना होगा।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस समय देश के सामने आर्थिक वृद्धि बरकरार रखने की चुनौतियां दिखाई दे रही हैं। 7 अक्टूबर को रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की जो वृद्धि की है, उससे भी विकास की रफ्तार पर असर होगा। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत- अमेरिका व्यापार वार्ता में गतिरोध आ गया है। अमेरिका ने भारत से निर्यात नियंत्रित करने के लिए टैरिफ को दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। 18 सितंबर को अमेरिका में नए कानून के तहत राष्ट्रपति ट्रंप की मुट्ठी में भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की नई शक्ति आ गई है। भारत के लिए सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में निर्यात बढ़ाने की नई चुनौती भी आर्थिक वृद्धि की राह में बड़ी चुनौती दिखाई दे रही है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने कौटिल्य इकोनामिक कॉन्क्लेव में कहा कि देश को अपनी आर्थिक वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार सुधारों और अधिक आत्मनिर्भरता पर जोर देना होगा। गौरतलब है कि एक अक्टूबर को वित्त मंत्रालय ने सितंबर 2026 की अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, वैश्विक वित्तीय स्थितियों में कड़ाई, अमेरिकी व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताएं, महंगाई और देश में कमजोर मानसून से निर्मित परिस्थितियां इस समय देश की आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखने में बड़ी चुनौतियां बन गई हैं। इस परिदृश्य के कारण भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर सकती है। जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी। ऐसे में भारत भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बढ़ते व्यवधानों के कारण अपनी विकास दर को लेकर बेफिक्र नहीं रह सकता। देश के करीब एक तिहाई हिस्से में सूखे का संकट भी सामने दिखाई दे रहा है। भारत मौसम विभाग (आइएमडी) के मुताबिक अलनीनो के असर से इस बार मानसून के सीजन में करीब 12.6 प्रतिशत बारिश कम रही है और ऐसे में देश के 38 प्रतिशत हिस्से में सूखे का खतरा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा प्रकाशित बुलेटिन 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' के अनुसार देश की आर्थिक रफ्तार की राह पर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, ट्रंप टैरिफ और कमजोर मानसून की चुनौतियां मुश्किलों के रूप में दिखाई दे रही हैं। लेकिन इसके बावजूद मजबूत



घरेलू बुनियाद के दम पर देश की अर्थव्यवस्था दमदार बनी हुई है। 25 सितंबर 2026 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 747.6 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून तिमाही में 6 प्रतिशत बढ़कर 19.81 अरब डालर की ऊंचाई पर पहुंचकर पांच वर्षों के उच्चतम मासिक स्तर पर रहा है। वहीं, दूसरी ओर सरकार किसी भी प्रकार की घरेलू और वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने और आर्थिक रफ्तार बनाए रखने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। निसंदेह अब तक वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बीच पूरी दुनिया में जिस तरह भारत की आर्थिक साख बढ़ी है,अब उसे बनाए रखना एक चुनौती है। गत 23 सितंबर को एसएंडपी और फिच रेटिंग्स जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है और कहा है कि इस प्रदर्शन के दम पर भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का पूर्वानुमान बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 6 प्रतिशत रहने का अनुमान था। इस रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में लचीलापन देखने को मिला है। भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान में बढ़ोतरी का मुख्य आधार मजबूत घरेलू मांग, निजी खपत में लगातार सुधार, और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सरकारी व निजी निवेश में आई तेजी है।मूडीज ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीएए 3' पर बनाए रखा है और देश के आर्थिक आउटलुक को 'स्थिर' रखा है। रिपोर्ट के अनुसार यद्यपि विकास की गति सकारात्मक है, लेकिन भविष्य की चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। कहा गया है कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत के आयात बिल और चालू खाते के घाटे को प्रभावित कर सकती हैं। मौसम के प्रतिकूल प्रभावों जैसे अल नीनो के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि महंगाई और ग्रामीण खपत पर दबाव डाल सकती है। वस्तुतः मूडीज का यह संशोधित अनुमान दर्शाता है कि भारत वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। दुनिया की प्रसिद्ध जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर) ने भारत की विदेशी और स्थानीय मुद्रा दीर्घकालिक जारीकर्ता रेटिंग के साथ-साथ कंट्री सीलिंग को एक पायदान ऊपर बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि जेसीआर के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था लगभग सात प्रतिशत की उच्च विकास दर बनाए रखने में सफल रही है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे ढांचागत सुधारों ने अर्थव्यवस्था की नींव को मजबूत किया है। निसंदेह अब देश और दुनिया के बदलते माहौल के बीच भारत के लिए वृद्धि दर बनाए रखना भी एक कठिन काम है। भारत के सामने कई चुनौतियां उभर कर दिखाई दे रही हैं।

इस समय कच्चे तेल के ऊंचे दाम, कमजोर मानसून और महंगाई देश की बड़ी चुनौतियां हैं। इन परिस्थितियों में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत बनाए रखने के लिए एक संतुलित और दूरदर्शी नीति की अत्यंत आवश्यकता है। इसमें कोई दो मत नहीं कि विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती से आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सकता है, जिससे दीर्घकालिक रूप से महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। ऐसा किए जाने पर ही आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों के बीच भी अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर आगे बढ़ सकेगी।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

पर्यटन
सुशील देव



एक बार बस्तर का दशहरा भी देखें !

यह बेहद सुकुन देने वाली बात है कि छत्तीसगढ़ का बस्तर, जिसे आमतौर पर नक्सलवाद और लाल आतंक के नाम से जाना जाता था, पर्यटन के नक्शे पर उसकी पहचान अब संस्कृति और प्रकृति की अनुपम छटा वाले पर्यटन क्षेत्र के रूप में जाना जा रहा है। वास्तव में बस्तर का वन क्षेत्र बेहद निराला है। प्रकृति की हरियाली और स्वच्छता पर्यटकों को आकर्षित करता है। धीरे-धीरे बस्तर न केवल विकास की धारा से जुड़ रहा है बल्कि पयर्टन के हिसाब से भी तेजी से बदल रहा है। यहां का खूबसूरत इलाका अपनी अनोखी आदिवासी संस्कृति, घने जंगलों की छटा सबका ध्यान खींच रहा है। साथ ही, यहां के लोगों का भावपूर्ण और अतिथि सत्कार भी दुनिया भर के पर्यटकों को लुभा रहा है। बारिश का मौसम बीतने के बाद से ही यहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ और उनके उफनते पर्यटकों का मन मोह रहे हैं। इसलिए आज की तारीख में बस्तर भी देश के बेहतरीन पर्यटन स्थलों में एक साबित हो रहा है। हालांकि बस्तर का दशहरा बहुत पहले से प्रसिद्ध है, लेकिन हाल के दिनों में इस अवसर पर जुटने वाले सैलानियों की संख्या में खासा इजाफा दर्ज किया गया है। इस वर्ष भी यहां का दशहरा देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नवरात्रि और दशहरा के अलावा यहां दीपावली पर भी दुनिया भर से भारी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस बार और अधिक सैलानियों की उम्मीद की जा रही है। निश्चित तौर से इससे वहां की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। वहां के लोगों को इस बहाने रोजगार के साधन मिलते हैं। चर्चा है कि इस बार 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर के दशहरा में कुछ खास होने वाला है, जो यहां के सैलानियों को दिखेगा। गौरतलब है कि दशहरा यहां सिर्फ पूजा-पाठ का त्योहार नहीं, बल्कि नए बस्तर की नई पहचान के रूप में मनाया जाएगा। असल में बस्तर का दशहरा देश के बाकी हिस्सों से बहुत अलग और अनोखा होता है। ध्यान देने योग्य बात है कि बस्तर में रावण के पुतले का दहन नहीं होता। यानी यहां रावण दहन या राम-रावण युद्ध के किसी प्रसंग को दोहराने की परंपरा नहीं है। क्योंकि यहां देवी और प्रकृति की आराधना होती है। इसलिए बस्तर का यह प्रसिद्ध उत्सव भगवान राम की विजय या रावण वध से जुड़ा हुआ नहीं है। यह पूरी तरह से यहां की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी और क्षेत्र के स्थानीय देवी-देवताओं को समर्पित है। यहां रावण दहन के बजाय विशाल लकड़ी के रथ खींचने, देवी-देवताओं की डोलियों के मिलन और आदिवासी लोक-परंपराओं पर पूरा फोकस होता है। मान्यता है कि बस्तर प्राचीन काल में दंडकारण्य का हिस्सा माना जाता था, इसलिए यहां रावण के पुतले को जलाने के बजाय उसकी संस्कृति और स्थानीय आस्था से जुड़ी रस्में (जैसे भीतर रैनी, बाहर रैनी और रथ परिक्रमा) निभाई जाती हैं। इस बार दशहरा और भी खास होने वाला है, क्योंकि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल होने वाली हैं। देश की राष्ट्रपति के इसमें शामिल होने से इस आयोजन का महत्व और भी बढ़ गया है। खास बात यह भी है कि दशहरा देखने आ रहे सैलानी अब बस्तर के दूसरे गांवों और पर्यटन स्थलों तक भी पहुंच रहे हैं, जिससे यहां के स्थानीय लोगों की कमाई के रास्ते खुल गए हैं। होटल और होम-स्टे चलाने वालों ने पर्यटकों के स्वागत की पूरी तैयारी कर ली है। सैलानियों को सिर्फ प्राकृतिक नजारे ही नहीं, बल्कि पारंपरिक बस्तरिया पकवान खाने और यहां की लोक कलाओं को नजदीक से देखने का मौका भी मिलेगा। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंधन के मुताबिक वर्तमान राज्य सरकार बस्तर में इको-टूरिज्म, होम-स्टे और एडवेंचर टूरिज्म को तेजी से बढ़ावा दे रही है। सुरक्षा और आने-जाने के रास्तों में सुधार होने से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। सरकार का मकसद सिर्फ सैलानी बढ़ाना नहीं, बल्कि पर्यटन को रोजगार से जोड़ना है। इससे स्थानीय युवाओं, महिलाओं, गाइडों, कारीगरों और छोटे कारोबारियों को सीधे फायदा मिल रहा है। इससे यह समझा जा सकता है कि अब बस्तर आने वाले लोग सिर्फ दशहरा देखकर नहीं लौट रहे, बल्कि चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़, कांगेर घाटी, कुटुमसर और कैलाश गुफा जैसी जगहों पर भी जा रहे हैं। बारिश के बाद यहां की हरियाली और झरने इन जगहों को और भी खूबसूरत बना देते हैं। कांगेर घाटी में पर्यटकों को घने जंगलों के साथ आदिवासी जीवन को करीब से देखने का मौका मिल रहा है। स्पष्ट है कि पर्यटकों के यहां आने से बस्तर की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। होम-स्टे, स्थानीय खाना, महुआ से बने उत्पाद, हस्तशिल्प और सुंदर कलाकृतियां पर्यटकों को बहुत पसंद आ रही हैं। इससे वाहन चालकों, छोटे दुकानदारों, कलाकारों और महिला समूहों की कमाई बढ़ रही है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है



संकलित
दर्शन

जिस प्रकार संपूर्ण जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है, उसी प्रकार मनुष्यों का विकास भी प्रारंभिक मानवीय प्रतिभाओं से आरंभ होकर विकास की उच्चतर अवस्थाओं तक होता है। उनकी क्षमता एक जन्म के बाद दूसरे जन्म में निरंतर और अधिकाधिक विकसित होती रहती है। संपूर्ण मानव जाति विकास एवं प्रतिविकास के चक्रों से गुजरती रहती है, जिन्हें शास्त्रों में युगों के नाम से संबोधित किया जाता है। उनका आरोहण और अवरोहण होता रहता है। इस समय हम एक ऐसे युग में हैं, जो आरोहण की अवस्था में है। दूसरे शब्दों में, वर्तमान काल में जन्म लेने वाले आत्माएं अपने दादा-दादी और परदादा-परदादी की अपेक्षा विकास की उच्चतर अवस्था में हैं।- आज के बच्चों को देखें, उनके अंदर स्वाभाविक रूप से यह भावना है-, 'नहीं, केवल किसी की त्वचा के रंग के कारण मेरे हृदय में उनके प्रति घृणा उत्पन्न नहीं होगी,' और इन बच्चों के हृदयों में एक अन्य प्रकार की मानवीय अज्ञानता के प्रति एक स्वाभाविक अस्वीकृति है, जिसमें संपूर्ण विश्व के सभी देशों में पुरानी पीढ़ियां दृढ़तापूर्वक विश्वास करती थीं। यह लगभग ऐसा है कि जैसे वे पहले से ही थोड़ी-बहुत तैयारी करके आते हैं। मेरे विचार से, जब आपकी आयु मेरी वर्तमान आयु के बराबर होगी, तो संभवतः आप और भी बहुत अधिक विकास को देखेंगे। तब आप पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे, 'ओह, उन पिछली पीढ़ियों के लोग ऐसे कैसे हो सकते थे?'

सफलता के लिए योजना बनाकर काम करें

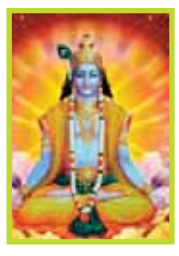

संकलित
प्रेरणा

जब भगवान विष्णु श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेने वाले थे। देवकी और वसुदेव कंस की कैद में थे। कंस ने देवकी-वसुदेव की 6 संतानों का वध कर दिया था। सातवीं संतान के रूप में बलराम देवकी के गर्भ में आए तो भगवान विष्णु ने योगमाया से कहा था कि आप इस सातवीं संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव जी की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो। इसके बाद कंस को ये सूचना दी जाएगी कि सातवां गर्भ गिर गया है। योगमाया ने ऐसा ही किया। इसके बाद जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया तो भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार लेने का समय आ गया है। जब मेरे अवतार का जन्म होगा, ठीक उसी समय आप गोकुल में यशोदा के गर्भ से जन्म लेना। वसुदेव जी कंस के कारागर से निकालकर मुझे गोकुल पहुंचाएंगे और आपको लेकर कंस के कारागार में आ जाएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा तब आप मुक्त हो जाना। भगवान ने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुसार श्रीकृष्ण का अवतार हो गया। इस कथा में भगवान ने संदेश दिया है कि जब भी कोई काम करना हो तो उसकी योजना जरूर बनाएं। योजना अच्छी होगी तो सफलता जरूर मिलेगी।

अंतर्मन



आज की पाती

तेल की कीमतों का झटका और भारत में बढ़ती महंगाई

महंगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमत बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण काम करते हैं। जब किसी देश में विदेशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं या कच्चे माल की कीमत बढ़ती है और उसका असर घरेलू बाजार की कीमतों पर पड़ता है, तो इसे आयातित महंगाई कहा जाता है। भारत जैसे देश के लिए यह चुनौती अधिक गंभीर है क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था ऊर्जा की आवश्यकताओं के लिए काफी हद तक आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव इसलिए केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर परिवहन, उद्योग, कृषि, खाद्य पदार्थों और अंततः आम आदमी की जेब तक पहुंचता है। - नवरत्न, ढाढरी

ट्रेंड

आत्मविश्वास और संकल्प



हमने जो भी प्रगति देखी है, वह इसलिए संभव हो पाई क्योंकि करोड़ों भारतीयों ने पूरे आत्मविश्वास और संकल्प के साथ देश के बदलाव में हिस्सा लिया। यह देखना विशेष रूप से सुखद है कि यह बदलाव लोगों के रोजमर्रा के जीवन में भी दिखाई दे रहा है।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

67933 गांव टीबी-मुक्त



आज यह बहुत खुशी की बात है कि 67,933 ग्राम पंचायतों को टीबी-मुक्त घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों और समुदाय के सदस्यों को बधाई।
- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री

पाटेकर का निधन दुःखद



मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर बेहद दुःखद है। अपनी एक्टिंग और किरदारों के ज़रिए उन्होंने भारतीय सिनेमा और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। दुख की इस घड़ी में, मेरी गहरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और चाहने वालों के साथ हैं।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

देशद्रोही वामपंथी



देशद्रोही वामपंथी, जो सैद्धांतिक रूप से लोकतंत्र पर अविश्वास करते हैं और हिंसक क्रांति में भरोसा रखते हैं, साथ ही राष्ट्रवाद का पुरजोर विरोध करते हैं, उनका संस्थानों की छवि खराब करने का एक लंबा इतिहास रहा है।
- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, यूपी

करंट अफेयर

भारतीय नेतृत्व वाले 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' में शामिल घाना



घाना ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भारत के नेतृत्व वाले 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) में शामिल होने के लिए 'स्वीकृति पत्र' प्रदान किया है और इसी के साथ यह पश्चिम अफ्रीकी देश इस गठबंधन का औपचारिक रूप से सदस्य बन गया है। जयशंकर तीन अफ्रीकी देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में घाना पहुंचे। इस यात्रा में कोट डी आइवर और इथियोपिया भी शामिल हैं। घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुदजेटो अबलाकवा ने बुधवार को द्विपक्षीय बातचीत के दौरान जयशंकर को यह स्वीकृति पत्र सौंपा। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें घाना के विदेश मंत्री से 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' में शामिल होने का स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने घाना के अपने समकक्ष के साथ अपनी एक वीडियो क्लिप और तस्वीर भी साझा की।
आईबीसीए संधि पर आधारित एक अंतरसरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा समेत बड़ी बिल्ली प्रजाति के सात वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण पर केंद्रित है। भारत ने नौ अप्रैल, 2023 को 'प्रोजेक्ट टाइगर' की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में इस गठबंधन की शुरुआत की थी।

ऑफ बीट

फिटनेस ट्रैकिंग के छिपे खतरे विशेषज्ञों ने किया सावधान



मोबाइल ऐप, स्मार्टवॉच और अन्य पहनने योग्य फिटनेस उपकरणों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ये उपकरण लोगों को अधिक सक्रिय जीवनशैली अपनाने में मदद करते हैं, लेकिन इन पर अत्यधिक निर्भरता मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी हो सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, फिटनेस ट्रैकर केवल शारीरिक गतिविधियों का रिकॉर्ड नहीं रखते, बल्कि लक्ष्य, अलर्ट, बैज, 'स्ट्रीक' और स्वचालित फीडबैक के जरिए लोगों के व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। जहां ये कुछ लोगों को अधिक सक्रिय बनने के लिए प्रेरित करते हैं, वहीं कई लोगों में चिंता, अपराधबोध, तनाव और खान-पान संबंधी अस्वास्थ्यकर व्यवहार भी देखने को मिला है। पिछले एक दशक से इस विषय पर शोध कर रहे विशेषज्ञ ने फिटनेस ट्रैकिंग से जुड़े पांच प्रमुख जोखिमों की पहचान की है। विशेषज्ञ के अनुसार, पहला खतरा प्रतिदिन 10,000 कदम चलने के लक्ष्य को लेकर है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य 1960 के दशक में जापान में एक पेडोमीटर के प्रचार अभियान से जुड़ा था और इसे सभी लोगों के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित मानक नहीं माना जाता। कई शोध बताते हैं कि अधिकतर वयस्कों के लिए लगभग 7,000 कदम भी पर्याप्त और अधिक व्यावहारिक हो सकते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

परिंदा जो क्रांतिवीर बना, पद्मश्री समेत मिले कई अवॉर्ड

नाना की वो फिल्में, जिन्हें आज भी लोग करते हैं याद



मुंबई। कई दशकों तक भारतीय सिनेमा पर राज करने वाले दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपने फैंस को अलविदा कह गए। अभिनेता ने मुंबई में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने साल 1978 में फिल्म 'गमन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद इन्होंने 'आज की आवाज', 'परिंदा' और 'एंगर' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्हें शुरुआत में सबसे ज्यादा पहचान फिल्म 'अग्नि साक्षी' से मिली। नाना पाटेकर उन चुनिंदा अभिनेताओं में रहे जिन्हें अभिनय के लिए तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। इसमें परिंदा के लिए सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता, क्रांतिवीर के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अग्निसाक्षी के लिए सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता। साल 2013 में उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।

मराठी फिल्मों में भी किया काम

लगभग पांच दशक लंबे अपने करियर में नाना पाटेकर ने कई तरह के रोल किए। वह सबसे कैरेक्टर आर्टिस्ट के तौर पर मशहूर थे। उन्होंने फिल्मों में खलनायक, विद्रोही, कॉमेडी और गंभीर भूमिकाएं निभाई हैं। बॉलीवुड के अलावा उन्होंने मराठी, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। मराठी में उनकी मशहूर फिल्में 'सिन्हासन', 'पक पक पकाक' और 'नटसम्राट' शामिल हैं।

परिंदा- 1989

नाना पाटेकर फिल्म 'परिंदा' उनकी सबसे कामयाब फिल्मों में से एक है। इसमें उन्होंने अन्ना नाम के एक खतरनाक और सनकीलड डॉन का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उन्हें बेहतरीन अदाकारी के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

तिरंगा- 1993

अभिनेता ने इसमें इंस्पेक्टर शिवाजीराव वाघले का किरदार निभाया था। यह किरदार बेहद दमदार और कड़क पुलिस अधिकारी का था। इसमें राज कुमार और ममता कुलकर्णी भी थे।

क्रांतिवीर- 1994

नाना पाटेकर को 'क्रांतिवीर' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए सर्वेश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। इसमें उन्होंने प्रताप नारायण तिलक का किरदार निभाया है। वह समाज में फैली भ्रष्ट व्यवस्था, सांप्रदायिक नफरत और राजनीतिक ताकतों के खिलाफ आवाज उठाते हैं।

अग्नि साक्षी- 1996

इस फिल्म में अभिनेता ने विश्वनाथ का किदार

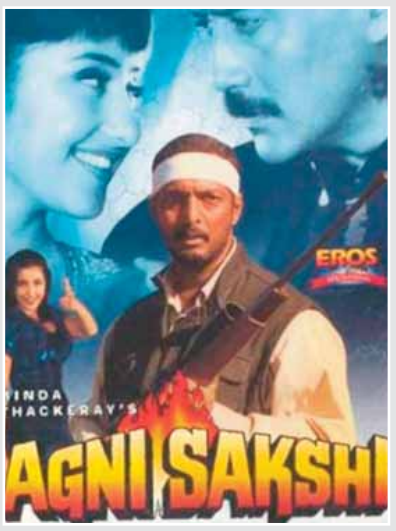

निभाया था। इसमें उन्होंने एक सनकी और हिंसक पति की भूमिका निभाई थी। इसमें मनीषा कोइराल और जैकी श्रॉफ थे। फिल्म में शानदार अभिनय करने के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया।

अब तक छप्पन- 2004

इस फिल्म में अभिनेता ने मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्क्वाड के अनुभवी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट इंस्पेक्टर साधु आगाशे का किरदार निभाया था। यह किरदार मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक से प्रेरित था।

अपहरण- 2005

नाना पाटेकर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में 'अपहरण' भी शामिल है। इसमें उन्होंने तब्रेज आलम का किरदार निभाया था। बिहार की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में अभिनेता ने एक शक्तिशाली और भ्रष्ट नेता के रूप में नजर आए थे।

वेलकम- 2007

कॉमेडी फिल्म 'वेलकम' में नाना पाटेकर ने उदय शंकर शेट्टी का किरदार निभाया था। इसमें वह एक खूंखार लेकिन मजाकिया अंडरवर्ल्ड डॉन बने थे। इसमें अक्षय कुमार, कट्रीना कैफ और परेश रावल भी थे।

राजनीति- 2010

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी फिल्म 'राजनीति' में नाना पाटेकर ने बृज गोपाल का किरदार निभाया था। वह मुख्य राजनीतिक परिवार के मार्गदर्शक और सलाहकार की भूमिका में थे। इसमें कटरीना कैफ, रणबीर कपूर और अर्जुन रामपाल भी थे।

नटसम्राट- 2016

मराठी फिल्म 'नटसम्राट' में नाना पाटेकर ने गणपतराव 'अप्पा' बेलवलकर का किरदार निभाया था। इसमें उन्होंने एक ऐसे शख्स का किरदार निभाया था जो कभी मशहूर नायक था। मगर बुढ़ापे में उन्हें परिवार की उपेक्षा और अकेलेपन का सामना करना पड़ता है।

वनवास- 2024

इस फिल्म में नाना पाटेकर ने दीपक त्यागी (प्रताप सिंघाना) नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति का किरदार निभाया था। यह किरदार भूलने की बीमारी से ग्रस्त होता है।

नाना की आखिरी फिल्म : नाना पाटकर की आखिरी फिल्म 'ओ रोमियो' थी। अभिनेता ने इसमें डीएसपी इस्माइल खान का किरदार निभाया था। उनका यह किरदार सख्त और तेजतर्रार पुलिस/इंटेलिजेंस अधिकारी का था। इसमें शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल थीं। 150 करोड़ की लागत से बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 123.10 करोड़ रुपए कमा सकी थी।

हीरो बनने के चक्कर में एक्टर मत खोना



शाहरुख खान ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर भावुक श्रद्धांजलि दी है। नाना के साथ अपनी पुरानी तस्वीर साझा करते हुए शाहरुख ने उनके साथ पहली मुलाकात से लेकर उनकी दोस्ती, सीख और साथ बिताए पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि नाना अक्सर उन्हें अभिनय को लेकर समझाते थे। उनकी सबसे यादगार बातों में से एक थी, 'हीरो बनने के चक्कर में एक्टर मत खोना।' यही लाइन शाहरुख ने अपनी श्रद्धांजलि के अंत में भी दोहराई।

मैं भगवान को मार देना चाहता हूं



नाना पाटेकर के निधन की खबर सामने आने के बाद राम गोपाल वर्मा ने एक्स पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि हर कोई जानता है कि कोई भी इंसान अमर नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि नाना जैसे मजबूत शख्स इतनी अचानक इस दुनिया से चले गए। राम गोपाल वर्मा ने अपने पोस्ट में नाना की मौत को लेकर अपनी नाराजगी और बेबसी भी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि उन्हें नाना के दिल के फेल होने से नफरत है और ऐसा महसूस हो रहा है जैसे वह उस भगवान को मार देना चाहते हैं, जिसने अभिनय के भगवान नाना पाटेकर को उनसे छीन लिया।

बहुत याद आएंगे

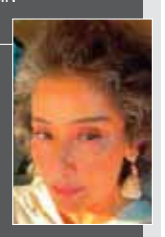

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी नाना पाटेकर को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने संदेश में केवल नाना के कलाकार के रूप में योगदान और उनकी प्रतिभा को याद किया। उन्होंने लिखा कि एक महान अभिनेता, शानदार व्यक्तित्व और अभिनय कला के सच्चे दिग्गज के निधन से वह बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा कि फिल्मों में नाना का योगदान और अभिनय के प्रति उनका समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा।

वह एक बेहतरीन अभिनेता थे



रितेश देशमुख ने लिखा, 'मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि मैं कितना सदमे में हूं। ऐसा लग रहा है जैसे किसी ट्रक ने मुझे टक्कर मार दी हो। नाना पाटेकर जी के निधन की खबर सुनकर मैं बेहद दुखी हूं। वह एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। अपनी अलग शैली और अभिनय के खास अंदाज से उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बनाई। ऐसा कोई किरदार नहीं था, जिसे वह निभा न सकें। उन्होंने हर तरह के किरदार में खुद को साबित किया- चाहे वह एक बड़े पर्दे के हीरो का किरदार हो, डरावने विलेन का या फिर अपने शांत अंदाज वाली कॉमेडी का। वह पर्दे के बाहर भी एक हीरो थे।

जब परदे पर गरजे नाना, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने डायलॉग बोलने का अंदाज भी लोगों को आता था काफी पसंद

नाना पाटेकर ने 'गमन' फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और 'ओ रोमियो' तक में काम किया। अभिनेता की सिर्फ फिल्में ही नहीं, बल्कि उनके डायलॉग्स भी काफी चर्चा में रहे। 'साला ये दुख काहे खत्म नहीं होता बे'... नाना पाटेकर सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए नहीं जाने जाते थे। बल्कि, उनके बोलने का अंदाज भी लोगों को काफी पसंद आता था। यही वजह थी कि जब वह अपनी फिल्मों में किसी डायलॉग को बोलते थे, तो वह छा जाता था। अभिनेता ने कभी गुस्से में बोलकर तालियां बटोरीं, तो कभी एक साधारण-सी बात को अपने अंदाज से ऐसा बना दिया कि वह वर्षों तक याद रही। 'क्रांतिवीर' से लेकर 'वेलकम' तक उनके संवादों ने उनके किरदारों को अलग पहचान दी। खास बात यह रही कि नाना की संवाद अदायगी में अभिनय और वास्तविकता के बीच की दूरी लगभग खत्म हो जाती थी। आइए नजर डालते हैं उनके 10 ऐसे संवादों पर, जिनका असर फिल्मों के बाहर भी दिखाई दिया।

आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने

यह शायद नाना पाटेकर के कॅरियर का सबसे पहचाना जाने वाला संवाद है। 'क्रांतिवीर' के एक सीन में बोले गए इस डायलॉग में गुस्सा, चुनौती और व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह तीनों दिखाई देते हैं। नाना की आवाज और चेहरे के भाव ने इसे महज एक फिल्मी लाइन नहीं रहने दिया। आज भी यह डायलॉग उनके नाम के साथ सबसे पहले याद किया जाता है।

ये मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून... बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा?'

अभिनेता का दूसरा डायलॉग भी फिल्म 'क्रांतिवीर' से ही है। इसका असर सिर्फ सिनेमाई नहीं था। नाना का किरदार धर्म के नाम पर होने वाली हिंसा पर सीधा सवाल खड़ा करता है। सवाल बेहद सरल था, लेकिन उसकी ताकत इसी सादगी में थी। खून का रंग एक है तो इंसानों को धर्म के नाम पर अलग क्यों किया जाए? यह संवाद आज भी 'क्रांतिवीर' के सबसे प्रभावशाली दृश्यों में गिना जाता है।

सौ में से अस्सी बेईमान फिर भी मेरा भारत महान

यह डायलॉग व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर नाना के किरदार की नाराजगी को सामने रखता है। व्यंग्य के अंदाज में कही गई यह लाइन इतनी लोकप्रिय हुई कि लंबे समय तक भ्रष्ट व्यवस्था पर टिप्पणी करते समय इसे दोहराया जाता रहा। नाना की आवाज ने इस व्यंग्य को और धार दी।

एक मच्छर साला आदमी को हिजड़ा बना देता है

'यशवंत' का यह डायलॉग नाना की आक्रामक संवाद अदायगी का बेहतरीन उदाहरण है। लाइन के शब्द भले ही तीखे हों, लेकिन इसे लोकप्रिय बनाने में नाना की प्रस्तुति का बड़ा योगदान रहा। यह उन डायलॉग में शामिल हो गया, जिनका जिक्र नाना पाटेकर के नाम के साथ आज भी तुरंत होता है।

धंधे में कोई किसी का भाई नहीं होता

'परिंदा' में नाना ने अन्ना के किरदार में अपराध की दुनिया का निर्मम चेहरा दिखाया था। यह डायलॉग उस दुनिया के उसूल को बेहद सीधे शब्दों में सामने रखता है, जहां रिश्तों से ज्यादा मायने स्वार्थ और धंधे का होता है। इस भूमिका ने नाना को हिंदी सिनेमा के सबसे प्रभावशाली नेगेटिव किरदारों में जगह दिलाई।

टीवी मसाला

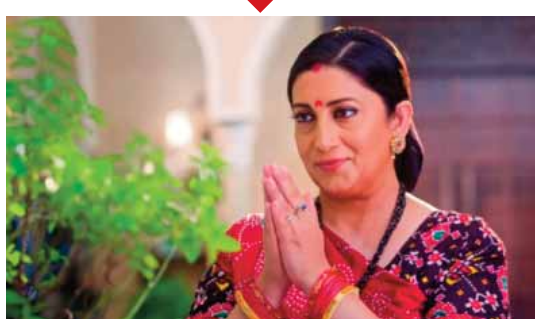

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 के स्लॉट पर आएगा अप्सरा

नई दिल्ली। स्टार प्लस के आइकॉनिक शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' के ऑफ-एयर होने की खबर सामने आते ही टीवी गलियारों में हलचल तेज हो गई थी। लेकिन, अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर वो कौन सा शो है और क्या है उसका कॉन्सेप्ट, जो तुलसी और मिहिर विरानी के इस चर्चित पारिवारिक ड्रामे को रिप्लेस करने जा रहा है? 21 अक्टूबर से रात 10:30 बजे शुरू हो रहा नया सुपरनैचुरल फैंटेसी शो 'अप्सरा'टीवी के पारंपरिक दायरे को तोड़कर दर्शकों को एक ऐसी अलौकिक दुनिया में ले जाने वाला है, जिसकी कल्पना अब तक किसी शो में नहीं की गई थी। मुक्ता धोंड के प्रोडक्शन में बने इस शो की कहानी प्राचीन पौराणिक कथा 'समुद्र मंथन'के उस अनकहे हिस्से से शुरू होती है, जहां से अमृत कलश और अप्सराओं की उत्पत्ति हुई थी। शो का प्लॉट एक बेहद हैरान कर देने वाली कल्पना पर आधारित है। कलयुग के इस दौर में भी वह दिव्य अमृत कलश धरती पर ही मौजूद है, और स्वर्गलोक ने इस अमृत को बुरी ताकतों से सुरक्षित रखने का जिम्मा अप्सराओं के कुल को सौंपा हुआ है। ये अमृत अगर किसी गलत हाथ में चला गया, तो पूरी मानव सभ्यता का विनाश निश्चित है। आमतौर पर टीवी और फिल्मों में अप्सराओं को केवल सुंदरता, मोहक अदाओं और नृत्य के लिए दिखाया जाता रहा है।लेकिन शो में लीड रोल निभा रहीं समिक्षा जायसवाल (सुनहरी) इस रूढ़िवादी छवि को पूरी तरह तोड़ती नजर आएंगी। सुनहरी कोई ऐसी अप्सरा नहीं है जो किसी राजकुमार या नायक के आने का इंतजार करे, बल्कि वह खुद अपनी लड़ाई की नायक और एक निपुण योद्धा है। लेकिन, इस लड़ाई में सबसे बड़ा मोड़ और दर्द तब आता है, जब अमृत कलश पर कब्जा करने की कोशिश करने वाली कोई और नहीं, बल्कि उसकी अपनी सगी बहन धारा (अनुष्का मर्चेंडे) बन जाती है। अपनों के प्रति प्यार और अमृत की रक्षा के कर्तव्य के बीच सुनहरी का यह अंदरूनी संघर्ष कहानी को बेहद भावुक मोड़ देता है।

स्काउट-काजी में झगड़ा, कैप्टेंसी डिबेट में मचा बवाल

नई दिल्ली। कलर्स और जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहे देश के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के घर में हर गुजरते दिन के साथ रिश्तों की उलझन और कड़वाहट नए चरम पर पहुंच रही है। जिस एपिसोड का



आगाज यंग डीएसए, लव गिल और आम्रपाली दुबे के बीच की हल्की-फुल्की हंसी-मजाक से हुआ था, वही दिन ढलते-ढलते एक भयंकर सियासी और आक्रामक अखाड़े में तब्दील हो गया। कैप्टेंसी की अगली दावेदारी हासिल करने के लिए मेकर्स ने घर के भीतर एक लाइव टेलीविजन न्यूजरूम खड़ा कर दिया, जहां मर्यादा की सीमाएं लांघी गईं और दो कंटेस्टेंट्स के बीच हाथापाई तक की नौबत आ गई। डिबेट की यह चिंगारी मंच से उतरकर सीधे लिविंग एरिया में धधक उठी। काजी के मुद्दे पर बात करते-करते गेमर स्काउट ओपी और काजी तौकीर के बीच जुबानी जंग इतनी बढ़ गई कि दोनों अपना आपा खो बैठे। गुस्सा इस कदर भड़का कि दोनों एक-दूसरे पर झपटने को तैयार हो गए और मामला सीधे तौर पर हाथापाई तक पहुंच गया।



बीएफआई लंदन... में दिखाई जाएगी पाकीजा

नई दिल्ली। 18 अक्टूबर होने वाले प्रतिष्ठित 'बीएफ़आई लंदन फ़िल्म फ़ेस्टिवल' में हिंदी सिनेमा की क्लासिक फ़िल्म 'पाकीज़ा' एक नए 4केरेस्टोरेशन के साथ बड़े पर्दे पर लौटने जा रही है। सेंट्रल लंदन के बीएफ़आई आईमैक्स में होने वाली इस ख़ास स्क्रीनिंग के सभी टिकट करीब एक महीने पहले ही पूरे बिक चुके हैं। टिकटों का 'सोल्ड आउट' होना इस बात की गवाही है कि रिलीज़ के 54 साल बाद भी 'पाकीज़ा' का जादू बरक़रार है। गुज़रा वक़्त उसकी चमक को धुंधला नहीं कर पाया। निर्देशक कमाल अमरोही की इस क्लासिक फ़िल्म का संरक्षण 'फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन' ने अमरोही परिवार के सहयोग से किया है। इस नए वर्जन का वर्ल्ड प्रीमियर फ्रांस के ल्यों में 'फेस्टिवल ल्यूमिएर' में होगा, जिसके बाद इसे 'बीएफ़आई लंदन फिल्म फ़ेस्टिवल' में दिखाया जाएगा।



बड़े पर्दे पर पहली बार बाप-बेटे की भिड़ंत

मुंबई। साउथ इंडस्ट्री से नवंबर 2026 में एक अनचाहा क्लैश देखने को मिलने वाला है। सिनेमाघरों में बाप और बेटे आपस में टकराने जा रहे हैं। एक तरफ मामूटी की फिल्म ओम होगी, वहीं दूसरी तरफ दुलकर सलमान की रोमांटिक मूवी आकासम लो ओका तारा। दोनों ही फिल्में टक्कर की लग रही हैं इस वजह से इसे आने वाले समय का एक रोचक बॉक्स ऑफिस क्लैश माना जा रहा है। साथ ही सिनेमा के इतिहास में ये दोनों बाप-बेटे भी बॉक्स ऑफिस पर पहली बार टकरा रहे हैं। अगर दोनों फिल्मों के बीच क्लैश की बात करें तो राजकुमार पेरियासामी की फिल्म ओम पहले 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने वाली थी। लेकिन रजनीकांत की जेलर 2 की रिलीज के चलते ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन किया गया है।

लौटकर आ रहा है सेनापति, कमल की इंडियन 3 का ऐलान

साउथ सिनेमा के वेटरन एक्टर के तौर पर कमल हासन को जाना जाता है। बात की जाए कमल के एक्टिंग कॅरियर की आइकॉनिक मूवीज के बारे में तो उसमें साल 1996 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म इंडियन का नाम शामिल होता है। करीब 28 साल बाद साल इंडियन का सीक्वल रिलीज किया गया। अब मेकर्स की तरफ से कमल हासन स्टारर इंडियन 3 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। साथ ही फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर भी साझा किए गए हैं।

नई दिल्ली। करीब 6 दशकों से बतौर अभिनेता कमल हासन सिनेमा जगत में एक्टिव हैं। वैसे तो उन्होंने कई यादगार फिल्में की हैं, लेकिन इंडियन फिल्म फ्रेंचाइजी सबसे खास मानी जाती है। 90 के दशक में शुरू हुई इस सुपरहिट मूवी फ्रेंचाइजी को अब मेकर्स तीसरी किस्त तक ले जाना चाहते हैं। जिसके आधार पर गुरुवार को कमल हासन की इंडियन 3 की अनाउंसमेंट की गई है। दरअसल, 8 अक्टूबर को इंडियन 3 के प्रोडेक्शन



हाउस लाइका प्रोडक्शंस की तरफ से इस मूवी फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट इंडियन 3 का आधिकारिक ऐलान किया गया है। इंडियन 3 के अलावा कमल हासन का नाम लंबे समय से निर्देशक नाग अश्विन की अपकमिंग मूवी कल्कि 2898 एडी के सीक्वल के लेकर चर्चा में बना हुआ है। बताया जा रहा है कि अगले साल 2027 में कमल की कल्कि को बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा। इस मूवी में वह यास्किन का नेगेटिव रोल प्ले करते दिखेंगे।

इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज होंगी कई बेहतरीन फिल्में और सीरीज

परिणीति उठाएंगी जनता के मुद्दे, महिलाओं की सुरक्षा करेंगी कनी

नई दिल्ली। मौसम बदल रहा है। उत्तर भारत में गर्मी से राहत मिली है। अब रातें ठंडी हो रही हैं। ऐसे में लोग घर से बाहर निकल कर घूमने-फिरने जा रहे हैं। कुछ लोग अच्छा वक्त बिताने के लिए सिनेमा का रुख कर रहे हैं। कई लोग घर पर बैठ कर मौसम का आनंद लेना चाहते हैं। इन लोगों के लिए यह वीकएंड खास होने वाला है, क्योंकि इस वीकएंड ओटीटी पर कई फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं।

रिपोर्टिंग लाइव : अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' इस वीक की ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह 09 अक्तूबर को दस्तक देगी। इसमें वे पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी और अवैध रेत खनन का पर्दाफाश करेंगी। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। परिणीति के अलावा फिल्म में देवेन भोजानी, अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन जैसे सितारे हैं।

आवारापन 2 : इमरान हाशमी अभिनीत फिल्म 'आवारापन 2' ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद इसे ओटीटी पर भी रिलीज किया गया। मगर, अब तक यह सिर्फ रेंट पर उपलब्ध थी। इसे देखने के लिए दर्शकों को जेब ढीली करनी पड़ रही थी। मगर, अब यह मासिक सब्सक्रिप्शन वाले यूजर्स के लिए भी 09 अक्टूबर से उपलब्ध रहेगी। इसे प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है।

आइज: मलयालम वेब सीरीज 'आइज' 9 अक्टूबर को सोनी लिव पर रिलीज होने वाली है। इसकी कहानी पुलिस अफसर टीना सेबेस्टियन (कनी कुसरुति) के आस-पास घूमती है। वह स्टॉकिंग के परेशान करने वाले मामलों की जांच करती हैं। इन मामलों को सुलझाने के लिए वह मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर काम करती हैं, ताकि अपराधियों की सोच को समझ सकें।



मंदादि : यह तमिल भाषा की स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। यह 10 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। अब यह फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। सूरी और सुहास अभिनीत यह फिल्म 08 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बिलो : *यह कनाडाई थ्रिलर वेब सीरीज है, जो 08 अक्तूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। जोश हार्टनेट, मैकेंजी डेविस और चार्ली हीटन अभिनीत यह सीरीज समुद्र किनारे बसे एक छोटे से शहर की कहानी पर आधारित है। शहर पर अचानक एक रहस्यमयी समुद्री जीव का आतंक शुरू हो जाता है। ऐसे में एक मछुआरा सामने आता है, जो अपने समुदाय और परिवार की सुरक्षा के लिए खतरनाक जीव से दो-दो हाथ करता है।*

टेक चार्ज ऑफ माय हार्ट : *अगर के-ड्रामा सीरीज में आपकी दिलचस्पी है तो यह सीरीज आपके लिए है। इसे 09 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे। इसकी कहानी एक बड़े कारोबारी घराने के वारिस की है, जिसके शरीर में आर्टिफिशियल हार्ट लगा है। उसकी जिंदगी में एक लड़की आती है।*

एनिमल्स : *यह एक अमेरिकी क्राइम थ्रिलर फिल्म है। बेन अफ्लेक निर्देशित 'एनिमल्स' 09 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें अफ्लेक, केरी वाशिंगटन, जिलियन एंडरसन, एड्रियाना पाज और लुइस गेराडों मेंडेज हैं। यह एक राजनीतिक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो एक मेयर पद के उम्मीदवार के इर्द-गिर्द घूमती है।*

भारत ने की निंदा, कहा- नागरिक ठिकानों को निशाना बनाना अस्वीकार्य

सऊदी एयरपोर्ट पर हूतियों का हमला, 3 की मौत, 36 घायल जवाब में सऊदी ने की यमन के 80 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक

एजेंसी ▶▶ रियाद/ नई दिल्ली

सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (जीएसीए) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है। वहीं, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है

हूतियों ने यमन में 11 मिसाइलें दागीं, 30 की मौत का दावा



सऊदी अरब के रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हूतियों का हमला

भारत ने सऊदी के साथ खड़े होने का दिया भरोसा

भारत ने गुरुवार को सऊदी अरब के अबहा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत अबहा और किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमलों की निंदा करता है। मंत्रालय के मुताबिक, इन हमलों में नागरिकों की जान गई और कई लोग घायल हुए। आम लोगों के इस्तेमाल वाले बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

विदेशी नागरिकों ने हमले में जान गंवाई

आभा एयरपोर्ट पर हमले में मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिला नागरिकों की मौत हुई। साथ ही यहां 28 लोग घायल हुए। इनमें सऊदी, बांग्लादेशी और फिलीपींस के नागरिक शामिल हैं। वहीं, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सूडानी नागरिक की मौत हुई। यहां 8 लोग घायल हुए, जिनमें 5 सऊदी नागरिक, 2 मिस्र के निवासी और एक पाकिस्तानी निवासी शामिल हैं। जीएसीए ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। साथ ही अधिकारी सुविधाओं की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

सऊदी ने यमन में मिसाइल ठिकाना नष्ट किया

इस बीच, यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है। गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मालिकी ने कहा कि यह कार्रवाई यमन की राजधानी सना में की गई। उनके मुताबिक, वहां सऊदी अरब पर एक और हमले की तैयारी चल रही थी और हमला जल्द किया जा सकता था।

बाब अल-मंदेब के पास प्रमुख रास्तों पर निशाना बनाया

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में संगठन ने यमन में सरकारी बलों के 11 ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए। सरी के मुताबिक, यमनी सरकार के बलों को बाब अल-मंदेब के पास प्रमुख रास्तों पर निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों में दर्जनों लोग हताहत हुए, जिनमें सैन्य कमांडर भी शामिल थे। कई गाड़ियां भी नष्ट हो गईं। हूती प्रवक्ता ने अलग से दावा किया कि संगठन ने सऊदी अरब के समर्थन वाले जायंट्स ब्रिगेड पर भी बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। उसके मुताबिक, इस हमले में 30 से ज्यादा लोग मारे गए या घायल हुए।

यमन में हूतियों के खिलाफ सैन्य अभियान जारी

यमन सरकार हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रही है। इसका मकसद यमन और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास कब्जाए इलाकों को वापस पाना है। 5 अक्टूबर को सऊदी समर्थित यमनी सेना ने हूतियों के खिलाफ बड़ा जवाबी अभियान शुरू किया।

जीआईसी बोला यह व्यवस्थित अपराध

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव जसीम मोहम्मद अल-बुदैवी ने भी हूती हमलों की निंदा की। उन्होंने इन्हें नागरिकों को निशाना बनाने वाले 'व्यवस्थित अपराध' बताया। नागरिक एयरपोर्ट पर हमले और यात्रियों, कर्मचारियों तथा आम लोगों की जान को खतरे में डालना तनाव को बेहद खतरनाक स्तर तक बढ़ाने वाला कदम है। हमले अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन हैं।

खबर संक्षेप

रूस का यूक्रेन पर हमला, 30 की मौत

कीव। यूक्रेन में रूसी हमलों का सिलसिला तेज होता जा रहा है। पूर्वी यूक्रेन में रूसी हमलों में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 18 लोग घायल हुए हैं। इन हमलों में एक बस को भी निशाना बनाया गया। इस बीच राजधानी कीव में बिजली का संकट और गहरा गया है। यूक्रेन में सर्दियों से पहले रूस के हमले लगातार तेज हो रहे हैं। डोनेत्स्क इलाके के सैन्य प्रशासन प्रमुख वादिम फिलाश्किन ने बताया कि क्रामाटोर्स्क और उसके पड़ोसी शहर स्लोवियांस्क में सुरक्षा हालात तेजी से बिगड़ने के कारण पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोक दिया गया है।



पुंछ में मिली लैंडमाइन सुरक्षित ढंग से नष्ट की

पुंछ। भारतीय सेना ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सब डिविजन में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास एक लैंडमाइन का पता लगाया, जिसे बाद में सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया। बालाकोट के फॉरवर्ड एरिया में रूटीन पेट्रोलिंग के दौरान इस लैंडमाइन का पता चला और बाद में बम डिस्पोजल टीम ने इसे नष्ट कर दिया। घुसपैठ रोकने के सिस्टम के तहत फॉरवर्ड एरिया में कई जगहों पर लैंडमाइन बिछाई जाती हैं। कभी-कभी बारिश में ये बह जाती हैं और बाद में किसी भी अनहोनी घटना से बचने के लिए इन्हें ढूंढकर नष्ट कर दिया जाता है।



ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के नाम पर ट्रंप प्रशासन ने रखा नया प्रस्ताव

अमेरिका में पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की मंजूरी के लिए देना होंगे 68 लाख रुपए

भारत-चीन के छात्रों पर सबसे ज्यादा असर



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारत और चीन के छात्रों पर पड़ेगा। 2024-25 के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में भारत के करीब 3.63 लाख और चीन के करीब 2.66 लाख छात्र पढ़ रहे थे। यानी दोनों देशों के करीब 6.3 लाख छात्र अमेरिका में हैं

अमेरिका में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के लिए पढ़ाई के बाद नौकरी करना महंगा हो सकता है। ट्रंप सरकार ने हर नए छात्र के लिए 70 हजार डॉलर यानी करीब 68 लाख फीस लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह फीस ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) के लिए रखी गई है।

इसके तहत विदेशी छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में नौकरी करने की अनुमति मिलती है। फीस छात्र को नहीं, बल्कि उसके कॉलेज या यूनिवर्सिटी को देनी होगी। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारत और चीन के छात्रों पर पड़ेगा। 2024-25 के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में भारत के करीब 3.63 लाख और चीन के करीब 2.66 लाख छात्र पढ़ रहे थे। यानी दोनों देशों के करीब 6.3 लाख छात्र अमेरिका में हैं। इनमें से कई छात्र पढ़ाई पूरी करने के बाद ओपीटी के जरिए अमेरिका में नौकरी करते हैं।

ओपीटी को हर बार रिन्यू कराने पर देना होंगे 29 लाख रुपए

यह शुल्क कॉलेज और यूनिवर्सिटी कंपनी को देंगे

प्रस्ताव पर लोगों और संस्थानों को राय देने के लिए 2 माह का समय

कॉलेजों और यूनिवर्सिटी पर बढ़ेगा खर्च

पढ़ाई से जुड़े काम का अनुभव लेने का अवसर पर पड़ेगा असर

ओपीटी यानी ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के तहत विदेशी छात्र अपनी पढ़ाई से जुड़े काम का अनुभव ले सकते हैं। आमतौर पर पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें एक साल तक नौकरी करने की अनुमति मिलती है। स्टेम के छात्रों को दो साल और काम करने की अनुमति मिल सकती है। प्रस्ताव के मुताबिक, किसी छात्र के ओपीटी के लिए पहली बार आवेदन करने पर उसके कॉलेज या यूनिवर्सिटी को 70 हजार डॉलर यानी करीब 68 लाख देने होंगे। अगर छात्र ओपीटी को आगे बढ़ाता है तो हर बार रिन्यू कराने पर 30 हजार डॉलर यानी करीब 29 लाख फीस देनी होगी। यह पैसा सीधे छात्र से नहीं लिया जाएगा। लेकिन इतनी बड़ी फीस के कारण कॉलेजों और यूनिवर्सिटी पर विदेशी छात्रों को ओपीटी की सुविधा देने का खर्च काफी बढ़ जाएगा।

एनएएफएसए ने किया प्रस्ताव का विरोध

अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े संगठन एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल एजुकेटर्स (पूर्व नाम नेशनल एसोसिएशन ऑफ फॉरेन स्टूडेंट एडवाइजर्स-एनएएफएसए) ने प्रस्ताव का विरोध किया है। संगठन का कहना है कि विदेशी छात्रों को अमेरिका से दूर करने से देश के इनोवेशन और आर्थिक विकास को नुकसान हो सकता है। ओपीटी के जरिए विदेशी छात्रों को अमेरिका में काम का अनुभव मिलता है। टेक कंपनियां और दूसरी कंपनियां ऐसे छात्रों को खासकर स्टेम से जुड़े कामों में नौकरी देती हैं।

धोखाधड़ी रोकने उठाया कदम

अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) का कहना है कि ओपीटी कार्यक्रम में धोखाधड़ी और गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। विभाग ने आरोप लगाया कि इस कार्यक्रम का इस्तेमाल सस्ते विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका लाने के लिए किया जा रहा है। अभी यह सिर्फ प्रस्ताव है। इस पर लोगों और संस्थानों को अपनी राय देने के लिए 60 दिन का समय मिलेगा। इसके बाद सरकार इसे अंतिम रूप दे सकती है।

मोदी-ट्रंप रिश्तों की तारीफ

व्हाइट हाउस ने भारत को बताया अमेरिका का सबसे मजबूत सहयोगी

अमेरिका ने भारत को अपने सबसे मजबूत सहयोगियों में शामिल करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यक्तिगत संबंधों को दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण बताया है। व्हाइट हाउस का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पीएम नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जनसेवा के 25 वर्ष पूरे किए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के संबंधों को और मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बुधवार को कहा कि भारत अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह प्रतिक्रिया पीएम नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके संबंधों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में सामने आई। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और कुछ नीतिगत मुद्दों पर मतभेदों के बावजूद दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए संवाद बनाए हुए हैं।



एना केली, प्रवक्ता

एलन मस्क को सरकार की दो टूक

दूरसंचार सेवाओं में निष्पक्ष व भेदभावरहित मंजूरी व्यवस्था लागू

मस्क का आरोप- स्टारलिंक को 'कुछ बड़े कारोबारी समूहों' द्वारा रोका जा रहा



एलन मस्क

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने अरबपति एलन मस्क के उस सोशल मीडिया पोस्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भारत में सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए नियामकीय ढांचे को 'भेदभावपूर्ण तरीके' से लागू किया जा रहा है।

संचार मंत्रालय ने स्पेसएक्स के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क के इस दावे को 'बेबुनियाद और गलत धारणा पर आधारित' बताया कि भारत में स्टारलिंक को 'कुछ बड़े कारोबारी समूहों' द्वारा रोका जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने सैटेलाइट संचार सेवाओं समेत सभी दूरसंचार सेवाओं के लिए निष्पक्ष और भेदभावरहित मंजूरी व्यवस्था लागू की है।

सुरक्षा आकलन की प्रक्रिया जारी

मंत्रालय के अनुसार, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपलब्ध कराई जा रही सेवाएं उपयोगकर्ताओं और उनके डेटा की सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करें। तीनों लाइसेंसधारियों के मामले में सुरक्षा आकलन की प्रक्रिया फिलहाल जारी है। सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी लाइसेंसधारी का सुरक्षा आकलन पूरा होने के बाद वह स्पेक्ट्रम आवंटन के अगले चरण के लिए आवेदन कर सकता है।

बांग्लादेश में स्टारलिंक मोबाइल सेवा शुरू

एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने बांग्लादेश में अपनी मोबाइल सर्विस शुरू कर दी है। बांग्लादेश में स्टारलिंक मोबाइल को स्थानीय टेलीकॉम कंपनी बांग्लालिंक के साथ मिलकर लॉन्च किया गया है। इस सर्विस के लिए अलग सैटेलाइट डिश की जरूरत नहीं होगी। 4जी फोन सीधे स्टारलिंक के सैटेलाइट से जुड़कर मोबाइल टावर की पहुंच से बाहर भी कनेक्टेड रह सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इससे लाखों यूजर्स ऐसे इलाकों में भी मैसेज भेज सकेंगे और लोकेशन शेयर कर सकेंगे।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत ने गिनाई उपलब्धियां

लक्ष्य से पांच साल पहले हासिल की 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोत क्षमता

एजेंसी ▶▶ मनीला

केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने गुरुवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित 20वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) की ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और सुरक्षित, सशक्त, किफायती तथा टिकाऊ ऊर्जा भविष्य के निर्माण के प्रति भारत की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि भारत ने अपने 2030 के राष्ट्रीय स्तर



श्रीपद येसो नाइक संबोधित करते हुए

पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के लक्ष्य से पांच साल पहले ही जून 2025 में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से संचयी स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता का 50% हासिल कर लिया था। उन्होंने इसे स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण की दिशा में देश की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

आसियान के साथ ऊर्जा साझेदारी

नाइक ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति और आसियान के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी का उल्लेख करते हुए ऊर्जा सहयोग के लिए आसियान कार्य योजना 2026-2030 का स्वागत किया। उन्होंने आसियान पावर ग्रिड, क्षेत्रीय विद्युत पारेषण, बहुपक्षीय बिजली व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने 400 पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के माध्यम से आसियान पावर ग्रिड पहल को समर्थन देने की घोषणा की थी।

आईसीजी का सारेक्स-2026 आयोजन

30 देशों के साथ समुद्री बचाव अभियान और क्षमता का प्रदर्शन



अभ्यास करते भारतीय तटरक्षक बल

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

भारतीय तटरक्षक बल ने गुरुवार को ओडिशा के पारादीप के पास राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव बोर्ड (एनएमएसएआरबी) की देखरेख में 12वें राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव अभ्यास (सारेक्स-2026) का आयोजन किया। 'खोज एवं बचाव तैयारियों तथा समुद्री सुरक्षा को विस्तृत करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग' विषय पर आयोजित इस अभ्यास में समुद्री और हवाई एजेंसियों ने भाग लिया।

इसका उद्देश्य समुद्र में बड़े पैमाने पर बचाव अभियानों के लिए परिचालन तैयारियों, आपसी समन्वय और संयुक्त कार्रवाई क्षमता का प्रदर्शन करना था। इस अभ्यास का अवलोकन भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने किया।

शिंजो आबे की पत्नी से पीएम मोदी की मुलाकात



शिजों प्रिय मित्र और दूरदर्शी नेता थे : मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से मुलाकात की और उनके साथ अपने संबंधों को लेकर बात कही। उन्होंने कहा कि अकी आबे का भारत के साथ जुड़ाव लगातार बना हुआ है। पीएम मोदी ने शिंजो आबे को अपना प्रिय मित्र और दूरदर्शी नेता बताया। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें अकी आबे से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने शिंजो आबे को याद करते हुए कहा कि वह भारत के प्रिय मित्र थे और उन्होंने भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीएम मोदी ने शिंजो आबे को एक दूरदर्शी नेता बताया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के संबंधों को मजबूत करने में आबे की भूमिका निर्णायक रही। उनके अनुसार, आबे ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पीएम मोदी ने अपने संदेश में शिंजो आबे के साथ अपनी मित्रता को भी याद किया और उनके योगदान को भारत-जापान दोस्ती से जोड़कर देखा।

सीआईआई पार्टनरशिप समिट में गोयल बोले

एफटीए में अपने हितों का रखा ध्यान, निर्यात के अवसर खोले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यहां 31वें सीआईआई पार्टनरशिप समिट के पूर्वावलोकन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत द्वारा किए गए प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और अन्य समझौते संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से भारतीय कृषि, मत्स्य पालन और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की रक्षा करते हैं। साथ ही कृषि उत्पादों, मत्स्य पालन और समुद्री उत्पादों, उच्च परिशुद्धता वाली वस्तुओं, इंजीनियरिंग उत्पादों



पीयूष गोयल और सीएम नायडू

और एमएसएमई द्वारा निर्मित इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात के अवसर खोलते हैं।

ये समझौते देशों और कंपनियों के लिए भारत में निवेश करने और विश्व के सबसे बड़े बाजार के विकास में भाग लेने के अवसर भी खोलते हैं।

बड़ी बिल्ली प्रजाति के 7 वन्यजीवों और उनके आवास के संरक्षण से जुड़ा घाना

भारत के नेतृत्व वाले 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' में हुआ शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

घाना ने भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को भारत के नेतृत्व वाले 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीएम) में शामिल होने के लिए 'स्वीकृति पत्र' प्रदान किया है और इसी के साथ यह पश्चिम अफ्रीकी देश इस गठबंधन का औपचारिक रूप से सदस्य बन गया है। जयशंकर तीन अफ्रीकी देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में मंगलवार को घाना पहुंचे थे। इस यात्रा में कोट डी आइवर और इथियोपिया भी शामिल हैं। घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुदजेटो

■ घाना ने भारत को सौंपा स्वीकृति पत्र



जयशंकर और सैमुअल अबलाकवा

अबलाकवा ने बुधवार को द्विपक्षीय बातचीत के दौरान जयशंकर को यह स्वीकृति पत्र सौंपा। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें घाना के विदेश मंत्री से 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' में शामिल होने का स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है।

एक अंतरसरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है आईबीसीए

आईबीसीए संधि पर आधारित एक अंतरसरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा समेत बड़ी बिल्ली प्रजाति के सात वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण पर केंद्रित है। भारत ने 9 अप्रैल, 2023 को 'प्रोजेक्ट टाइगर' की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में इस गठबंधन की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य बिग कैट प्रजाति के वन्यजीवों के संरक्षण के लिए विभिन्न देशों और अन्य संबंधित पक्षों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना तथा संरक्षण के तरीकों, विशेषज्ञता और तकनीकी जानकारी के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है।

कोटे डी आइवर में जयशंकर बोले

अफ्रीका के साथ विकास साझेदारी हमेशा महत्वपूर्ण रही

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि अफ्रीका के साथ भारत के जुड़ाव में विकास साझेदारी हमेशा से अहम रही है और भारत की सहयोग नीति अपने अफ्रीकी साझेदार देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं पर आधारित रही है। कोटे डी आइवर में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के पूर्व प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने के साथ ही साझेदार देशों से भी सीखता है। भारत का प्रयास रहा है कि उसके सहयोग से अफ्रीकी साझेदारों की वास्तविक जरूरतों और प्राथमिकताओं को पूरा किया जा सके।



क्षमता निर्माण में आईटीईसी की अहम भूमिका

विदेश मंत्री ने कहा कि आईटीईसी के जरिए भारत विकास, सुरक्षा और शासन से जुड़े अपने अनुभव तथा बेहतर कामकाजी तरीकों को साझेदार देशों के साथ साझा करता है। इसके साथ ही तकनीक और विशेषज्ञता के क्षेत्रों में भी सहयोग को बढ़ावा दिया जाता है। आईटीईसी केवल भारत के अनुभव दूसरे देशों तक पहुंचाने का माध्यम नहीं है। भारत भी साझेदार देशों से आने वाले प्रतिभागियों के अनुभवों से सीखता है।

खबर संक्षेप

जेएसडब्ल्यू की नागौर में नई ग्राइंडिंग यूनिट शुरू

मुंबई। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने राजस्थान के नागौर में 1.00 एमटीपीए क्षमता वाली अतिरिक्त सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट शुरू की है। इसके साथ कंपनी की कुल स्थापित सीमेंट ग्राइंडिंग क्षमता बढ़कर 25.10 एमटीपीए हो गई है। वहीं कुल क्लिंकर उत्पादन क्षमता 9.74 एमटीपीए हो गई है।कंपनी ने मार्च 2026 में नागौर इंटीग्रेटेड प्लांट के साथ उत्तर भारत में परिचालन शुरू किया था। प्लांट में पहले से 3.30 एमटीपीए क्लिंकर और 2.50 एमटीपीए सीमेंट ग्राइंडिंग क्षमता थी।

राजकुमार बने रनर के ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। खेल और एथलीजर फुटवियर ब्रांड 'रनर' ने अभिनेता राजकुमार राव को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। लहर फुटवियर्स लिमिटेड के 'हाउस ऑफ लहर' का यह ब्रांड देशभर में अपने कारोबार और बाजार पहुंच का विस्तार कर रहा है। राजकुमार राव आगामी विज्ञापन अभियानों में ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे डिजिटल मीडिया, ई-कॉमर्स, रिटेल स्टोर्स, प्रिंट और आउटडोर विज्ञापनों में नजर आएंगे। कंपनी ने कहा कि अभिनेता की मेहनत और अलग पहचान रनर के 'पावर इन एवरी स्टेप' विचार से मेल खाती है।

आदर्श परीक्षा केंद्र ने लांच की एआई ब्रांड फिल्म

नई दिल्ली। आदर्श परीक्षा केंद्र (एपीके) ने पूर्ण पैमाने पर संचालन का एक वर्ष पूरा होने पर अपनी पहली एआई ब्रांड फिल्म 'हर परीक्षा के पीछे एक सपना है'लांच की। फिल्म में अभ्यर्थियों की भावनात्मक यात्रा और परीक्षा के दौरान बेहतर वातावरण की जरूरत को दर्शाया गया है। कंपनी के अनुसार भारत में कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट के लिए पर्याप्त और समान स्तर की आधारभूत सुविधाओं की कमी है। एपीके अब पांच नए शहरों में विस्तार की योजना बना रहा है ।

जेईई की तैयारी के लिए छह स्तंभों पर आधारित नया परफॉर्मेंस सिस्टम

इंजी.विद्यार्थियों के लिए 'आकाश इनविक्टस इंजीनियरिंग 2.0' लांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए 'आकाश इनविक्टस इंजीनियरिंग 2.0' लांच किया है। कंपनी के मुताबिक यह नया परफॉर्मेंस आधारित अकादमिक सिस्टम जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड, बीआईटीएसएटी और विभिन्न राज्यों की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर चंद्र शेखर रेड्डी गरिसा ने कहा कि इनविक्टस इंजीनियरिंग 2.0 को संस्थान के अनुभवी शिक्षकों और अकादमिक विशेषज्ञों ने तैयार किया है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रम, स्टडी मटेरियल, किताबों और टेस्टिंग सिस्टम को नए सिरे से डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि इनविक्टस को पहले चुनिंदा केंद्रों पर लागू किया गया था और जेईई 2026 के परिणामों के बाद इसे देशभर में विस्तार देने का निर्णय लिया गया। अब यह सिस्टम भारत में आकाश की सभी शाखाओं के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इसकी शुरुआत मौजूदा विद्यार्थियों से होगी और इसके बाद नए विद्यार्थियों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर लांच के साथ आकाश इनविक्टस के तहत ऐस, अचीवर, एक्सेलेरेटर और एपेक्स नाम से चार विशेष बैच भी पेश किए गए हैं।

संस्थान के अनुभवी शिक्षकों और अकादमिक विशेषज्ञों ने तैयार किया



सभी आकाश शाखाओं में होगा रोलआउट

इनविक्टस इंजीनियरिंग 2.0 का रोलआउट देशभर में आकाश की सभी शाखाओं में तत्काल प्रभाव से शुरू किया जा रहा है। मौजूदा विद्यार्थियों को पहले इस सिस्टम में शामिल किया जाएगा, जबकि इसके बाद नए विद्यार्थियों को भी इनविक्टस इकोसिस्टम का हिस्सा बनाया जाएगा।कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों को जानकारी देने के लिए विभिन्न शाखाओं में ओरिएंटेशन सेशन भी आयोजित किए जा रहे हैं। कंपनी का लक्ष्य इस नए अकादमिक सिस्टम के माध्यम से जेईई और अन्य इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को अधिक संरचित तैयारी उपलब्ध कराना है।

छह प्रमुख स्तंभों पर आधारित तैयारी

परिणाम-केंद्रित अकादमिक दृष्टिकोण: कक्षाओं, प्रैक्टिस सेशन और रिवीजन को जेईई एडवांस्ड, जेईई मेन, बीआईटीएसएटी और अन्य इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लक्ष्य के साथ तैयार किया गया है।

रैंक-प्रमाणित फैकल्टी टीम: अनुभवी शिक्षकों की टीम ने कार्यक्रम के पाठ्यक्रम, स्टडी मटेरियल और टेस्टिंग सिस्टम को विकसित किया है।

शोध आधारित स्टडी मटेरियल: लर्निंग साइंस और परीक्षा पैटर्न पर किए गए शोध के आधार पर किताबों और अध्ययन सामग्री को नए सिरे से तैयार किया गया है। विद्यार्थियों को बेसिक कॉन्सेप्ट से लेकर कठिन स्तर के प्रश्नों तक क्रमबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

स्मार्ट टेस्टिंग और विश्लेषण: टेस्ट की आवृत्ति और कठिनाई स्तर को नए तरीके से तैयार किया गया है। पविद्यार्थियों को उनकी ताकत, कमजोरियों और सुधार की जरूरत वाले क्षेत्रों का विश्लेषण उपलब्ध कराया जाएगा।

ट्रांसपेरेंट ग्रोथ मैप: विद्यार्थियों की मौजूदा स्थिति और लक्ष्य के बीच प्रगति को समझने के लिए स्पष्ट ग्रोथ मैप उपलब्ध कराया जाएगा।

कक्षा के बाहर मेंटरशिप: जोसा काउंसलिंग, डाउट सपोर्ट और अन्य शैक्षणिक मार्गदर्शन के जरिए विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर भी लगातार सहायता देने की व्यवस्था की गई है।

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने मप्र में 26वीं शाखा खोली

विदिशा। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में अपनी पहुंच बढ़ाते हुए विदिशा में नई शाखा शुरू की है। इसके साथ राज्य में कंपनी की कुल शाखाओं की संख्या 26 हो गई है। कंपनी के अनुसार, विदिशा में बढ़ती आवासीय मांग और बेहतर होती कनेक्टिविटी को देखते हुए यह विस्तार किया गया है। कंपनी ने बताया कि प्रस्तावित भोपाल-विदिशा फोरलेन सड़क, उत्तरी बाईपास और एकीकृत रिंग रोड जैसी बुनियादी ढांचा रियोजनाओं से क्षेत्र के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। कंपनी वेतनभोगी, पेशेवर और कारोबारी ग्राहकों को भी ऋण उपलब्ध कराती है और 31 अक्टूबर 2026 तक शून्य लॉगिन शुल्क और 50 लाख रुपए तक के ऋण की मौके पर मंजूरी का दावा कर रही है।



सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

रेलवे भर्ती सेल

रेलवे भर्ती सेल पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर वर्ष 2026–27 के लिए स्काउट–गाइड कोटा के अंतर्गत भर्ती

रोजगार सूचना सं० एनईआर/आरआरसी/एसजी/2026–27 दिनांक: 06.10.2026

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि व समय	07.10.2026 को 11:00 बजे
ऑनलाइन आवेदन समाप्त होने की तिथि व समय	06.11.2026 को 18:00 बजे

वर्ष 2026–27 के लिए स्काउट–गाइड कोटा के अंतर्गत लेवल–2 (ग्रेड पे–1900) में ग्रुप 'सी' के 03 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे–02 पदों एवं बीएलडब्ल्यू/वाराणसी–01 पद) तथा लेवल–1 (ग्रेड पे–1800) में पूर्ववर्ती ग्रुप 'डी' के 08 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर, लखनऊ एवं वाराणसी मण्डलों तथा बीएलडब्ल्यू/ वाराणसी, प्रत्येक में 02 पदों) के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत सूचना के लिए पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in देखें।

अध्यक्ष,
मुजाधि/आरआरसी–01 — रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कृषि उपज मण्डी समिति जबलपुर

दमोह नाका, मनमोहन नगर, जिला जबलपुर (म.प्र.)

ई-मेल- mpapmcjabalpur@gmail.com दूरभाष क्र.- 0761-2648830, 4031091

क्र./मंडी/तौलकांटा/2026-27/N-418 जबलपुर, दिनांक: 08/10/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति जबलपुर "अ" मण्डी द्वारा ई-टेण्डरिंग प्रणाली के माध्यम से कृषि उपज मण्डी समिति जबलपुर में पूर्व से लगे 57 नग एवं अतिरिक्त फल सब्जी मण्डी प्रांगण ग्राम औरिया / करमेता में पूर्व से लगे 20 नग सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के वार्षिक मरम्मत एवं रख-रखाव (ए.एम.सी.) कार्य हेतु निविदा सिस्टम क्रमांक - 2026_MPSAM_541475_1 एवं निविदा सिस्टम क्रमांक-2026_MPSAM_541936_1 के अंतर्गत ऑनलाईन निविदाएं दिनांक 29/10/2026 को सायं 03:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई - निविदा के पोर्टल https://mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मण्डी बोर्ड के पोर्टल www.mpmandiboard.co.in पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट :- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी ।

सचिव,
कृषि उपज मण्डी समिति,
जबलपुर (म.प्र.)

वी बिजनेस और हिंडाल्को में हुई साझेदारी

एजेंसी ▶▶ ग्वालियर

वी की उद्यम शाखा वी बिजनेस ने एल्युमीनियम और तांबा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इसके तहत ओडिशा के रायगढ़ा जिले में स्थित हिंडाल्को की बाफलीमाली बॉक्साइट खदान में निजी नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। यह हिंडाल्को का पहला निजी नेटवर्क कार्यान्वयन होगा। यह नेटवर्क खदान में सुरक्षित और भरोसेमंद संपर्क व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ डिजिटल खनन को बढ़ावा देगा। इसमें स्पेक्ट्रम, मुख्य नेटवर्क, रेडियो एक्सेस नेटवर्क और प्रबंधित सेवाएं शामिल होंगी। वी बिजनेस के मुख्य उद्यम व्यवसाय अधिकारी एमपी सुनील कुमार ने कहा कि साझेदारी सुरक्षित और उच्च प्रदर्शन वाली संपर्क व्यवस्था के माध्यम से बुद्धिमान खनन को सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हिंडाल्को के एल्युमीनियम अपस्ट्रीम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश पांडे ने कहा कि निजी नेटवर्क कंपनी के सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक कुशल खनन संचालन के दृष्टिकोण को मजबूत करेगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

N.I.T. NO./PWD/e-tendring/PRO/654 // निविदा सूचना // Date- 07/10/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से ऑनलाईन निवदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_541339_3 07/10/2026	सं.क्रं.-03 रामपुर अंतर्गत ग्वारीघाट में झंडा चौक के पास आश्रय स्थल में वॉटर प्यूरिफिंग व रेनवाटर हार्वेस्टिंग का कार्य	03 माह रू 07.35 लाख	रू 2000/- रू 7352/-	21/10/2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा ।पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम
जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्रमांक 336/लोनिवि/निर्माण/2026-27 **निविदा आमंत्रण सूचना** कटनी, दिनांक:- 28/09/2026

मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना (चतुर्थ चरण) के निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में तहत पंजीकृत फर्मा से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। समस्त शर्तें एवं जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में किसी भी कार्यालीन कार्य दिवस में अथवा वेबसाइट https:www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकती है ।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_539073_1	Sqaure Development and Beautification wrok	180 दिवस रू 235.73 लाख	1-Rs. 15,000/- 2- Rs. 1,17,865/-	28/10/2026

नोट :- निविदा संबंधी समस्त संशोधन सिर्फ ऑनलाईन अपलोड किये जावेंगे, समाचार पत्रों में नहीं।

कार्यपालक यंत्री
वास्ते - आयुक्त
नगर पालिक निगम, कटनी

गारंटीड रिटर्न का दावा करने वालों से रहें सतर्क : एनएसई

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ने सामाजिक माध्यमों और संदेश प्रसारित करने वाले मंचों के जरिए शेयर बाजार में निवेश संबंधी सलाह देने वाले कुछ लोगों और माध्यमों से निवेशकों को सावधान किया है। राष्ट्रीय शेयर बाजार के अनुसार 'एक्स' पर एमिली फोस्टर नाम से संचालित खाते, एस्ट्रो एमिली नामक मोबाइल अनुप्रयोग और वेबसाइट के जरिए शेयर बाजार में निवेश संबंधी सुझाव दिए जा रहे हैं। इसके अलावा गुलकेश नामक व्यक्ति टेलीग्राम पर ‹\@›officialaadityasir नामक खाते के माध्यम से निवेशकों से रकम जुटाने, शेयर बाजार में निवेश संबंधी सुझाव देने तथा निश्चित और गारंटीशुदा लाभ का दावा कर रहा है। साथ ही निवेशकों से उनके खाता क्रमांक और गुप्त शब्द साझा करने को कहा जा रहा है। राष्ट्रीय शेयर बाजार ने निवेशकों को सलाह दी है कि निश्चित या गारंटीशुदा लाभ का दावा करने वाली किसी भी योजना में निवेश न करें। अपना खाता क्रमांक, गुप्त शब्द अथवा अन्य व्यापार संबंधी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें। किसी दलाल या अधिकृत व्यक्ति की वैधता राष्ट्रीय शेयर बाजार की 'अपने शेयर दलाल को जानें' सुविधा से जांची जा सकती है। उल्लेखित माध्यमों का राष्ट्रीय शेयर बाजार से कोई संबंध नहीं है।



पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई-निविदा आमंत्रित करते है। **(1) निविदा सूचना क्रमांक:** जबल-एन-सिंग.-टेण्डर-2026-38 **कार्य का नाम व लोकेशन सहित:** पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में संकेत एवं दूरसंचार (S&T) प्रतिष्ठानों में एस्पिरेशन प्रकार प्रणाली के साथ अग्नि अलार्म प्रणाली का संवर्धन/विस्तार। **निविदा की अनुमानित मूल्य:** ₹44134915/- **निविदा फॉर्म की कीमत:** ₹00/- **कार्यालय का पता:** मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर **बयाना राशि:** ₹882700/- **समापन अवधि:** 11 माह **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक 27.10.2026 को 15.00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट "https//ireps.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन की जा सकती है।

(हस्ता.)
मण्डल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार),
प.म.रे.,जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर

Accredited "B" By NAAC
http://www.mp.gov.in/highereducation/gmaccjabalpur
Principal 0761-6544162 E-mail govmacc1836@rediff.com Phone No./Fax No. 0761-2678195

क्रमांक / /2026 जबलपुर, दिनांक...

// पुस्तक क्रय हेतु निविदा आमंत्रण //

महाविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथालय में सत्र 2026-27 के लिए पुस्तके क्रय करने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। पुस्तकों के प्रदाय हेतु प्रदत्त छूट दर, नियम व शर्तों को स्पष्ट विवरण सहित निर्धारित प्रारूप में निविदा के प्रकाशित होने के 21 दिवस के भीतर कार्यालयीन समय में पंजीकृत डाक के माध्यम से महाविद्यालय को प्रेषित करें। विलम्ब से प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। सील बन्द लिफाफे पर बड़े अक्षरों में "पुस्तक प्रदाय हेतु निविदा सत्र 2026-27 " का उल्लेख अवश्य करें। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए QR code को स्कैन करें।

प्राचार्य,
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
शास. महाकोशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा

मुख्य अभियंता (क्रय)/ मुख्या पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु CPC-C-BPL-09, दिनांक: 29.09.2026 के द्वारा आमंत्रित करते है। निविदाएँ बन्द होने की तारीख 14/12/2026 एवं समय 15:00 बजे तक है। निविदाकर्ता अपनी मूल/संशोधित निविदा बंद होने के दिनांक एवं समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उपरोक्त निविदा में हस्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होंगी तथा हस्त निविदाओं को उपेक्षित कर दिया जाएगा। निविदाएं पूर्व उल्लेखित समय एवं दिनांक पर खोली जाएगी। **(1) निविदा क्रमांक:** CPC-C-BPL-09 **कार्य का नाम लोकेशन सहित: पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य में इटारसी-बीना चौथी बड़ी लाइन परियोजना के संबंध में इटारसी (कि.मी. 745.130) से बीना (कि.मी. 982.130) तक चौथी बड़ी लाइन का निर्माण, जिसमें मिट्टी कार्य, सुरंगें, पुल, रोड ओवर ब्रिज (ROB), रोड अंडर ब्रिज (RUB), स्टेशन भवन, ट्रैक कार्य, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग एवं दूरसंचार कार्य तथा अन्य संबद्ध विविध कार्य शामिल हैं। निविदा की अनुमानित मूल्य:** ₹34406310221.38/- **निविदा फॉर्म की कीमत:** ₹ 0.00 **बयाना राशि:** ₹ 688126200/- **कार्य समापन अवधि (माह):** 1095 दिन **ई-निविदा बंद होने की और खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 14/12/2026 को 15.00 बजे बंद एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई.आर.ई.पी.एस. के माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन निविदा करें। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है, कि वे समय-समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु IREPS की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखते रहें। न्यूनतम पात्रता मानदंड टेन्डर फार्म के अनुसार इन निविदाओं के लिए लागू होगा।

(हस्ता.)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (क्रय), प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

खंड -1 ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्य प्रदेश शासन
कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल जबलपुर मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 2690/ई-टेंडरिंग /2025-26 दिनांक 09/10 /2026

1. वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल जबलपुर म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं लेखा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	स्टेशनरी सामग्री का विवरण	Specification	इकाई	अनुमानित मात्रा	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	2	3	4	5	6	7
क्रं.	कार्यालय में उपयोग की जाने वाली स्टेशनरी (BoQ तथा पोर्टल में अपलोड सूची में में उल्लेखित ।)	कार्यालय में उपयोग की जाने वाली स्टेशनरी (BoQ तथा पोर्टल अपलोड सूची उल्लेखित ।)	Nos	-	20000.00	1000.00

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किये जा सकते है।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 09/10/26 बजे 10:00 AM से दिनांक 29/10/26 बजे 06:00 PMतक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
- निविदा पूर्व बैठक दिनांक .... समय .... को सामान्य वनमंडल जबलपुर कार्यालय में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि भाग ले सकते है। निविदा पूर्व बैठक में भाग लेना अनिवार्य होगा। ऐसे निविदाकार जो निविदा पूर्व बैठक में भाग नही लेते है एवं ऑनलाईन निविदा भरते है, तो ऐसे निविदाकार की निविदा रिजेक्ट कर दी जायेगी।
- निविदा से संबंधित समय सारणी ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in/ पोर्टल में देखी जा सकती है।
- ई- निविदा आमंत्रण सूचना में शुध्दिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रो में नहीं ।
- टीप - उपरोक्त तिथि अनुमानित है कार्य सुविधा अनुसार तिथि में परिवर्तन किया जा सकेगा।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल :https://www.mptenders.gov.in/

G-19676/26

'वनमंडलाधिकारी
सामान्य वनमंडल जबलपुर

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

शब्द पहेली - 6372

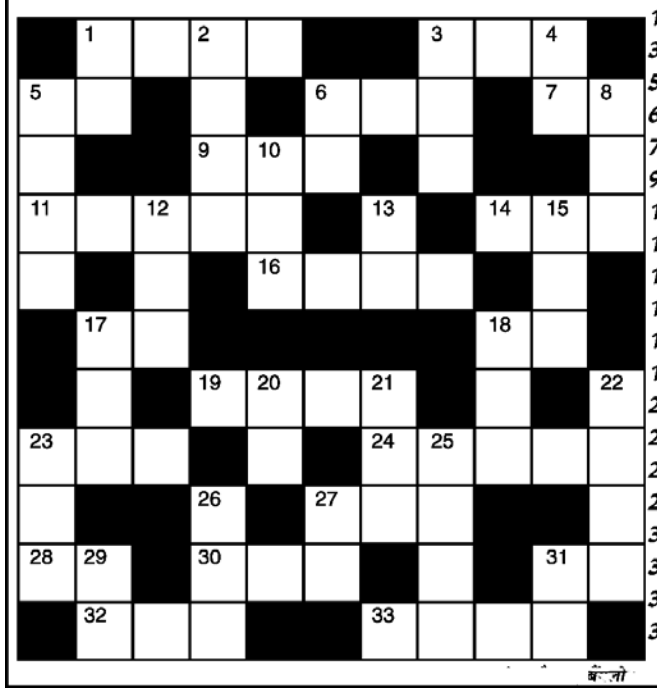

बाएँ से दाए
1. असभ्यता,मूर्खता-4
3. निर्भय,बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा,शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता,गुलामी-5
14. दानव,दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई,छाया-2
19. आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल,वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा,सूजी-2
30. गुलिस्तां,बाग-3
31. एक ग्रह,शनिश्चर-2
32. दबाना,कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा,अनोखा-3
4. लक्ष्मी,कमला-2
5. खीजना,रोना-4
6. एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष,होशियार-3
10. जमीकंद,एक सब्जी-3
12. धैर्य,संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा,तला-2
21. पुत्र,बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर,बाण-2

शब्द पहेली - 6371 का हल

■	अ	स	ह	यो	ग	■	अ	दा	ब	त
र	क्स	■	रा	■	ग	रु	ड़	■	न	र
ख	■	स	ना	त	न	■	ना	म	■	क
र	फ्तार	■	■	■	छुं	गी	■	त	म	स
खा	■	मा	■	चा	बी	■	सी	■	ही	■
ब	ल	या	का	र	■	प	रा	या	प	न
■	क	■	या	■	का	ल	■	द	■	क
द	वा	त	■	भ	ला	■	■	गा	य	ब
र	■	र	ज	■	वा	जी	ग	र	■	ज
क	र	■	ल	ह	जा	■	जं	■	खा	न
ना	जा	य	ज	■	र	धु	ना	थ	क	■

सूडोकु नवताल - 6382

मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6381 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8

विशेष : विश्व डाक दिवस, 9 अक्टूबर



रोचक जानकारी / शिखर चंद जैन

दुनिया के कुछ अलग हटके पोस्ट ऑफिस

बच्चो, डाक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए देश में ही नहीं, विदेशों में भी डाक घरों यानी पोस्ट ऑफिस की ऐसी व्यवस्था की गई है, जो सबको आश्चर्यचकित करती है। कहीं डाकघर झील में तैरता है, तो कहीं समुद्र के नीचे स्थित है। कोई डाकघर बर्फीले पहाड़ों पर है, तो कहीं खच्चर पहुंचाते हैं चिट्ठियां। डाक घरों से जुड़ी ऐसी ही कुछ हैरान करने वाली जानकारी।

दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ डाकघर श्रीनगर, भारत

भारत में दुनिया का इकलौता तैरता हुआ डाकघर है। यह डाकघर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में खूबसूरत डल झील में एक विशाल हाउस बोट पर स्थित है। इसका उद्घाटन अगस्त 2011 में हुआ था। यह न केवल स्थानीय लोगों को डाक सेवाएं प्रदान करता है, यहां आने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र भी है। इस डाकघर की मुहर भी खास है, जिस पर डल झील में शिकारा (नाव) चलाने वाले नाविक का चित्र बना होता है। *

दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर हिक्किम, भारत



हिमाचल प्रदेश के लाहुल-स्पीति जिले में स्थित हिक्किम डाकघर समुद्र तल से 14,567 फीट (लगभग 4,440 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर है। अत्यधिक ऊंचाई और भारी बर्फबारी के बावजूद, यह डाकघर साल के अधिकांश समय चालू रहता है। यहां से दुनिया भर के पर्यटक अपने प्रियजनों को पोस्टकार्ड भेजते हैं, जिस पर गर्व से लिखा होता है 'दुनिया के सबसे ऊंचे डाकघर से सादर।' *



दुनिया का एक मात्र अंडरवाटर पोस्ट ऑफिस वानुअतु

प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटा-सा द्वीप देश है वानुअतु। यहां दुनिया का एक मात्र अंडरवाटर पोस्ट ऑफिस है। यह डाकघर समुद्र के अंदर लगभग 3 मीटर (10 फीट) की गहराई में स्थित है। यहां जाने के लिए पर्यटकों को स्कूबा डाइविंग या स्नॉर्कलिंग गियर पहनना पड़ता है। यहां विशेष रूप से बनाए गए वॉटरप्रूफ (जलरोधी) पोस्टकार्ड बेचे जाते हैं, जिन्हें पर्यटक पानी के अंदर जाकर पोस्ट बॉक्स में डालते हैं। डाक विभाग का गोताखोर रोजाना आकर इन पत्रों को इकट्ठा करता है। *

दुनिया का सबसे उत्तरी डाकघर स्वालबार्ड, नॉर्वे

उत्तरी ध्रुव के बेहद करीब स्थित देश नॉर्वे के स्वालबार्ड द्वीप समूह के न्ये-ऑलेसुंड में आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे उत्तरी दिशा में डाकघर स्थित है। यह क्षेत्र अत्यधिक ठंडा है। यहां ध्रुवीय भालुओं का आतंक रहता है। यहां काम करने वाले डाक कर्मियों को न केवल डाक संभालनी होती है, बल्कि सुरक्षा के लिए राइफल चलाने की ट्रेनिंग भी लेनी पड़ती है। यहां से वैज्ञानिक और शोधकर्ता अपने देशों को पत्र भेजते हैं। *



अपनी तरह की बिल्कुल अनोखी खच्चर डाक सेवा



तकनीकी रूप से बेहद उन्नत देश अमेरिका में आज भी एक ऐसा इलाका है, जहां डाक पहुंचाने के लिए खच्चरों का सहारा लिया जाता है। एरिजोना के ग्रैंड कैनियन की गहराइयों में बसे सुपाइ गांव में 'हवासुपाई' जनजाति रहती है। यहां तक पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं है। इसलिए, अमेरिकी डाक सेवा आज भी हर हफ्ते खच्चरों के कारवां के जरिए यहां के लोगों तक पत्र, दवाइयां और जरूरी सामान पहुंचाती है। *

दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क भारतीय डाक सेवा



बच्चो, हमारे देश के डाक विभाग यानी भारतीय डाक विभाग के पास दुनिया का सबसे बड़ा और सघन डाक नेटवर्क है। वर्तमान में भारत में 1,55,000 से अधिक डाकघर हैं। इनमें से लगभग 90 प्रतिशत डाकघर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। भारत में औसतन एक डाकघर लगभग 21.23 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र और करीब 8,000 से अधिक लोगों की आबादी को सेवा प्रदान करता है। चीन या अमेरिका जैसे बड़े देश भी डाकघरों की संख्या के मामले में भारत के आस-पास नहीं ठहरते। *

बच्चो, फेस्टिवल सीजन शुरू हो रहा है। तुम जरूर इन त्योहारों का पूरा आनंद लेना चाहोगे। इसके लिए तैयारी शुरू कर दो। इस तैयारी में तुम्हारे कुछ ऐसे काम और प्रयास होने चाहिए, जिससे सबको खुशियां मिलें और तुम एक अच्छे-नेक इंसान कहलाओ।

त्योहारों की करो ऐसी तैयारी सबको मिले खुशियां

पर्व उमंग

अंजू जैन



एआई इमेज

बच्चो, त्योहार हमारे जीवन को उत्साह-उमंग से भरते हैं। त्योहार मौज-मस्ती के साथ-साथ हमें अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। त्योहार हमें अपने परिवार से जोड़ते भी हैं। अब एक साथ कई त्योहारों की झड़ी लगने वाली है। इनका पूरा आनंद उठाने के लिए तुम्हें कुछ तैयारियां अभी से कर लेनी चाहिए, जानो ये तैयारी क्या हो सकती हैं?

अपने लोगों के साथ माइंडफुल प्रेजेंस: बच्चो, त्योहारों का असली मजा तब है, जब हम डिजिटल दुनिया से बाहर निकलकर अपने लोगों के साथ घुले-मिलें। इसलिए तुमको भी त्योहार के दिनों में अपना स्क्रीन टाइम कम करके अपने लोगों के साथ 'माइंडफुल प्रेजेंस' का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए आभासी दुनिया से बाहर निकलकर, त्योहार के वास्तविक रंग में रंगना चाहिए। परिवार के संग त्योहार की खुशियां मनानी चाहिए। यही असली 'माइंडफुल प्रेजेंस' है।

पढ़ाई का एडवांस बैकअप है जरूरी: त्योहार के दिनों में पढ़ाई प्रभावित होना स्वाभाविक है। समझदारी इसी में है कि तुम त्योहार शुरू होने के पहले से ही स्कूल के होमवर्क, असाइनमेंट और आने वाले वाले एग्जाम्स के सिलेबस को एडवांस में पूरा कर लो। यदि तुम ऐसा कर लेते हो, तो त्योहार के दिनों में तुम्हें पढ़ाई की चिंता नहीं सताएगी। तुम बिना किसी प्रेशर के फेस्टिवल को एंज्वॉय कर सकोगे।

मम्मी-पापा की करो मदद: त्योहारों में घर के बड़ों, विशेषकर माता-पिता पर बहुत सारी जिम्मेदारियों का बोझ रहता है। इस बार फेस्टिवल्स में तुम अपने मम्मी-पापा के कामों में उनकी मदद करो, जैसे अपनी किताबें और अन्य सामान को व्यवस्थित रखो। घर की सफाई के दौरान तुम अलमारियों को व्यवस्थित करो। आसपास की दुकानों से पूजन सामग्री या घरेलू सामान लाकर अपने मम्मी-पापा का काम कम कर सकते हो।

हैंडमेड ग्रीटिंग्स देकर करो विश: तुम अभी से कैनवास, वॉटरकलर या स्केच पेन की मदद से अपकमिंग फेस्टिवल्स के लिए कुछ ग्रीटिंग कार्ड्स बनाकर रख लो। ये कसर्ड्स जब तुम अपने फ्रेंड्स या रिलेटिव्स को दोगे तो उन्हें बहुत अच्छा लगेगा।

अपनाओ जीरो वेस्ट-जीरो पॉल्यूशन की नीति: दिवाली बीत जाने के बाद चारों तरफ पटाखों का कचरा और बची हुई सामग्रियां बिखरी दिखाई देती हैं। तुम अभी से संकल्प लो कि त्योहारों में प्रदूषण फैलाने वाली चीजों का कम से कम इस्तेमाल करोगे। साथ ही त्योहारों के बाद सफाई करके सही ढंग से वेस्ट मैनेजमेंट करोगे। *

काइंडनेस बॉक्स से बांटो खुशियां



बच्चो, तुम अपने कमरे में एक 'काइंडनेस बॉक्स' बनाकर रख सकते हो। इसमें अपनी अच्छी स्थिति वाले पुराने खिलौने, ज्ञानवर्धक किताबें, कपड़े और अपनी पॉकेट मनी से बचाए गए कुछ पैसे अभी से इकट्ठा करना शुरू कर दो। त्योहार से एक-दो दिन पहले, अपने मम्मी-पापा, बड़े भाई-बहन या दोस्तों के साथ अनाथालय या झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के पास जाकर इन्हें उपहार स्वरूप भेंट करो। इससे उन बच्चों को तो खुशी मिलेगी ही, तुम्हें भी खुशी और संतुष्टि मिलेगी।

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

प्यारी-मीठी लोरियां

बच्चो, जब तुम छोटे थे, तो तुमने जरूर अपनी दादी मां या मम्मी से प्यारी-मीठी लोरियां सुनी होंगी। तुम्हारे लिए ऐसी ही मिठास भरी लोरियां लिखी हैं डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने, अपने लोरी संग्रह 'अम्मा की लोरी' में। इसमें कुल 12 लोरियां हैं। पहली लोरी में 'छोटी चिड़िया की बात है' तो दूसरी में चिड़िया को इसलिए बुलाया गया है कि उससे दोस्ती करनी है, जबकि बंदर को आने से रोका है। एक लोरी में गोल-मटोल चंदा की तरह मम्मी का चेहरा, पापा की आंखें, दादा का चश्मा, दादी की बिंदी, सबके सब गोल-मटोल होने की बात है। एक मजेदार लोरी में गिल्लो रानी बगिया में आकर 'कुट-कुट' का शोर करती है। मजा तो तब आता है, जब गिल्लो आकर बस्ते पर बैठ जाती है। एक मीठी लोरी में मम्मी, 'मछली जल की रानी है' पढ़ाती तो हैं, लेकिन मछली नहीं दिखने से बच्चे को हैरानी होती है। एक अन्य लोरी में भैया जी के सपने में दादा-दादी आएंगे तो साथ में तारे भी लाएंगे। एक लोरी में चिड़िया लगातार पानी बरसने से इसलिए उदास है कि वह कुछ भी खाने के लिए कहां से लाए, लेकिन इसी बीच मुन्नी ने कटोरे में भर खीर लाकर चिड़िया को दिया तो उसके साथ कौए की भी दावत हो गई। एक लोरी में तितली बिना रोक-टोक जहां देखो, वहां आती-जाती रहती है। यहां तक कि वह कक्षा में भी आ जाती है, मैम उसे कुछ न कहकर मुस्काती रहती हैं। दूसरी ओर एक लोरी में कौवे राजा का कांव-कांव का शोर यह बताता है कि घर में मेहमान आने वाले हैं। अम्मा-बाबा के आने की कल्पना से ही घर का पूरा वातावरण बदल जाता है। अंतिम लोरी में बिल्ली मौसी चुपके से आकर घर में घुसकर सारा दूध पी लेती है और फिर वहीं पर सो जाती है। संग्रह की हर लोरी तुम्हें खूब भाएगी, तुम इन्हें गाए बिना नहीं रहोगे। *



किताब : अम्मा की लोरी (लोरी संग्रह), **लेखिका :** डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, **मूल्य :** 149 रुपए, **प्रकाशक :** बोधि प्रकाशन, जयपुर (राजस्थान)



कहानी

डॉ. अलका जैन 'आराधना'

अनन्या की बर्थ-डे पार्टी में उसकी हाउस हेल्पर का बेटा बल्लू भी आया था। अनन्या ने पार्टी में आए अपने सभी फ्रेंड्स को रिटर्न गिफ्ट दिया, लेकिन बल्लू को देने के लिए गिफ्ट नहीं बचा। तो क्या बल्लू खाली हाथ वापस चला गया? बच्चो पढ़ो, बहुत ही प्यारी-सी कहानी।

रिटर्न गिफ्ट



एआई इमेज

आज अनन्या का जन्मदिन है। उसकी मम्मी सुबह से तैयारी में लगी हुई हैं। वे इंतजार कर रही हैं अपनी हाउस हेल्पर मालती का। ताकि वह आकर घर के काम-काज में उनकी मदद कर दे।

मालती के आने पर मम्मी ने कहा, 'आज अनन्या का जन्मदिन है। हमने सारे हॉल में गुब्बारे लगा दिए हैं। अब तुम जल्दी से कमरे की सफाई कर दो। फूटे हुए गुब्बारे यहां-वहां बिखरे पड़े हैं।'

मालती झटपट काम में जुट गई। जब वह काम निपटा कर जाने लगी तो मम्मी ने कहा, 'आज शाम को अपने बेटे बल्लू को भी अनन्या की बर्थ-डे पार्टी में लेकर आना।'

यह सुनकर मालती मुस्कुरा दी। मालती जब अपने घर पहुंची तो उसने देखा कि बल्लू अपनी ड्राइंग की नोटबुक में बहुत सुंदर चित्र बना रहा था। मालती बोली, 'अरे वाह.. कितना सुंदर चित्र बनाया है।' उसने देखा कि चित्र में एक लड़की अपनी बर्थ डे का केक काटने के लिए खड़ी हुई है। पूरा हॉल गुब्बारों से सजा हुआ था।

मालती बल्लू से बोली, 'कमाल है! तुमने तो वह चित्र बना दिया, जो आज शाम को सच में होने वाला है।'

'वो कैसे?' बल्लू चौंका।

मां ने बल्लू को बताया, 'आज शाम को अनन्या की बर्थ-डे पार्टी है। उसकी मम्मी ने तुम्हें भी बुलाया है। वहां चलना है।'

बल्लू बर्थ-डे पार्टी का नाम सुनकर बहुत खुश हुआ। शाम को वह अपने सबसे अच्छे कपड़े पहन कर तैयार हो गया।

बल्लू शाम को समय पर अपनी मां के साथ अनन्या के घर पहुंच गया। पूरा हॉल बच्चों से भरा हुआ था। बल्लू भी मुस्कुराता हुआ अनन्या के पास आया। उसने बर्थ-डे गिफ्ट के रूप में अनन्या को कहानियों की एक किताब दी।

उधर मालती काम में जुट गई। उसकी मदद से सारी व्यवस्था बहुत अच्छी तरह से हो गई थी। बल्लू ने बर्थ-डे पार्टी बहुत अच्छे से एंज्वॉय किया। डांस भी किया। केक खाया और टेस्टी नाश्ता और डिनर किया।

पार्टी के बाद अनन्या अपने हाथों से सब बच्चों को रिटर्न गिफ्ट दे रही थी। सब बच्चों को रिटर्न गिफ्ट देने के बाद अनन्या ने देखा कि रिटर्न गिफ्ट खत्म हो गए थे। बल्लू को अब तक रिटर्न गिफ्ट नहीं मिला था। अनन्या को लगा कि बल्लू को बहुत बुरा लगेगा। वह मम्मी के पास गई, उनसे रिटर्न गिफ्ट खत्म होने के बारे में बताया। मम्मी बोलीं, 'मैं बल्लू को बाद में दे दूंगी।'

'नहीं मम्मी...' बोलकर अनन्या बच्चों द्वारा लाए गिफ्ट्स में से चार डब्बे उठा लाई। 'अक्कड़ बक्कड़ बंबे बो' करके एक डब्बा चुन लिया। वह बल्लू को डब्बा देने ही वाली थी कि मम्मी बोलीं, 'देख तो लो... इसमें है क्या?'

अनन्या बोली, 'नहीं... देखूंगी, कहीं मन न बदल जाए।'

अनन्या की बात सुनकर मम्मी ने उसे शाबासी दी, मुस्कुराते हुए बोलीं, 'जाओ, दे दो बल्लू को रिटर्न गिफ्ट।'

यह सब बल्लू भी देख-सुन रहा था। वह बोला, 'दीदी, मैं बाद में ले लेता... आप अपना गिफ्ट मुझे क्यों दे रही हैं?' बल्लू के मना करने के बाद भी अनन्या ने उसे गिफ्ट का एक डब्बा थमा दिया। अनन्या ने बल्लू से गिफ्ट खोलकर देखने को कहा। उसने जब गिफ्ट खोला तो उसके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। यह तो वही रिमोट कंट्रोल वाली कार थी, जो कल उसने सपने में देखी थी! रिमोट कंट्रोल वाली कार अनन्या को भी बहुत पसंद थी, लेकिन यह तो वह रिटर्न गिफ्ट में बल्लू को दे चुकी थी।

मम्मी ने अनन्या का चेहरा पढ़ने की कोशिश की। अनन्या के चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। वह पहले की तरह ही मुस्कुरा रही थी। उसे मुस्कुराता देख मम्मी के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई। *

कविता

डॉ. करुणा पांडे

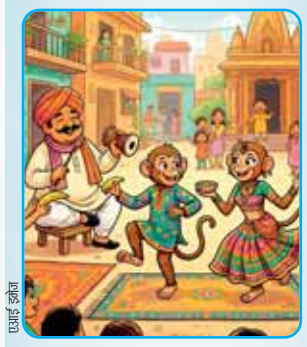

एआई इमेज

मदारी

डुग-डुग करता आया मदारी
मेरे घर के अंदर।।
छम-छम भालू नाच दिखाता
साथ में था एक बंदर।।
नाच दिखाता बंदर सुंदर
देख मदारी की लाठी।
अब ऐंठ मदारी बैठ गया,
थी मोटी सी कद काठी।।
बंदरिया ने लहंगा पहना
बंदर देख मुस्काया।।
हमने उसको केला फेंका,
लपक के उसने खाया।
सबसे पैसा बंदर मांगे
छूने पैर वह आया।
तभी वहां लंगूर ने आकर
बंदर को मार भगाया।।

जीके क्विज-226

1. एशियन गेम्स 2026 में भारत ने कुल कितने पदक जीते?
2. एशियन गेम्स 2026 में नीरू ढांडा ने किस खेल में स्वर्ण पदक जीता?
3. एशियन गेम्स 2026 में पदक तालिका में भारत ने कौन-सा स्थान प्राप्त किया?
4. अगले एशियन गेम्स 2030 का आयोजन कहां किया जाएगा?
5. वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे कब मनाया जाता है?
6. जापान की मुद्रा का क्या नाम है?
7. कनाडा की राजधानी का क्या नाम है?
8. पौधे अपना भोजन किस प्रक्रिया से बनाते हैं?
9. 'अर्थशास्त्र' के लेखक कौन थे?
10. भारत के प्रधानमंत्री को पद की शपथ कौन दिलाता है?



बच्चो, जीके क्विज-226 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-225 का उत्तर : 1. पोरबंदर (गुजरात), 2. 1915 ई., 3. गोपाल कृष्ण गोखले, 4. कस्तूरबा गांधी, 5. राजघाट (दिल्ली), 6. रवींद्रनाथ टैगोर, 7. साबरमती आश्रम, 8. दूसरा, 9. स्वर्ण पदक, 10. भारोत्तोलन (वेट लिफ्टिंग)

जीके क्विज-225 का सही उत्तर देने वाले : हर्षिल-राजनांदगांव, सुषमा-रायपुर, रचित-बिलासपुर, नेहा-भोपाल, कशिश-बलौदा बाजार, आर्यन-रोहतक, जतिन-दिल्ली, रोहन-दुर्ग, तेजस-महासमुंद, हर्ष-बालोद, सुमित-झज्जर, विकास-हिसार

रंग भरो-212

रंग भरो-212 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।





आकांक्षी, सरगुजा

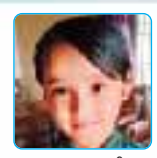

आशना, जांजगीर



डिंपल, दुर्ग



त्रिशा, रायपुर



दिशा, बिलासपुर



रूबेन, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, जीतू-भोपाल, कुसुम-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, प्रियंका-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, राजेश-करनाल, शुभम-बिलासपुर, प्रिया-कोरबा

रंग भरो 213



बच्चो, यहां केला खाते हुए एक क्यूट-से मंकी का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, G-65, बाली नगर, नई दिल्ली-110015 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

नाना पाटेकर ने निशानेबाजी में जीते हैं कई राष्ट्रीय पदक, क्रिकेट के थे बड़े प्रशंसक

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार को गोवा स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनको खेलों के प्रति गहरे लगाव के लिए भी याद किया जाता रहेगा। वह क्रिकेट के बड़े प्रशंसक थे। नाना ने एक बार बताया था कि वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते थे और मुंबई के मशहूर शिवाजी पार्क में बल्लेबाजों को नेट्स में गेंदबाजी किया करते थे। उन्होंने निशानेबाजी के कई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था। नाना पाटेकर को क्रिकेट का भी काफी शौक था। वे कैसे भी समय निकालकर क्रिकेट मैच देखा करते थे।

लंबे समय तक निशानेबाजी से जुड़े रहे नाना

निशानेबाजी में नाना की उपलब्धियों के चलते उन्हें 'रेनाउंड शॉट' का दर्जा मिला। इसके बाद उन्हें बिना शुल्क राइफल आयात करने की अनुमति भी मिली। उम्र बढ़ने के बावजूद उनका निशानेबाजी के प्रति जुनून कम नहीं हुआ। उन्होंने 60 साल की उम्र पार करने के बाद भी इस खेल को जारी रखा और राष्ट्रीय व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते रहे। नाना लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी निशानेबाजी से जुड़े रहे और इस खेल के प्रति लगन बनाए रखी।



फिल्म की तैयारी की निशानेबाजी बन गई जुनून

नाना के लिए फिल्म की तैयारी के तौर पर शुरू हुई निशानेबाजी धीरे-धीरे जीवनभर का जुनून बन गई। साल 2004 में इंदौर के बीएसएफ रेवती रेंज में आयोजित 48वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में उन्होंने 300 मीटर बिग-बोर स्पर्धा में रजत पदक जीता था। इसके 3 साल बाद उन्होंने महाराष्ट्र की टीम के लिए कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने 600 में से 549 अंक बनाए और व्यक्तिगत वर्ग में 12वें स्थान पर रहे थे।

नाना निशानेबाजों की करते थे मदद

नाना उभरते हुए राइफल निशानेबाजों की भी मदद करते थे। वह उनके प्रशिक्षण, कारतूस और जरूरी उपकरणों पर आने वाले बड़े खर्च को पूरा करने में सहयोग करते थे। नाना राष्ट्रीय स्तर के निशानेबाजों के लिए बेहतर आर्थिक पुरस्कारों की भी वकालत करते थे।उनका मानना था कि ऐसे प्रोत्साहन खिलाड़ियों को अपने जुनून को जारी रखने में मदद करेंगे और निशानेबाजी में उनके करियर को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी सहारा देंगे।

प्रहार फिल्म से शुरू की निशानेबाजी की तैयारी

नाना ने बताया था कि निशानेबाजी में उनका सफर 40 की उम्र में शुरू हुआ। वह निशानेबाजी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोहों में मुख्य अतिथि बनकर जाते थे। इस दौरान उन्होंने कई तरह की बंदूकों पर हाथ आजमाया। उन्होंने बताया था कि वह बोतल के छोटे ढक्कन जैसे बेहद छोटे निशानों पर भी निशाना साधने लगे थे। 1991 की फिल्म 'प्रहार' की तैयारी के दौरान उन्होंने इसकी तैयारी शुरू की थी। उन्होंने भारतीय सेना से प्रशिक्षण लिया था।



खबर संक्षेप



अनुष्का के दो गोल से भारत ने सीरिया को हराया

सेलायंग (मलेशिया)। भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर के ग्रुप ई के अपने दूसरे मुकाबले में बृहस्पतिवार को सीरिया को 2-0 से हराकर अपने अभियान में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। इराक के खिलाफ पहले मैच में भारत की रिकॉर्ड 14-0 की जीत में पांच गोल करने वाली अनुष्का (छठे और 54वें मिनट) ने दोनों हाफ में एक-एक गोल दागकर क्वालीफायर में अपने गोल की संख्या सात कर ली। इस जीत से भारत के दो मैच में छह अंक हो गए हैं। अब ग्रुप ई में उसका आखिरी मुकाबला 11 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से होगा। केवल ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 के लिए क्वालीफाई करेगी।

धनंजय ने छोड़ी कप्तानी कुसल को श्रीलंका की कमान



कोलंबो। श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने बृहस्पतिवार को तुरंत प्रभाव से टेस्ट कप्तान का पद छोड़ दिया जिसके बाद कुसल मेंडिस को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की श्रृंखला कप्तान के रूप में मेंडिस की पहली श्रृंखला होगी। मेंडिस पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की अगुआई कर रहे हैं। श्रीलंका के लिए 31 वर्षीय मेंडिस ने 75 टेस्ट सहित कुल 343 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। कुसल मेंडिस की नियुक्ति का फैसला आज श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के मुख्यालय में हुई चयन समिति की बैठक में लिया गया।

होप्स, हार्डिन पंजाब किंग्स के कोचिंग स्टाफ से हटे



नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स और फील्डिंग कोच ब्रैड हार्डिन ने अपना पद छोड़ दिया है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग की इस टीम ने अभी तक इसकी औपचारिक पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार इन दोनों ने हाल में पंजाब किंग्स के प्रबंधन को अपने फैसले की जानकारी दे दी थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि इन दोनों के पद छोड़ने की संभावना पहले से ही थी क्योंकि होप्स को क्वींसलैंड और ब्रिसबेन हीट का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है, जबकि हार्डिन न्यू साउथ वेल्स की पुरुष टीम का कोच पद संभालेंगे। होप्स कुछ सत्र पहले मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ दिल्ली कैपिटल्स से पंजाब किंग्स में शामिल हुए थे।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: दूसरा टी-20 मैच

टीम इंडिया बढ़त बढ़ाने और वेस्टइंडीज बराबरी करने आज दिखाएंगी दमखम

एजेंसी ▶▶ रांची

भारतीय क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की सीरीज के पहले मैच को जीतकर बढ़त बनाई हुई है। अब सीरीज का दूसरा मैच 9 अक्टूबर को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मेजबान टीम दूसरे टी-20 को भी जीतकर सीरीज में अपनी बढ़त दोगुना करना चाहेगी। दूसरी तरफ शाई होप के नेतृत्व में कैरेबियाई टीम पलटवार के इरादे से उतरेगी।

संजू सैमसन को छोड़कर भारत के सभी बल्लेबाज फॉर्म में हैं। टीम प्रबंधन युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने के लिए भेज सकता है। भारतीय टीम यहां जीत हासिल करने पर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना लेगी, लेकिन उसके लिए सैमसन का खराब प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है।

वेस्टइंडीज पर भारत का पलड़ा रहा है भारी

अब तक दोनों देशों की भिड़ंत में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। हाउस्टेट के मुताबिक, अब तक ये दोनों टीमें टी-20 प्रारूप में कुल 32 मैचों में आमने-सामने हुई है, इसमें से 21 में भारत को जीत मिली है और 10 मैच वेस्टइंडीज ने अपने नाम किए हैं। इस बीच एक मैच बेनतीजा भी रहा है। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले 6 टी-20 में से 4 में जीत दर्ज की है।

मैच भारतीय समयानुसार रात 7 बजे से शुरू होगा



इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

भारत के लिए कप्तान अय्यर ने पहले टी-20 में शतक (102*) लगाया था। वह अपनी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे। लखनऊ में अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले नमन धीर ने प्रभावशाली गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए थे। वह एक बार फिर कमाल करना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के कप्तान होप इस समय जोरदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने पहले टी-20 में भी अर्धशतक (52*) लगाया है।

पिच का मिजाज

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स की पिच आमतौर पर संतुलित होती है, लेकिन मैच आगे बढ़ने के साथ धीमी हो जाती है और ऐसे में स्पिन गेंदबाजों को अच्छी मदद मिलती है। हाउस्टेट के मुताबिक, इस मैदान पर अब तक 4 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें पहले बल्लेबाजी करने वाली और बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने 2-2 मैच जीते हैं। यहां पर पहली पारी का औसत स्कोर 161 रन है।

ऐसा रहेगा रांची का मौसम

एक्यूवेदर के अनुसार, 9 अक्टूबर को रांची में बारिश की 55 प्रतिशत संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। ऐसे में मैच में बारिश का खलल देखने को मिल सकता है।

भारत की संभावित एकादश

अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नमन धीर, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, और मयंक यादव।

आईपीएल से फिर टकराएगा पाकिस्तान सुपर लीग

2027 में एक ही समय पर होंगे दोनों टूर्नामेंट



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान सुपर लीग लगातार तीसरे साल इंडियन प्रीमियर लीग के साथ टकराएगी। लीग के 12वें संस्करण का आयोजन 18 मार्च से 2 मई 2027 तक किया जाएगा। 2016 से 2024 तक पीएसएल फरवरी और मार्च में खेली जाती थी। हालांकि, आईसीसी टूर्नामेंटों के कारण 2025 से इसे अप्रैल-मई की अवधि में आयोजित किया जाने लगा। 2025 में पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 में भारत-श्रीलंका में टी-20 विश्व कप के कारण कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा।

जनवरी-फरवरी में कड़ाके की ठंड बाधक

जनवरी-फरवरी में पीएसएल कराने की योजना को मुश्किल माना गया। इसकी बड़ी वजह पंजाब का मौसम है, जहां लीग के 4 पारंपरिक आयोजन स्थलों में से 3- लाहौर, मुल्तान और रावलपिंडी स्थित हैं। इन शहरों में जनवरी और फरवरी के दौरान कड़ाके की सर्दी पड़ती है। साथ ही घने कोहरे के कारण दृश्यता भी काफी कम होती है। ऐसे मौसम में मैचों के आयोजन और तय कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाना चुनौतीपूर्ण माना गया।

जनवरी-फरवरी में टूर्नामेंट होने की योजना आगे नहीं बढ़ी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और पीएसएल फ्रेंचाइजी ने पिछले महीने हुई संचालन परिषद की बैठक में 12वें संस्करण को जनवरी-फरवरी में कराने की संभावना पर चर्चा की थी। यह चर्चा वली टेक्नोलॉजीज की ओर से मौजूदा समय में प्रसारण से होने वाली कम आय पर चिंता जताए जाने के बाद हुई। वली टेक्नोलॉजीज के पास 2029 तक मीडिया अधिकार हैं और वह लीग की रावलपिंडिज की मालिक भी है। हालांकि, जनवरी-फरवरी में आयोजन की योजना आगे नहीं बढ़ सकी।

सिंधू आर्कटिक ओपन में आगे बढ़ीं थारुन, तन्वी और श्रीकांत बाहर



एजेंसी ▶▶ वांता (फिनलैंड)

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने बृहस्पतिवार को यहां जापान की रिको गुनजी को हराकर आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों का इस पांच लाख डॉलर इनामी प्रतियोगिता में अभियान समाप्त हो गया।

हैदराबाद की 31 वर्षीय सिंधू ने दूसरे दौर के मुकाबले में गुनजी को 21-15, 21-15 से हराया। सिंधू ने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। छठी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी का सामना अब शीर्ष वरीय और पूर्व विश्व चैंपियन थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से होगा।

इन खिलाड़ियों को झेलना पड़ी हार

हालांकि, थारुन मान्नेपल्ली और तन्वी शर्मा के लिए दिन निराशाजनक रहा और दोनों को अपने एकल मुकाबलों में सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने मान्नेपल्ली को 21-14, 21-19 से हराया जबकि रतचानोक ने तन्वी को एकतरफा मुकाबले में 21-18, 21-7 से शिकस्त दी। पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत भी शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए। उन्हें कनाडा के ब्रायन यांग ने 21-15, 15-21, 21-13 से हराया।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश

नई दिल्ली। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरूष हॉकी में मेजबान भारत की नजरें एशियाई स्तर पर दबदबा कायम रखने पर लगी होंगी जबकि पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को छह टीम को टूर्नामेंट में जगह दी गई है। हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार छह टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश भाग लेंगे। पंजाब में लगभग दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिये अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी हो रही है। जापान के आइची नागोया में हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिये क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम चार बार खिताब जीत चुकी है। मुंबई में 2008 के आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय हॉकी नहीं खेली गई है।

मोनांक के शतक से अमेरिका ने आईसीसी लीग 2 का खिताब जीता

डलास। कप्तान मोनांक पटेल के शानदार शतक की मदद से अमेरिका ने नामीबिया को चार विकेट से हराकर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग 2 का खिताब जीता। ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में मोनांक पटेल ने 108 रन बनाए जिससे अमेरिका ने नामीबिया के नौ विकेट पर 298 रन के बड़े स्कोर को बौना साबित करते हुए सात गेंद शेष रहते जीत हासिल की। मोनांक पटेल के अलावा स्मित पटेल ने तेज 50 रन और शेहान जयसूर्या ने 74 रन का योगदान दिया। नामीबिया की तरफ से कप्तान गेरहार्ड इरास्मस (76) ने सर्वाधिक रन बनाए। अमेरिका ने इस जीत से दो और अंक हासिल किए जिससे उसकी शीर्ष पर जगह पक्की हो गई।अमेरिका ने वनडे विश्व कप क्वालीफायर में अपनी जगह पहले ही पक्की कर ली है, जहां वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश करेगा।

रायपुर की किरण पिस्दा का भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम में चयन, रूस के खिलाफ दिखाएंगी दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ की बेटी और रायपुर आवासीय बालिका फुटबॉल अकादमी की खिलाड़ी किरण पिस्दा का भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम में चयन हुआ है। अब वे रूस के खिलाफ होने वाले दो अंतर्राष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों में भारतीय टीम की जर्सी में मैदान पर उतरेंगी। उनकी इस उपलब्धि पर उपमुख्यमंत्री व खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने वीडियो कॉल के माध्यम से उन्हें बधाई दी।उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि भारतीय महिला फुटबॉल टीम में किरण का चयन पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। यह उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने किरण के माता-पिता, प्रशिक्षकों और रायपुर आवासीय बालिका फुटबॉल अकादमी को भी बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि किरण भारतीय टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

फुटबॉल अकादमी में रही महत्वपूर्ण भूमिका

किरण की इस उपलब्धि में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की रायपुर स्थित बालिका फुटबॉल अकादमी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अकादमी में नियमित प्रशिक्षण, अनुशासित वातावरण, तकनीकी मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों के जरिए उनकी प्रतिभा को निखारा गया। कोच सरिता कुजूर के मार्गदर्शन में किरण के तकनीकी कौशल के साथ मानसिक मजबूती, आत्मविश्वास और दबाव में निर्णय लेने की क्षमता पर भी काम किया गया।



भारतीय सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी किरण

भारतीय टीम में किरण की यह वापसी भी है। इससे पहले वे 2022 में नेपाल में आयोजित एसएएफएफ महिला चैंपियनशिप में भारतीय सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। अब फीफा अंतर्राष्ट्रीय मैच विंडो के तहत रूस के खिलाफ दो मुकाबलों के लिए उनका चयन हुआ है। पहला मैच 8 अक्टूबर को शाम 6 बजे और दूसरा 11 अक्टूबर को कोलकाता के किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक आकांक्षा शिक्षा खलखो ने भी किरण को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की अन्य बालिका खिलाड़ियों को बड़े लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

मुंबई के कप्तान सिद्धेश ने किया खुलासा

रणजी से पहले विकेटकीपिंग कर रहे जायसवाल...?

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 11 अक्टूबर से शुरू होने वाली रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए तैयार हैं। वह मुंबई क्रिकेट टीम में चुने गए हैं। इस बीच खबर है कि जायसवाल रणजी ट्रॉफी सीजन की तैयारी के दौरान विकेटकीपिंग का अभ्यास भी कर रहे हैं।

मुंबई के कप्तान सिद्धेश लाड ने भी जायसवाल की विकेटकीपिंग करने की पुष्टि की है। वहीं मुंबई की टीम में सूर्यकुमार यादव शुरुआती मुकाबलो के लिए नहीं चुने गए हैं। चयनकर्ताओं ने सरफराज खान जैसे अनुभवी और स्थापित वरिष्ठ खिलाड़ियों को दरकिनार करते हुए सीधे 19 वर्षीय आयुष म्हात्रे को उपकप्तान बनाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।



यशस्वी टीम के लिए उपयोगी हैं : सिद्धेश

रणजी ट्रॉफी के पहले मैच के लिए मुंबई की टीम में शार्दुल ठाकुर नहीं हैं। वहीं, अजिंक्य रहाणे भी संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में जायसवाल टीम के अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनसे मुंबई को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। लाड ने उनकी उपयोगिता को लेकर आगे कहा, मुझे लगता है कि यशस्वी सिर्फ पहले मैच के लिए उपलब्ध हैं। यशस्वी जैसे खिलाड़ी सिर्फ अच्छा प्रदर्शन ही नहीं करते, बल्कि अपने अनुभव से टीम की वैल्यू भी बढ़ाते हैं।

रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम

मुंबई की टीमः सिद्धेश लाड (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आयुष म्हात्रे (उपकप्तान), दिव्यांश सक्सेना, मुशीर खान, सरफराज खान, सुवेद पारकर, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, अथर्व अंकोलेकर, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डीसूजा, ओंकार तरमले।

यशस्वी विकेटकीपिंग करना चाहते हैं : लाड

मुंबई को अपने पहले मैच में 11 अक्टूबर चंडीगढ़ से भिड़ना है। इस मैच से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लाड ने कहा, मुझे लगता है कि यशस्वी विकेटकीपिंग शुरू करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मैंने उनसे यही सुना है। वह मुंबई या भारतीय टीम के लिए विकेटकीपिंग करना चाहते हैं। उनका मकसद यही है, मुझे ऐसा ही लगता है, लेकिन इस बारे में मुझे कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

जायसवाल ने 10 ओवर विकेटकीपिंग भी की

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणजी ट्रॉफी से पहले मुंबई के एक अभ्यास मैच के दौरान जायसवाल ने लगभग 10 ओवर तक विकेटकीपिंग भी की है। लाड ने कहा, उन्होंने विकेटकीपिंग का अभ्यास शुरू कर दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि वह अपने खेल में कुछ और जोड़ना चाहते हैं। मुझे पक्का नहीं पता कि उनका इरादा क्या है, लेकिन अभी वह विकेटकीपिंग का अभ्यास कर रहे हैं और अगर वह ऐसा करते रहे, तो उन्हें इसकी आदत हो जाएगी।



खाद्यान्न हेराफेरी में एफआईआर के बाद भी अधिकारी विभाग में सक्रिय

2.20 करोड़ के खाद्यान्न हेराफेरी मामले में सवालों के घेरे में कार्रवाई

तत्कालीन खाद्य अधिकारियों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, संयुक्त आयुक्त के पत्र से फिर खुला मामला

हरिभूमि, जबलपुर।



गरीबों के हिस्से के सरकारी खाद्यान्न में 2.20 करोड़ रुपए की हेराफेरी के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों की विभागीय स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले में तत्कालीन जिला आपूर्ति नियंत्रक नुजहत बकाई बानो तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी भावना तिवारी और सुचिता दुबे सहित 33 लोगों के विरुद्ध 5 सितंबर 2025 को एफआईआर दर्ज की गई थी। अब अधिवक्ता विनोद सिसोदिया की शिकायत पर संयुक्त आयुक्त (विकास), जबलपुर संभाग ने कलेक्टर को पत्र भेजकर शिकायत में उठाए गए बिंदुओं की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इससे मामले में तत्कालीन अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ने के संकेत हैं।

एफआईआर के बाद भी विभाग में काम, तो कार्रवाई का मतलब क्या?

मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब सरकारी खाद्यान्न में करोड़ों की अनियमितता के मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है, तो संबंधित अधिकारी अपने-अपने विभागों में किस आधार पर कार्य करते रहे? क्या किसी अधिकारी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर का प्रशासनिक कार्रवाई में कोई महत्व नहीं है? यदि एफआईआर के बाद भी अधिकारी विभागीय जिम्मेदारियां संभाल सकते हैं, तो फिर सरकारी व्यवस्था में जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया आखिर कब शुरू होगी? शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गंभीर आर्थिक अनियमितता सामने आने के बावजूद संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध प्रभावी विभागीय कार्रवाई नहीं की गई और उन्हें पुनः पदस्थ कर दिया गया।

11 राशन दुकानों में मिला था भारी अंतर

खाद्यान्न घोटाले की जांच में जबलपुर की 11 उचित मूल्य राशन दुकानों के स्टॉक में भारी कमी सामने आई थी। जांच के दौरान 391.780 मीट्रिक टन गेहूं, 338.789 मीट्रिक टन चावल, 3.027 मीट्रिक टन नमक और 0.970 मीट्रिक टन शक्कर की कमी पाई गई। इन खाद्यान्न की कुल कीमत 2 करोड़ 20 लाख 12 हजार 460 रुपए बताई गई। जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2022 में एईपीडीएस पोर्टल पर यूजर आईडी और आईपी एड्रेस का उपयोग कर राशन दुकानों के डिजिटल स्टॉक में कमी दर्ज की गई थी। इसी आधार पर सरकारी खाद्यान्न के गबन और आर्थिक अनियमितता का मामला सामने आया।

वर्षों तक विभागीय जांच क्यों?

एफआईआर के बाद अब प्रशासनिक और विभागीय जांच की प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में है। यदि किसी मामले में सरकारी रिकॉर्ड, डिजिटल स्टॉक और राशन दुकानों के भौतिक सत्यापन से बड़ी कमी सामने आ चुकी है तथा पुलिस प्रकरण भी दर्ज हो चुका है, तो विभागीय जांच वर्षों तक लंबित रहने की वजह क्या है?विभागीय जांच का उद्देश्य तथ्य सामने आने के बाद जिम्मेदारी तय करना है, लेकिन यदि जांच ही वर्षों तक चलती रहे तो कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। खासकर तब, जब मामला गरीब परिवारों को वितरित किए जाने वाले सरकारी खाद्यान्न से जुड़ा हो।

अब निगाह कार्रवाई पर

संयुक्त आयुक्त के पत्र के बाद एक बार फिर निगाह इस बात पर है कि शिकायत में उठाए गए बिंदुओं की जांच के बाद प्रशासन किस स्तर पर और कितनी जल्दी कार्रवाई करता है। सवाल सिर्फ 2.20 करोड़ रुपए के खाद्यान्न की कमी का नहीं, बल्कि उस पूरी प्रशासनिक व्यवस्था की जवाबदेही का है, जिसमें एफआईआर दर्ज होने के बाद भी विभागीय जांच लंबी खिंचती है और कार्रवाई का इंतजार बना रहता है।

निलंबन हो चुका, विभागीय जांच प्रक्रियाधीन : कलेक्टर

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि मामले से संबंधित पत्र प्राप्त हुआ है। मामला पुराना है। जिला आपूर्ति नियंत्रक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हो चुकी है और निलंबन भी किया जा चुका है। संबंधितों के विरुद्ध विभागीय जांच प्रक्रियाधीन है।

हाईकोर्ट ने सुनाया पूरा वेतन देने का आदेश

परिवीक्षा में 70-80-90 प्रतिशत वेतन देने की शर्त का मामला

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नियुक्ति के शुरुआती तीन वर्षों में कर्मचारियों को न्यूनतम वेतनमान का 70, 80 और 90 प्रतिशत भुगतान करने की शर्त को चुनौती देने वाली याचिका का निराकरण कर दिया। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को याचिकाकर्ताओं को पूरा न्यूनतम वेतन देने के निर्देश दिए हैं।

जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने यह आदेश जबलपुर निवासी सत्यम गुप्ता, अभिक कुमार सिंह व यशोदा मरावी के अलावा उमरिया निवासी अंजली तिवारी की याचिका पर पारित किया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता शंकर प्रसाद सिंह ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ताओं ने नियुक्ति आदेश में शामिल उस शर्त को चुनौती दी थी, जिसके तहत परिवीक्षा के पहले तीन वर्षों में न्यूनतम वेतन का क्रमशः 70, 80 और 90 प्रतिशत भुगतान किया जाना था। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने हाई कोर्ट के पूर्व आदेशों का हवाला देते हुए बताया कि इसी तरह के मामलों में ऐसी शर्त को कानूनन गलत मानते हुए परिवीक्षा अवधि में न्यूनतम वेतनमान का पूरा भुगतान करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता प्रवीण नामदेव ने विरोध करते हुए बताया कि पूरे वेतन के भुगतान संबंधी हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। हालांकि, याचिकाकर्ताओं ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले में कोई स्थगन आदेश नहीं दिया है। हाईकोर्ट ने इस तथ्य को देखते हुए याचिका का निराकरण कर दिया और 31 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुरूप लाभ देने के निर्देश दिए। साथ ही लाभ देने से पहले याचिकाकर्ताओं से अंडरटेकिंग-इंडेम्निटी बांड लेने को कहा, ताकि सुप्रीम कोर्ट में राज्य के पक्ष में फैसला होने पर अतिरिक्त भुगतान की राशि वापस की जा सके।





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240